@Qpatrika
@qaumipatrikahindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
मंगलवार, 3 मार्च 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 118 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

पीएम मोदी और मार्क कार्नी की वार्ता

भारत-कनाडा रक्षा संवाद

50 अरब डॉलर व्यापार लक्ष्य पर सहमति

• 'दोनों देशों के बीच पहली बैठक के बाद से संबंधों में ऊर्जा, आपसी विश्वास और सकारात्मकता आई है।'

एजेंसी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कहा कि भारत और कनाडा रक्षा उद्योग, समुद्री क्षेत्र की निगरानी और सैन्य आदान-प्रदान को बढ़ाने की दिशा में काम करेंगे और दोनों देशों के बीच रक्षा संवाद स्थापित करने की घोषणा की। प्रधानमंत्री मोदी ने यह घोषणा कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के साथ नई दिल्ली में हुई वार्ता के बाद संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में की। उन्होंने कहा, 'रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्र में बढ़ता सहयोग हमारी गहरी आपसी विश्वास और संबंधों की परिपक्वता का प्रतीक है। हम रक्षा उद्योग, समुद्री क्षेत्र की जागरूकता और सैन्य आदान-प्रदान को बढ़ाएंगे। आज हमने भारत-कनाडा रक्षा संवाद स्थापित करने का निर्णय लिया है।' पीएम मोदी ने मार्क कार्नी का भारत में गर्मजोशी से स्वागत किया और उनकी यात्रा को एक महत्वपूर्ण बताया। प्रधानमंत्री ने कहा कि दोनों देशों के बीच पहली बैठक के बाद से संबंधों में ऊर्जा, आपसी विश्वास और सकारात्मकता आई है। उन्होंने कहा, 'विश्व में बहुत

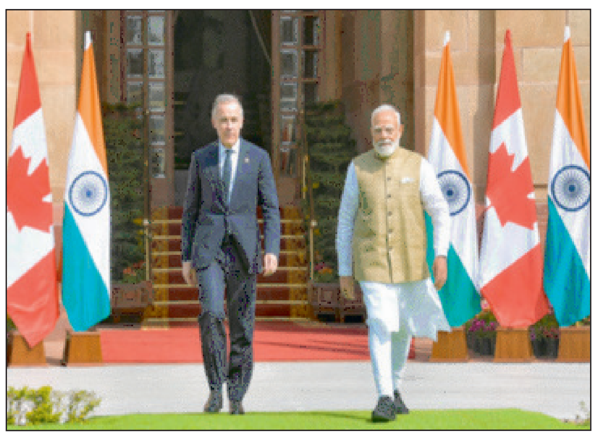

कम लोग हैं जिनकी जीवनी में दो देशों के केंद्रीय बैंक का नेतृत्व शामिल हो। मैं अपने मित्र प्रधानमंत्री कार्नी को हमारी बढ़ती साझेदारी की गति के लिए श्रेय देता हूं। '

प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी कहा कि भारत और कनाडा का लक्ष्य है कि 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 50 अरब डॉलर तक बढ़ाया जाए। उन्होंने घोषणा की कि दोनों नेता जल्द ही भारत-कनाडा समग्र आर्थिक भागीदारी समझौता को अंतिम रूप देंगे। पीएम मोदी ने कहा, 'भारत और कनाडा लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति गहरी प्रतिबद्धता रखते हैं। हम विविधता का उत्सव मनाते हैं और मानव कल्याण के लिए साझा दृष्टिकोण रखते हैं। आज हमने इस दृष्टिकोण को अगले स्तर की साझेदारी में बदलने पर चर्चा की। '

उन्होंने कहा कि आर्थिक सहयोग की पूरी क्षमता को खोलना सबसे महत्वपूर्ण प्राथमिकता है। इसके लिए दोनों नेताओं ने समझौते को जल्द ही अंतिम रूप देने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा, 'यह दोनों देशों में निवेश और रोजगार के अवसर पैदा करेगा। कनाडाई पेंशन फंड ने भारत में 100 अरब डॉलर का निवेश किया है, जो भारत की विकास कहानी में उनका विश्वास दर्शाता है। 'प्रधानमंत्री ने कृषि, एग्री-टेक्नोलॉजी और खाद्य सुरक्षा को साझा प्राथमिकता बताया और घोषणा की कि भारत में भारत-कनाडा पल्स प्रोटीन सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किया जाएगा।

'पश्चिमी एशिया के हालत चिंताजनक'

•मोदी बोले- बातचीत से निकले समाधान

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिमी एशिया में जारी तनाव के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हालात को चिंताजनक बताते हुए शांति और संवाद का रास्ता अपनाने की अपील की है। प्रधानमंत्री ने स्पष्ट कहा कि मौजूदा संकट का समाधान केवल बातचीत और कूटनीतिक प्रयासों से ही संभव है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत हमेशा से शांति, स्थिरता और संवाद का समर्थक रहा है। उन्होंने दोहराया कि किसी भी तरह के सैन्य टकराव से क्षेत्रीय अस्थिरता बढ़ती है, जिसका असर वैश्विक स्तर पर भी पड़ सकता है। ऐसे में सभी पक्षों को संयम बरतते हुए बातचीत की मेज पर लौटना चाहिए।

भारतीयों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता: पीएम मोदी ने यह भी कहा कि विदेशों में रह रहे भारतीय नागरिकों की सुरक्षा भारत सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सरकार स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है और जरूरत पड़ने पर हर संभव कदम उठाएगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि भारत सभी संबंधित देशों के साथ संपर्क में है और शांति बहाली के लिए रचनात्मक भूमिका निभाने को तैयार है। कनाडाई प्रधानमंत्री कार्नी के साथ द्विपक्षीय वार्ता के बाद पीएम मोदी ने बताया कि भारत और कनाडा ने यूरेनियम पर एक ऐतिहासिक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके अलावा, नागरिक परमाणु सहयोग को आगे बढ़ाते हुए दोनों देश छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों पर एक साथ मिलकर काम करेंगे।

मध्य पूर्व में तनाव के चलते बेंगलुरु से 22 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द

'युद्ध की स्थिति के कारण कुछ हवाई अड्डों के बंद होने से यह निर्णय लिया गया है।'

एजेंसी

बेंगलुरु। ईरान और इजराइल के बीच युद्ध जैसी स्थिति को देखते हुए मध्य पूर्व के हवाई क्षेत्र में उड़ानों पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। इसके परिणामस्वरूप बेंगलुरु स्थित केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा से संचालित होने वाली कुल 22 उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। एयरपोर्ट सूत्रों के अनुसार, बेंगलुरु से प्रस्थान करने वाली 10 उड़ानें तथा विदेश से आने वाली 12 उड़ानें रद्द की गई हैं। एयरपोर्ट प्रशासन ने बताया कि युद्ध की स्थिति के कारण कुछ हवाई अड्डों के बंद होने से यह निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि अबू धाबी, जेद्दा, दोहा, दुबई और बहरीन मार्गों पर उड़ान सेवाएं सबसे अधिक प्रभावित हुई हैं। इन मार्गों पर परिचालन करने वाली प्रमुख एयरलाइंस जैसे एयर इंडिया, एमिरेट्स, इंडिगो और कतर एयरवेज ने अस्थायी रूप से अपनी उड़ानें निलंबित कर दी हैं। रद्द उड़ानों के यात्रियों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की गई है। एयरलाइंस कंपनियां यात्रियों को टिकट पुनर्निर्धारण या पूर्ण धनवापसी का विकल्प दे रही हैं। इसके लिए एसएमएस और ईमेल के माध्यम से यात्रियों को सूचना भेजी जा रही है।

राष्ट्रपति ने सहेली पिंक स्मार्ट कार्ड योजना का किया शुभारंभ

• राष्ट्रपति ने लखपति बिटिया, होली-दीपावली पर मुफ्त गैस सिलेंडर योजना का भी किया शुभारंभ

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोमवार को दिल्ली सरकार की लखपति बिटिया योजना, होली-दीपावली पर मुफ्त गैस सिलेंडर योजना, सहेली पिंक स्मार्ट कार्ड और 40,642 बेटियों के खातों में 100 करोड़ रुपये प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) हस्तांतरण का शुभारंभ हुआ। राष्ट्रपति ने यहां के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ रही हैं।

सैनिक के रूप में वे देश की सीमाओं की रक्षा कर रही हैं। वैज्ञानिक के रूप में प्रयोगशालाओं में शोध कर रही हैं। खेल प्रतिस्पर्धाओं में अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत का तिरंगा लहरा रही हैं। राजनीति, समाजसेवा, प्रशासन तथा व्यापार जगत- सभी क्षेत्रों में महिलाएं नई ऊंचाइयां छू रही हैं। इस अवसर पर दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, केंद्रीय राज्यमंत्री हर्ष मल्होत्रा, दिल्ली के कैबिनेट मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा और डा. पंकज कुमार सिंह मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि महिलाओं को शिक्षित बनाना, उनका आत्मविश्वास बढ़ाना और उनको प्रोत्साहन एवं सहयोग देना, हम सबका कर्तव्य है। हमें

अपनी बेटियों को यह विश्वास दिलाना है कि वे सपने देखने और उन्हें पूरा करने की क्षमता रखती हैं तथा हम उनके सपनों को साकार करने में उनके साथ खड़े हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि नई दिल्ली देश की राजधानी है। यहां देश के हर राज्य और क्षेत्र के लोग रहते हैं। यदि दिल्ली की महिलाएं सुरक्षित, शिक्षित, और आत्मनिर्भर होंगी, समाज के हर क्षेत्र में आत्मविश्वास के साथ नेतृत्व प्रदान करेंगी तब पूरे देश में सकारात्मक संदेश जाएगा।

● मुख्यमंत्री ने कहा कि आज दिल्ली के इतिहास में नारी शक्ति के नाम एक स्वर्णिम अध्याय जुड़ गया। यह केवल योजनाओं का शुभारंभ नहीं है। यह सम्मान का संकल्प है। यह विश्वास का विस्तार है।

दीपक जलाने पर घमासान

सीएम स्टालिन बोले- आस्था पर राजनीति नहीं होनी चाहिए

पीएम मोदी ने बताया था असंवेदनशील

एजेंसी

तिरुप्परनकुंद्रम। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने तिरुप्परनकुंद्रम मंदिर के दीप जलाने वाले विवाद पर अपनी सरकार का रुख मजबूती से बचाव किया। उन्होंने साफ कहा कि व्यक्तिगत आस्था को राजनीति के आगे नहीं झुकना चाहिए। उनका काम परंपरा की रक्षा करना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में तिरुप्परनकुंद्रम के अरुलमिगु सुब्रमण्या स्वामी मंदिर का दौरा किया था। इसके बाद उन्होंने मदुरै में एक रैली को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने दीपक जलाने के मुद्दे पर द्रमुक सरकार को लोगों की भावनाओं के प्रति असंवेदनशील बताया था। उन्होंने कहा था कि अंत में भक्तों की ही जीत होगी। पीएम मोदी के दौरे के बाद सीएम स्टालिन ने एक वीडियो संदेश जारी कर अपनी सरकार का बचाव किया। स्टालिन ने कहा कि उन्होंने एक धार्मिक नेता के तौर पर नहीं, बल्कि मुख्यमंत्री के रूप में मंदिर की परंपरा

को बचाने का विकल्प चुना। उन्होंने कहा, 'मेरा दृढ़ विश्वास है कि व्यक्तिगत आस्था को राजनीति के आगे नहीं झुकना चाहिए। '

स्टालिन ने कहा कि तर्क और आस्था को एक-दूसरे के साथ टकराव में रहने की जरूरत नहीं है, दोनों एक ही समाज के दो चेहरे हैं। उन्होंने तर्कवादी नेता 'पेरियार' रामासामी और आदिगलार के बीच की दोस्ती को इसका सबूत बताया। स्टालिन का इशारा संभवतः कुंड्राकुडी पोन्नम्बाला आदिगलार की ओर था, जिन्होंने हाल ही में द्रमुक सरकार की प्रशंसा की थी।

यह पूरा विवाद तिरुप्परनकुंद्रम पहाड़ी पर एक दरगाह के पास पत्थर के स्तंभ (दीपथून) पर दीपक जलाने से जुड़ा है। मद्रास हाई कोर्ट ने हिंदुओं को कार्तिगई दीपम त्योहार पर दीपक जलाने की अनुमति दी थी। लेकिन, स्थानीय अधिकारियों ने यह कहते हुए इसकी इजाजत नहीं दी कि इससे दो धर्मों के लोगों के बीच संघर्ष हो सकता है। द्रमुक अध्यक्ष स्टालिन ने अपने संदेश में कहा, 'हमारी मान्यताएं अलग हो सकती हैं, लेकिन हम एक ही भूमि पर रहते हैं, एक ही भाषा बोलते हैं और एक ही भविष्य की ओर चलते हैं।

रंगों का त्योहार : धुलंडी, फाग से होला मोहल्ला तक

देशभर में होली के अनोखे नाम और खास अंदाज

एजेंसी

नई दिल्ली । रंगों का त्योहार 4 मार्च को है, जिसे लेकर देशभर में रंगों, मिष्ठान, नए कपड़ों और उल्लास के साथ होली की तैयारी चल रही है। खुशियों से भरा त्योहार होली सिर्फ रंग खेलने का मौका नहीं बल्कि बसंत के आगमन, बुराई पर अच्छाई की जीत और प्रेम-भाईचारे का प्रतीक भी है। होली पूरे देश में अलग-अलग नाम और अनोखे अंदाज के साथ मनाई जाती है। विविधताओं से भरे भारत में वहीं, वृंदावन के बांके बिहारी मंदिर में फूलों की होली खेली जाती है। भक्त फूलों की पंखुड़ियां बरसाते हैं। बरसाना के श्रीजी मंदिर में लड्डू होली की परंपरा है, जहां रंग लगाने से पहले लड्डुओं की वर्षा होती है। ब्रज में होली 40 दिनों तक कई रूपों में मनाई जाती है।

कृष्णनगरी के बाद शिवनगरी काशी में मसान होली की परंपरा है। वाराणसी में होली को मसान होली के नाम से जाना जाता है। मान्यता है कि बाबा विश्वनाथ अपने भक्तों और गणों

होली के अलग-अलग नाम और अंदाज होने के बावजूद मकसद केवल रंगों के साथ दिलों को जोड़ना, पुरानी कटुता भुलाना और प्रेम व सौहार्द को बढ़ाना है। यूपी के ब्रज क्षेत्र में होली सबसे पारंपरिक और जीवंत रूप में मनाई जाती है। यहां होली का उत्सव फगुआ दूज से शुरू होकर कई दिनों तक चलता है। बरसाना और नंदगांव की लट्ठमार होली बहुत प्रसिद्ध है। लोककथा के अनुसार, श्रीकृष्ण राधाजी के गांव बरसाना होली खेलने आए थे। आज भी महिलाएं हंसी-मजाक में पुरुषों पर लाठियां चलाती हैं और पुरुष ढाल से बचाव करते हैं। के साथ मसान में भस्म से होली खेलते हैं। हरियाणा में होली को धुलंडी कहते हैं। यहां ननद-भाभी की चुटीली नोकझोंक और पारिवारिक हंसी-मजाक मुख्य आकर्षण होता है। महाराष्ट्र में होली रंग पंचमी तक चलती है। मुख्य होली के पांचवें दिन रंग खेलने की खास परंपरा है। वहीं, गोवा में शिग्मो के नाम से मनाई जाती है, जिसमें भव्य झांकियां, जुलूस और लोकनृत्य होते हैं। राज्य के लोग एक-दूसरे को बधाई देते हुए पकवान खाते हैं। वहीं, गुजरात में पहले होलिका दहन और अगले दिन धुलेटी मनाई जाती है।

नशों के खिलाफ जीरो-टॉलरेंस नीति को जनता के सहयोग से जन आंदोलन में बदला गया: मुख्यमंत्री मान

कौमी पत्रिका

चंडीगढ़, 2 मार्च: मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज 'युद्ध नशों विरुद्ध' मुहिम का एक वर्ष सफलतापूर्वक पूर्ण होने पर पंजाब के लोगों को बधाई दी और इसे राज्य को नशों के खतरे से मुक्त करने की दिशा में एक निर्णायक और ऐतिहासिक अभियान बताया। पंजाब सरकार द्वारा शुरू किए गए इस जन आंदोलन की पहली वर्षगांठ के अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि इस अभियान ने पंजाब में नशों के खिलाफ लड़ाई की दिशा को पूरी तरह बदल दिया है और नशा आपूर्ति के नेटवर्क को सख्ती से समाप्त किया गया है। एक बयान में मुख्यमंत्री ने कहा, युद्ध नशों विरुद्ध मुहिम पंजाब में ड्रग नेटवर्क के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई रही है। पिछली सरकारों ने ड्रग व्यापार को संरक्षण दिया, जिससे राज्य की कई पीढ़ियां बर्बाद हो गईं। दूसरी ओर, पंजाब सरकार ने नशों की सप्लाई लाइन तोड़कर और इस घिनौने अपराध में शामिल बड़ी मछलियों को सलाखों के पीछे भेजकर नशे के कारोबार की रीढ़ की हड्डी तोड़ दी है। इस मुहिम के प्रभाव और व्यापकता पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि नशों के खिलाफ इस मुहिम को आम लोगों के सक्रिय सहयोग से एक जन आंदोलन में बदलने के लिए

व्यापक और बहुआयामी रणनीति अपनाई गई। उन्होंने बताया कि मार्च 2025 से फरवरी 2026 तक नशों के खतरे के खिलाफ जीरो-टॉलरेंस नीति लागू की गई। इस मुहिम के अंतर्गत की गई कार्रवाई का विवरण देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि नशा तस्करों के खिलाफ कुल 36,178 एफआईआर दर्ज की गईं और 51,648 तस्करों को गिरफ्तार किया गया। इसके अतिरिक्त 2,277 किलोग्राम हेरोइन जब्त की गई तथा 49 लाख से अधिक नशीली गोलियां और कैप्सूल बरामद किए गए। उन्होंने आगे कहा कि नशा तस्करों से 16.70 करोड़ रुपये की ड्रग मनी बरामद की गई है और तस्करों से संबंधित करोड़ों रुपये की संपत्तियां जब्त या ध्वस्त की गई हैं। एनडीपीएस एक्ट के तहत कुल सजा दर लगभग 84 प्रतिशत रही है, जो निरंतर सुधार के साथ वर्ष 2025 में लगभग 88 प्रतिशत तक पहुंच गई है। यह मजबूत केस तैयारी और फॉरेंसिक सहयोग का प्रमाण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकारों के विपरीत वर्तमान सरकार नशा पीड़ितों की लाशों और चिताओं की कीमत पर तस्करों को फलने-फूलने नहीं देगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि नशा तस्करों के खिलाफ मिसाल कायम करने वाली सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की गई है। पंजाब सरकार के दृढ़ संकल्प को दोहराते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने जोर देकर कहा कि यह लड़ाई पंजाब की युवा पीढ़ी को बचाने के लिए है और इसे बिना किसी रुकावट के लगातार जारी रखा जाएगा।

चंद्र ग्रहण के दौरान रामलला के मंदिर का पट रहेगा बंद

नहीं हो सकेंगे दर्शन

एजेंसी

अयोध्या। साल का पहला पूर्ण चंद्र ग्रहण 3 मार्च को लगने जा रहा है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दौरान मंदिरों के पट बंद रखे जाते हैं। इसी नियम का पालन करते हुए श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने फैसला किया है कि चंद्र ग्रहण के दौरान मंदिर में दर्शन बंद रहेंगे। ट्रस्ट के अनुसार सुबह पूजा-अर्चना और आरती के बाद श्रद्धालुओं के लिए मंदिर के कपाट बंद कर दिए जाएंगे। इसका उद्देश्य धार्मिक परंपरा का सम्मान करना और ग्रहण के समय पूजा और मंत्र पाठ में व्यवधान न आने देना है। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने इस संबंध में एक पत्र जारी किया है, जिसमें बताया गया है कि 3 मार्च को चंद्र ग्रहण (शुक्ल पक्ष पूर्णिमा) के कारण मंदिर में दर्शन की व्यवस्था थोड़ी अलग होगी। सुबह की मंगला आरती और श्रृंगार आरती पहले से निर्धारित समय पर होगी ताकि श्रद्धालु पूजा में हिस्सा ले सकें। इसके बाद, लगभग सुबह 9 बजे से लेकर रात 8:30 बजे तक मंदिर बंद रहेगा। इस दौरान ग्रहण और सूतक के समय को देखते हुए दर्शन बंद रहेंगे। अधिकारियों और पुलिस को भी इसकी जानकारी दी गई है ताकि दर्शन की प्रक्रिया और भी व्यवस्थित रहे। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य डॉ. अनिल मिश्र ने अयोध्या के अपर पुलिस अधीक्षक को पत्र लिखकर मंदिर के खुलने और बंद होने के समय में हुए बदलाव के बारे में सूचित किया है। साथ ही इसके अनुसार, मंदिर और उसके आसपास आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने की मांग की है।

अमित शाह का दावा- बंगाल में तुष्टिकरण से विकास नहीं हो सकता

'आठ लाख करोड़ के कर्ज में डूबा है राज्य'

एजेंसी

दक्षिण 24 परगना । केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज बंगाल में चुनावी बिगुल फूंका। उन्होंने पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना में एक जनसभा के दौरान तृणमूल कांग्रेस की नीतियों और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि तुष्टिकरण से राज्य का विकास नहीं हो सकता। शाह ने दावा किया कि राज्य आठ लाख करोड़ के कर्ज में डूबा है। शाह ने मदरसों को मिलने वाली आर्थिक मदद पर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने दूसरे राज्यों के विपक्षी दलों की सियासत पर भी हमले बोले। उन्होंने बिहार, असम, तमिलनाडु जैसे राज्यों में परिवारवाद का आरोप लगाते हुए तेजस्वी यादव, गौरव गोगोई और एमके स्टालिन की राजनीति पर भी तीखी टिप्पणी की। आगे

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि भाजपा की परिवर्तन यात्रा का उद्देश्य राज्य में बदलाव लाना और बंगाल को घुसपैठियों से मुक्त करना है। उन्होंने कहा कि भाजपा पश्चिम बंगाल में कथित भ्रष्ट तृणमूल कांग्रेस सरकार को हटाकर विकास का नया दौर शुरू करना चाहती है। शाह ने आरोप लगाया कि तुष्टीकरण की राजनीति के कारण राज्य का विकास प्रभावित हुआ है और बंगाल की स्थिति लगातार खराब हुई है। ममता बनर्जी पर अमति शाह ने साधा निशाना अमित शाह ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर गलती से फिर तृणमूल कांग्रेस सत्ता में लौटती है तो सरकार ममता बनर्जी नहीं बल्कि उनके 'भतीजे' द्वारा चलाई जाएगी। उन्होंने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी राज्य के विकास में रुचि नहीं रखतीं और सिर्फ अभिषेक बनर्जी को मुख्यमंत्री बनाना चाहती हैं। शाह ने यह भी कहा कि पूर्व डीजीपी राजीव कुमार को राज्यसभा भेजा जा रहा है, जिनके कार्यकाल में बंगाल में भ्रष्टाचार बढ़ा।

बंगाल को घुसपैठियों से मुक्त कर मजबूत सरकार बनानी है जो विकास ला सके

–बीजेपी अध्यक्ष नितिन नबीन ने कूच बिहार से की परिवर्तन यात्रा की शुरुआत

कूच बिहार (एजेंसी)। बीजेपी अध्यक्ष नितिन नबीन ने रविवार को पश्चिम बंगाल के कूच बिहार जिले में बीजेपी की परिवर्तन यात्रा की शुरुआत की। इस मौके पर नबीन ने दावा किया कि बंगाल में 50 लाख से ज्यादा घुसपैठियों को वोटर लिस्ट से हटाया गया है। पश्चिम बंगाल में एक दिन पहले ही एसआईआर के बाद जारी वोटर लिस्ट से 63.66 लाख नाम हटाए गए हैं।

नबीन ने आरोप लगाया कि जिन लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए गए, वे घुसपैठिए थे और वे असली नागरिकों के लिए बनी सरकारी नौकरियों और कल्याणकारी योजनाओं का लाभ ले रहे थे। ये लोग न सिर्फ असली नागरिकों के अधिकारों का उल्लंघन कर रहे थे, बल्कि देश की सुरक्षा के लिए भी खतरा थे। घुसपैठियों के लिए हमारा संदेश है कि अब समय आ गया है कि उन्हें बंगाल की धरती से बाहर किया जाए। हमें एक मजबूत सरकार भी बनानी है जो विकास ला सके।

नबीन ने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने घुसपैठियों को फर्जी दस्तावेज दिलाकर उन्हें संरक्षण दिया। ममता ने वोटर लिस्ट में शामिल घुसपैठियों को बचाने के लिए अदालतों का रुख किया, क्योंकि वे उनका वोट बैंक हैं, लेकिन जब महिलाओं का अपमान होता है, तो दीदी चुप रहती हैं। राज्य को भ्रष्ट टीएमसी सरकार से मुक्त कराने की जरूरत है, जो सिर्फ घुसपैठियों के लिए काम करती है।

उन्होंने कहा कि वंदे मातरम् के गान से पूरा देश आजाद हुआ। आज जब उसकी 150वीं जयंती मनाते हैं, तो टीएमसी के सांसद उसे रोकते हैं। उन्होंने कहा कि ममता दीदी, वंदे मातरम् ने अंग्रेजों से आजादी दिलाई थी, और अब वही वंदे मातरम् की गूंज बंगाल को आपकी अराजकता से आजाद करेगी और बंगाल को मुक्ति दिलाएगी। यह यात्रा जो 5,000 किलोमीटर से अधिक की होगी और बंगाल के घर घर तक जाएगी, जहां अब तक केवल वादे और अहंकार के शब्द पहुंचे थे, वहां बीजेपी परिवर्तन की आवाज के साथ पहुंचने वाली है।

दिल्ली के स्कूलों को फिर बम धमकी, हाई अलर्ट जारी

- स्कूलों और आसपास के इलाकों को सुरक्षा की दृष्टि से सील कर दिया गया

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली के कई प्रतिष्ठित स्कूलों को सोमवार सुबह ईमेल के जरिए बम धमकी मिली। धमकी संदेश सुबह लगभग 8 बजे स्कूल स्टाफ को प्राप्त हुए। इस बार धमकी पाने वाले प्रमुख स्कूल हैं– आर्मी पब्लिक स्कूल (दिल्ली केंट) सेलवन प?ल्बिक स्कूल और मीरा पब्लिक स्कूल (जनकपुरी)। स्कूल स्टाफ ने तुरंत पुलिस और दमकल को सूचित किया। सूचना मिलते ही दिल्ली पुलिस, बम निरोधक दस्ते और स्निफर डॉग्स तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। स्कूलों और आसपास के इलाकों को सुरक्षा की दृष्टि से सील कर दिया गया। दमकल विभाग ने स्कूलों में चेकिंग शुरू की। अब तक किसी भी तरह का संदिग्ध या विस्फोटक सामान नहीं मिला है। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां धमकी भेजने वाले व्यक्ति या समूह की पहचान के लिए जांच कर रही हैं। पुलिस ने सभी लोगों को सतर्क रहने और अफवाहों पर ध्यान न देने की सलाह दी है। छात्रों, अभिभावकों और स्टाफ को सुरक्षित रखने के लिए सुरक्षा बढ़ा दी गई है। दिल्ली में यह कोई नया मामला नहीं है। पिछले सप्ताह धौला कुआं स्थित आर्मी प?ब्लिक स्कूल और लोधी रोड स्थित एयर फोस् बाल भारती स्कूल को भी बम धमकी मिली थी। इससे पहले, दिल्ली सचिवालय, विधानसभा और लाल किला को भी धमकी मिली थी। हर बार पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की और आसपास के इलाके को सील कर दिया। अब तक किसी भी घटना में वास्तविक विस्फोटक नहीं मिला। सुरक्षा एजेंसियां ईमेल के स्रोत और धमकी भेजने वाले व्यक्ति/समूह की पहचान के लिए साइबर और फॉरेंसिक जांच कर रही हैं। पुलिस का कहना है कि ऐसी धमकियां आम लोगों और छात्रों के लिए चिंता का कारण बनती हैं, लेकिन सभी मामलों में पूरी सतर्कता के साथ कार्रवाई की जा रही है।

बस्ती में केक खाने से युवक की मौत, मासूम की हालत गंभीर, गांव में पसरा मातम

बस्ती(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले के गौर थाना क्षेत्र से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां मात्र पांच रुपये के केक ने एक हंसते-खेलते परिवार की खुशियां छीन लीं। महुआडाबर गांव में एक दुकान से खरीदकर खाए गए केक के कारण 18 वर्षीय युवक की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि पड़ोस में रहने वाला एक तीन वर्षीय मासूम बच्चा अस्पताल में जिंदगी और मौत के बीच जंग लड़ रहा है। इस घटना के बाद से पूरे क्षेत्र में दहशत और गम का माहौल है। जानकारी के अनुसार, शनिवार शाम गांव के निवासी अमन सिंह ने पास की ही एक किराने की दुकान से पांच-पांच रुपये वाले दो केक खरीदे थे। अमन ने खुद भी केक खाया और अपने पड़ोस में रहने वाले नन्हे बच्चे ओंकार को भी इसका एक हिस्सा खिला दिया। केक खाने के कुछ ही मिनटों के भीतर दोनों की तबीयत अचानक बिगड़ने लगी। दोनों को पेट में तेज दर्द और लगातार उल्टी की शिकायत होने लगी। स्थिति गंभीर होते देख परिजनों में हड़कंप मच गया और वे आनन-फानन में दोनों को लेकर स्थानीय अस्पताल पहुंचे। अस्पताल में उपचार के दौरान 18 वर्षीय अमन सिंह ने दम तोड़ दिया, जबकि तीन वर्षीय ओंकार की हालत नाजुक बनी हुई है। उसे बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर किया गया है, जहां डॉक्टरों की टीम उसकी निगरानी कर रही है।

ओडिशा के बोलांगीर और बरगढ़ नक्सल मुक्त घोषित

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओडिशा के बोलांगीर और बरगढ़ जिलों को नक्सल मुक्त घोषित कर दिया गया है। राज्य पुलिस के अनुसार इन क्षेत्रों में सक्रिय 15 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है। यह आत्मसमर्पण छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में किया गया, जो बरगढ़ से सटा हुआ है। ये माओवादी बरगढ़-बोलांगीर-महासमुंद बेल्ट में सक्रिय थे। डीजीपी वाई बी खुरानिआ ने मीडिया को बताया कि राज्य में लंबे समय से चलाए जा रहे संयुक्त एंटी-नक्सल अभियानों का यह महत्वपूर्ण परिणाम है। उन्होंने कहा कि सरकार की पुनर्वास नीति और सुरक्षा बलों की सतत कार्रवाई से माओवादी संगठन कमजोर पड़े हैं। इस घोषणा के साथ ओडिशा में नक्सल मुक्त जिलों की संख्या बढ़कर सात हो गई है। नुआपाड़ा, नबरंगपुर, कोरापुट, मलकानगिरी, बौध, बोलांगीर और बरगढ़ अब नक्सल मुक्त जिलों की सूची में शामिल हैं। हालांकि कंधमाल, रायगढ़ा और कालाहांडी जिलों में अभी भी माओवादी गतिविधियां जारी हैं। पुलिस के अनुसार राज्य में अब लगभग 25 माओवादी ही सक्रिय बचे हैं और उन्हें मुख्यधारा में लाने के प्रयास जारी हैं।

निर्वाचन आयोग 6-7 मार्च को केरल में चुनाव तैयारियों की करेगा समीक्षा

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में निर्वाचन आयोग की टीम 6 और 7 मार्च को केरल का दौरा करेगी। इस दौरान आयोग आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा करेगा। अधिकारियों के अनुसार बैठक में मतदाता सूची, सुरक्षा प्रबंध, मतदान केंद्रों की व्यवस्था और अन्य प्रशासनिक पहलुओं पर चर्चा की जाएगी। इस वर्ष कुल पांच राज्यों—केरल, असम, तमिलनाडु, पुडुचेरी और पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं। आयोग पहले ही असम, तमिलनाडु और पुडुचेरी का दौरा कर चुनावी तैयारियों का जायजा ले चुका है, जबकि पश्चिम बंगाल का दौरा अभी शेष है। इन सभी राज्यों में विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। अधिकारियों का कहना है, कि आयोग का उद्देश्य निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण चुनाव सुनिश्चित करना है। केरल दौरे के दौरान आयोग राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों और वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों से भी संवाद करेगा। राज्य में चुनावी गतिविधियां तेज होने के साथ ही प्रशासन ने भी तैयारियां अंतिम चरण में पहुंचा दी हैं।

मणिपुर में सुरक्षा बलों की बड़ी कार्रवाई में तीन उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में सुरक्षा बलों ने अलग-अलग जिलों में अभियान चलाकर प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े तीन उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस द्वारा सोमवार को जारी बयान के अनुसार यह कार्रवाई इंफाल पूर्वी, इंफाल पश्चिमी और थौबल जिलों में की गई। अधिकारियों ने बताया कि रविवार को इंफाल पूर्वी जिले के फकनुंग अवांग लेइकाई इलाके से प्रतिबंधित संगठन 'पीआरईपीएके' के एक सक्रिय कैडर को पकड़ा गया। एक अन्य कार्रवाई में शनिवार को इंफाल पश्चिमी जिले के वांगोई खैदेम लेइकाई स्थित एक आवास से 'पीआरईपीएके (प्रो)' से जुड़े उग्रवादी को गिरफ्तार किया गया। तलाशी के दौरान उसके पास से नौ एमएम की पिस्तौल, एक मैगजीन और चार जिंदा कारतूस बरामद किए गए। पुलिस ने हथियारों को जब्त कर लिया है और आरोपी से पूछताछ जारी है। इसी दिन थौबल जिले के यैरिपोक लमखाई क्षेत्र से 'केवाईकेएल' संगठन से जुड़े एक अन्य उग्रवादी को भी गिरफ्तार किया गया। सुरक्षा एजेंसियों का कहना है कि राज्य में उग्रवादी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए सघन तलाशी अभियान लगातार जारी रहेगा। अधिकारियों के मुताबिक, हाल के अभियानों से संगठनों की गतिविधियों पर प्रभाव पड़ा है।

शंभू गर्ल्स हॉस्टल के मालिक मनीष को कोर्ट ने नहीं दी जमानत, अब सुनवाई 11 मार्च को

पटना (एजेंसी)। पटना में नीट छात्रा दुष्कर्म और मौत मामले में शंभू गर्ल्स हॉस्टल के मालिक मनीष रंजन की जमानत याचिका पर सोमवार को सुनवाई हुई। मनीष को कोर्ट से जमानत नहीं मिली। सोमवार को करीब पौने दो घंटे सुनवाई चली। इस बीच पीड़ित परिवार के वकील और सीबीआई के वकील के बीच तीखी बहस हुई। पीड़ित परिवार के वकील ने जांच में लापरवाही की बात कही। इस पर सीबीआई के वकील ने आपत्ति जताई और कहा कि जमानत की सुनवाई है। आप एजेंसी पर सवाल नहीं कर सकते हैं। कोर्ट से अगली सुनवाई की 11 मार्च तय की है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सोमवार को सुनवाई के दौरान सीबीआई ने लिखित में कहा कि हमें इन्वेस्टिगेशन में मनीष रंजन जरूरत नहीं है। मनीष की जमानत याचिका पर सुनवाई अब अगली तारीख पर सीबीआई मजिस्ट्रेट कोर्ट में होगी। कोर्ट से सुनवाई की अगली तारीख 11 मार्च है। पीड़ित पक्ष के वकील ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई को पिंजरे वाला तोता कहा है। इस मामले में सीबीआई की जांच देखकर लग रहा है कि वो मनीष रंजन की जेब में है। उन्होंने अलग से एफआईआर दर्ज की है।

शंकराचार्य सर्वोपरि और पूज्य हैं, वे कहीं भी जाएंगे हम उनका स्वागत करेंगे

–सीएम योगी की तल्ख टिप्पणी के बीच केशव मौर्या ने किया अविमुक्तेश्वरानंद का समर्थन

वाराणसी (एजेंसी)। प्रयागराज में शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद के अपमान और बटुक की चोटी खींचने का मामला थम नहीं रहा है। सीएम योगी की तल्ख टिप्पणियों के बीच एक बार फिर डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्या ने शंकराचार्य का समर्थन किया है। सोमवार को काशी पहुंचे डिप्टी सीएम मोर्या ने शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद के प्रति श्रद्धा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि शंकराचार्य सर्वोपरि हैं और पूज्य हैं। वह जहां भी जाएंगे हम उनका स्वागत करेंगे। वहीं उन्होंने दूसरी ओर सपा प्रमुख अखिलेश यादव को ढोंगी बताया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मोर्या ने कहा कि शंकराचार्य का स्थान सर्वोपरि है वे भगवान शंकराचार्य हैं, वे कहीं भी जाएंगे हम उनका स्वागत करेंगे। एक रामभक्त होने के नाते मैं स्वयं उनका अभिनंदन करने को तैयार हूं। शंकराचार्य के यूपी सरकार में गौहत्या के आरोपों पर भी डिप्टी सीएम ने जवाब दिया। गौ रक्षा के मुद्दे पर विपक्ष को चुनौती देते हुए उन्होंने कहा कि यूपी में अब कानून का राज है। हमारी सरकार गौ माता के प्रति अटूट आस्था रखती है और प्रदेश में किसी भी अपराधी या हत्यारे की इतनी हैसियत नहीं है कि वह गौ माता को नुकसान पहुंचा सके।

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद मामले में बयानों पर अखिलेश यादव को आड़े हाथों लिया। डिप्टी सीएम ने कहा कि अखिलेश यादव एक ढोंगी व्यक्ति हैं। उन्होंने पुरानी घटनाओं का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि सपा सरकार के दौरान रामभक्तों का दमन किया गया था और अब वही लोग धर्म के नाम पर राजनीति करने का प्रयास कर रहे हैं। ?आगामी चुनावों और बीजेपी के भविष्य पर आत्मविश्वास जताते हुए केशव प्रसाद मौर्य ने बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि विकास और सुशासन के दम पर 2047 तक बीजेपी की सरकार बनी रहेगी और विपक्ष का कोई भी गठबंधन इसे डिगा नहीं पाएगा। बीजेपी पूरी तरह से तैयार है और परिणाम विशाल होंगे।

मेरी मासिक कमाई 9000 में हर माह 12,000 रुपये की एलिमनी नहीं दे सकता... सुप्रीम कोर्ट में पति ने रोया दुखड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली के सुप्रीम कोर्ट में एक दिलचस्प तलाक से जुड़े मामले की सुनवाई हो रही है, जिसमें पति की सैलरी और पत्नी की एलिमनी की मांग मुख्य मुद्दा बनी। पति ने दावा किया कि वहां दिहाड़ी मजदूर है और महीने में मुश्किल से 9,000 रुपये कमाता है, इसलिए वह अपनी पत्नी को हर माह 12,000 रुपये की एलिमनी नहीं दे सकता। पति ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि उसकी दैनिक आमदनी करीब 325 रुपये है और इसके बावजूद पूरी मेहनत करने पर भी उसकी कमाई 9,000 रुपये ही होती है।

लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने पति के दावे पर संदेह जताया। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने कहा कि आज के समय में कोई इतनी कम सैलरी नहीं देता और यह बात भरोसेमंद नहीं लगती। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर पति मेंटेनेंस नहीं दे सकता, तब पत्नी के साथ रहना चाहिए ताकि वह खाने-पीने और बच्चों के गुजारे का ध्यान रख सके। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान पति के वकील ने कहा कि उनका क्लाइंट सच में अपनी आमदनी बता रहा है और इसके लिए एफिडेविट भी फाइल करने को तैयार है। सुप्रीम कोर्ट ने पति से कहा कि पत्नी के गुजारे के लिए पैसे का इंतजाम उसकी जिम्मेदारी है और इस पूरा करने के लिए कोई उपाय करना ही होगा, भले ही उधार लेना पड़े।

इससे पहले निचली अदालत ने तलाक देकर पत्नी को 6 लाख रुपये देने का आदेश दिया था। हालांकि, पत्नी इस राशि से संतुष्ट नहीं हुई और हाई कोर्ट व सुप्रीम कोर्ट में बढ़ोतरी की मांग की। उसने पति के सामने दो विकल्प रखे–या हर महीने 12,000 रुपये एलिमनी के रूप में दें, जिसमें हर साल निश्चित बढ़ोतरी हो, या एक बार में 30 लाख रुपये का भुगतान करें। कोर्ट ने सुनवाई के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि आर्थिक तंगी को बहाना बनाकर पत्नी के अधिकारों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता और पति को अपनी जिम्मेदारी पूरी करनी होगी, चाहे इसके लिए उसे कोई अतिरिक्त प्रयास करना पड़े।

कथित शराब घोटाले में कोर्ट का फैसला बीजेपी के मुंह पर जोरदार तमाचा है : केजरीवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि कथित शराब घोटाले में कोर्ट का फैसला बीजेपी के मुंह पर जोरदार तमाचा है। उन्होंने दिल्ली के जंतर मंतर पर रविवार को एक रैली में कहा कि आप पार्टी को खत्म करने के लिए पीएम मोदी खुद इस मामले की मॉनिटरिंग कर रहे थे। उन्होंने मोदी और शाह पर चार साल तक परेशान करने का आरोप लगाया। शराब घोटाले के में बरी होने के बाद इस रैली का आयोजन किया गया था। उन्होंने रैली में शराब घोटाले मामले में कोर्ट के फैसले की तारीफ की। उन्होंने इसे दिल्ली और देश के लोगों के पक्ष में बताया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक केजरीवाल ने कहा कि बीजेपी नेताओं ने मुझपर 100 करोड़ रुपए लेने और भ्रष्टाचार के आरोप लगाए, लेकिन कोर्ट ने कहा कि केस फर्जी है। कोर्ट का फैसला नरेंद्र मोदी, अमित शाह और बीजेपी के लिए करारा जवाब है। आप को खत्म करने के लिए खुद पीएम मोदी इस केस की निगरानी कर रहे थे। आईआईटी से पढ़ाई के बाद मैं अमेरिका जा सकता था, लेकिन देश सेवा के लिए भारत में ही रहा। इनकम टैक्स विभाग में नौकरी में मैंने रिश्वत लेने से इनकार किया और ईमानदारी से काम किया। दिल्ली का सीएम बनने के बाद भी मेरे खिलाफ कई जांच कराई गईं, लेकिन कुछ साबित नहीं हुआ। 12 साल में देश को अच्छी सड़कें, पानी और बेहतर व्यवस्था नहीं दी। रेलवे, एयरलाइंस, बैंक और शिक्षा व्यवस्था खराब हो गई है।

मार्च में दौड़ेगी दूसरे वंदे भारत स्लीपर ट्रेन, इस साल 12 ट्रेनें चलाने का है लक्ष्य

–ट्रेन में हवाई जहाज की तर्ज पर बायो-वैक्यूम टॉयलेट्स और टच-फी नल लगाए

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की दूसरी वंदे भारत स्लीपर ट्रेन इस माह पटरियों पर दौड़ेगी। इसका रूट अभी तय नहीं हुआ है, लेकिन जानकारों का कहना है कि यह ट्रेन दिल्ली-हावड़ा, दिल्ली-मुंबई, चेन्नई-बेंगलुरु-मुंबई में से किसी एक रूट पर चलाई जाएगी। रेलवे बोर्ड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि 2026 में कुल 12 वंदे भारत स्लीपर ट्रेनों को चलाने का लक्ष्य है। हरेक ट्रेन पहले की ट्रेन से तकनीक व सुविधाओं के मामले में उन्नत होगी। वंदे भारत स्लीपर को भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड ने इस तरह डिजाइन किया है कि रेल यात्रियों को सफर के दौरान विमान-पांच सितारा होटल जैसा अनुभव होगा। ट्रेन के कोच के गलियारों में स्मार्ट सेंसर लाइट्स लगी हैं, जो केवल यात्री के चलने पर ही जलेंगी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पहली बार ट्रेन में बोल्स्टरलेस कोच का इस्तेमाल हुआ है, जो 160 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार पर भी चाय का कप टेबल से नहीं गिरने देंगी। हवाई जहाज की तर्ज पर इसमें बायो-वैक्यूम टॉयलेट्स और टच-फ्री नल दिए गए हैं। नई डिजाइन की उन्नत वंदे भारत स्लीपर ट्रेन में स्मार्ट सेंसर लाइट्स, वैक्यूम टॉयलेट्स, बोल्स्टरलेस कोच और ब्रांडेड कैटरिंग की खूबियां होंगी। बता दें रेलवे बोर्ड ने हाल ही में अमृत भारत और वंदे भारत स्लीपर ट्रेनों के नियमों में बदलाव किया है। 9 फरवरी को जारी नए आदेश में उक्त प्रीमियम ट्रेनों में भी इमरजेंसी कोटा की सुविधा बहाल कर दी गई है। रेलवे बोर्ड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि शुरुआत में इन ट्रेनों में केवल लेडीज, सीनियर सिटीजन और दिव्यांग कोटा ही रखा गया था ताकि टिकट प्रणाली पारदर्शी रहे, लेकिन यात्रियों की भारी मांग और आपातकालीन जरूरतों को देखते हुए अब इसे लागू कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि अलग-अलग ट्रेनों और श्रेणियों के लिए बर्थ की संख्या तय की गई है। अमृत भारत एक्सप्रेस में यह कोटा उन ट्रेनों में लागू होगा जिनमें सात या उससे ज्यादा स्लीपर कोच हैं। इनमें स्लीपर क्लास में प्रति ट्रेन 24 बर्थ इमरजेंसी कोटा के लिए आरक्षित हैं। वहीं, वंदे भारत स्लीपर कोच की श्रेणी के आधार पर बर्थ के आवंटन की व्यवस्था है। इसमें सामान्य दिनों और सप्ताहांत के आधार पर कोटे की बर्थ का प्रावधान है। वंदे भारत स्लीपर में एसी-1 में 4 से 6 बर्थ, एसी-2 में 20 से 30 बर्थ, एसी-3 में 24 से 42 बर्थ आरक्षित होंगी। ये सीटें तब तक खाली रहती हैं जब तक चार्ट तैयार नहीं हो जाता। यदि कोई इमरजेंसी रिक्वेस्ट नहीं आती, तो ये सीटें वेटिंग लिस्ट वाले सामान्य यात्रियों को आवंटित कर दी जाती हैं। इस कोटे की बर्थ को मेडिकल इमरजेंसी, पारिवारिक कारण, सरकारी ड्यूटी और अन्य नौकरी के इंटरव्यू या बहुत ही अहम आधिकारिक कार्य के तहत दी जाती हैं।

बिहार के गोपालगंज में ढलाई के दौरान ध्वस्त हुआ करोड़ों का निर्माणाधीन पुल

गोपालगंज (एजेंसी)। बिहार में पुल गिरने की घटनाओं का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। ताजा मामला गोपालगंज जिले से सामने आया है, जहाँ एक निर्माणाधीन पुल ढलाई के दौरान अचानक भरभराकर गिर गया। सिधवलिया प्रखंड के गंगवा गांव में घोघारी नदी पर बन रहा यह आरसीसी पुल उस वक्त ध्वस्त हो गया जब काम जोरों पर था। लगभग 29 मीटर लंबे इस पुल का निर्माण करीब 2 करोड़ 89 लाख 21 हजार रुपये की भारी-भरकम लागत से कराया जा रहा था। राहत की बात यह रही कि हादसे के समय वहां मौजूद मजदूर इसकी चपेट में आने से बाल-बाल बच गए, जिससे एक बड़ा जान-माल का नुकसान टल गया। चश्मदीदों के अनुसार, निर्माण कार्य के दौरान अचानक एक तेज आवाज सुनाई दी और पुल के स्लैब का एक बड़ा हिस्सा नीचे की ओर धंसने लगा। देखते ही देखते पूरा ढांचा धराशायी हो गया, जिससे मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय ग्रामीणों ने इस घटना पर कड़ा रोष व्यक्त करते हुए निर्माण कार्य में भारी भ्रष्टाचार और घटिया सामग्री के इस्तेमाल का आरोप लगाया है। ग्रामीणों का कहना है कि कमजोर सरिया और गुणवत्ताहीन सीमेंट के कारण ही पुल ढलाई का बोझ भी नहीं सह पाया और उद्घाटन से पहले ही गिर गया। लोगों ने निर्माण एजेंसी के साथ-साथ विभागीय अधिकारियों की मिलीभगत पर सवाल उठाते हुए मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। घटना की जानकारी मिलते ही प्रशासनिक अमला और इंजीनियरिंग टीम मौके पर पहुंची और फिलहाल निर्माण कार्य को पूरी तरह रोक दिया गया है। अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि तकनीकी पहलुओं की जांच के बाद दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि बिहार में पिछले कुछ वर्षों में पुल गिरने की यह कोई पहली घटना नहीं है। इससे पहले भागलपुर में सुल्तानगंज- अगुवानी घाट पुल का दो बार गिरना और अररिया जिले में उद्घाटन से पहले पुल का ध्वस्त होना जैसे मामले निर्माण की गुणवत्ता और सरकारी निगरानी तंत्र की विफलता की गवाही देते रहे हैं। बार-बार हो रहे इन हादसों ने प्रदेश में बुनियादी ढांचे के विकास पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

युद्ध की भीषण मार: खाड़ी देशों में फंसे हजारों भारतीय, मिसाइलों के साये में जीने को मजबूर

देहरादून (एजेंसी)। अमेरिका, ईरान और इजराइल के बीच छिड़ी विनाशकारी जंग का सबसे खौफनाक मंजर खाड़ी देशों में देखने को मिल रहा है। इस युद्ध की सीधी मार वहां रह रहे हजारों प्रवासी भारतीयों पर पड़ रही है, जो इस समय दहशत और अनिश्चितता के माहौल में जी रहे हैं। खाड़ी देशों, विशेषकर दुबई और अबूधाबी में आसमान से गिरती मिसाइलें, कान फाड़ देने वाले धमाके और मोबाइल फोन पर लगातार बजते वॉर अलर्ट के सायरन ने लोगों की रातों की नींद उड़ा दी है। हालात इतने तनावपूर्ण हैं कि लोग अपनी जान बचाने के लिए हफ्तों का राशन जमा कर घरों में कैद होने को मजबूर हैं।

दुबई और अबूधाबी जैसे आधुनिक शहरों से जो तस्वीरें और खबरें सामने आ रही हैं, वे रूह कंपा देने वाली हैं। वहां रह रहे भारतीयों ने बताया कि पाम जुमेराह जैसे पॉश इलाकों में धमाकों के बाद अफरा-तफरी का माहौल है। चम्पावत के रहने वाले नवीन सिंह बोहरा ने अबूधाबी से अपनी आपबीती साझा करते हुए कहा कि उन्होंने अपने जीवन में कभी ऐसी लाइव जंग नहीं देखी। उनके फ्लैट के ठीक ऊपर से मिसाइलें गुजर रही हैं और जमीन से टकराते ही धरती हिल जाती है। आसमान में छाये काले धुएं के गुबार को देखकर लोग डरे हुए हैं। टिहरी और डोबरा-चांटी के प्रवासियों ने बताया कि शनिवार की रात सबसे खौफनाक थी, जब उन्हें कई बार अपनी इमारतों को छोड़कर सुरक्षित स्थानों की ओर भागना पड़ा। युद्ध के कारण दैनिक जीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। डिपार्टमेंटल स्टोरों पर राशन, दवाइयों और पानी के लिए भारी भीड़ उमड़ रही है। कई जगहों पर सब्जियों और बुनियादी सामान की भारी किल्लत हो गई है। कंपनियों ने अपनी साइट्स पर काम रोक दिया है और मजदूरों को सुरक्षित कैंपों में भेज दिया है। सबसे ज्यादा चिंता ईरान में फंसे भारतीयों को लेकर है, क्योंकि वहां इंटरनेट सेवाएं बंद होने के कारण परिजनों से संपर्क पूरी तरह टूट गया है। हरिद्वार और देहरादून के दर्जनों छात्र और परिवार ईरान में फंसे हुए हैं, जिनसे पिछले 24 घंटों से कोई बात नहीं हो पाई है, जिससे उनके माता-पिता और सगे-संबंधी गहरे सदमे में हैं। इस वैश्विक संकट के बीच उत्तराखंड सरकार ने भी स्थिति पर नजर बनाए रखी है। राज्य की विशेष सचिव (गृह) निवेदिता कुकरेती ने बताया कि सरकार घटनाक्रम पर लगातार नजर रख रही है और केंद्र सरकार के निर्देशों का इंतजार किया जा रहा है। फिलहाल, राज्य का गृह मंत्रालय उन सूचनाओं और कॉल्स का डेटा जुटा रहा है जो सहायता के लिए आ रही हैं। विदेशों में फंसे भारतीयों की सुरक्षा और उनकी वापसी का मामला प्राथमिक रूप से केंद्र सरकार और विदेश मंत्रालय के अधीन है। प्रभावित परिवार फिलहाल विदेश मंत्रालय के पोर्टल पर अपनी जानकारी दर्ज करा रहे हैं और अपनों की सुरक्षित घर वापसी की प्रार्थना कर रहे हैं।

बिहार से दिल्ली घूमने आया था लालू, बदमाशों ने चाकू गोद-गोदकर मार डाला

नई दिल्ली। मंगोलपुरी इलाके में डेढ़ माह में यह पांचवीं हत्या है। हमलावरों ने बेखौफ होकर पुलिस बूथ से महज 30 मीटर की दूरी नाबालिग पर चाकू से हमला कर वहां से भाग गए। बूथ पर पुलिस कर्मी मौजूद रहते हैं। मृतक के भाई मंजेश ने बताया कि इस इलाके में रहने वाले ज्यादातर नाबालिग चाकू लेकर चलते हैं और आए दिन चाकुओं से हमला की वारदात होती रहती है। उसने कहा कि उसके भाई का किसी से कोई लेना देना नहीं था। दिल्ली के मंगोलपुरी इलाके में सिगरेट देने से मना करने पर तीन चार लड़कों ने 17 साल के नाबालिग लालू पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। उसे पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। वह 15 दिन पहले बिहार से अपने ममेरे भाई के पास आया था। पुलिस ने इस मामले में शामिल तीन नाबालिग आरोपियों को पकड़ लिया है और उनसे पूछताछ कर रही है। जानकारी के मुताबिक लालू मूलतः बिहार सीतामढ़ी का रहने वाला था। परिवार में माता-पिता, दो भाई और एक बहन है। वह 15 दिन पहले मंगोलपुरी बी ब्लॉक निवासी ममेरे भाई मंजेश के घर घूमने के लिए आया था। मंजेश का मंगोलपुरी लाल बत्ती पर चाय की दुकान है। मंजेश ने बताया कि रविवार रात वह दुकान पर मौजूद था। वह पार्क के पास लघुशंका करने गया था। इसी दौरान उसकी कुछ लड़कों से कहासुनी हो गई। लड़कों ने उसे पीठ, सीने और हाथ पर करीब आधा दर्जन चाकू मार दिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद वह भागकर वहां पहुंचा, जहां लालू खून से लथपथ पड़ा था। उसे तुरंत पास के संजय गांधी अस्पताल लेकर गए। जहां एक घंटे तक इलाज चलने के बाद उसने दम तोड़ दिया। बाहरी जिला पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने बताया कि रात करीब 9 बजे मंगोलपुरी थाना पुलिस को पार्क के पास एक नाबालिग को चाकू मारने की जानकारी मिली। जब पुलिस मौके पर पहुंची तो परिवार वाले उसे अस्पताल ले गए हैं। पुलिस अस्पताल पहुंची, जहां नाबालिग का इलाज चल रहा था। नाबालिग के शरीर में चाकू के आधा दर्जन घाव थे। पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और क्राइम और फोरेंसिक टीम को मौके पर बुलाया। टीम ने वहां से साक्ष्य हासिल किए। पुलिस ने आस पास मौजूद लोगों से पूछताछ की। साथ ही पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे की फुटेज को कब्जे में लेकर उसकी जांच की। इसी बीच इलाज के दौरान लालू ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने उसके शव को कब्जे में कर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सीसीटीवी फुटेज की जांच के जरिए पुलिस ने हमला करने वाले तीन नाबालिगों की पहचान कर ली। तीनों आरोपी को पुलिस ने इलाके से पकड़ लिया।

नमो कॉरिडोर से मेरठ आया नजदीक, दिल्ली वाले लुटियन दिल्ली से अब भी दूर, रोज का लंबा सफर बना जी का जंजाल

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। बेशक आप दिल्ली में रह रहे हो, लेकिन संभव है कि लुटियन दिल्ली तक आपके पहुंचने से पहले मेरठ निवासी पहुंच जाएं। खासतौर पर उस स्थिति में जब आप नरेला, कापसहेड़ा, बवाना, नागलोई जैसे क्षेत्रों में रह रहे हों। यहां से नई दिल्ली पहुंचने में हर दिन करीब दो घंटे लगते हैं, जबकि अब नमो भारत से मेरठ से दिल्ली के सराय काले खां पहुंचने में 55 मिनट लगेंगे। राजधानी की परिवहन नीति में बीते वर्षों में रीजनल कनेक्टिविटी को स्पष्ट प्राथमिकता मिली है, जबकि शहर के भीतर की कनेक्टिविटी पीछे छूटती नजर आती है। एनसीआर को जोड़ने वाली तेज रफ्तार ट्रेनें चल रही हैं, नए कॉरिडोर बन रहे हैं और घंटों का सफर मिनटों में सिमट रहा है, लेकिन दिल्ली के भीतर की तस्वीर अलग है। यहां कई ऐसे क्षेत्र हैं, जहां लाखों लोग रहते हैं, फिर भी उनका रोज का आवागमन किसी जंग से कम नहीं। दरअसल, दिल्ली की परिवहन नीति पिछले कुछ वर्षों में रीजनल कनेक्टिविटी पर अधिक केंद्रित दिखती है। मेरठ, गाजियाबाद, फरीदाबाद, गुरुग्राम जैसे शहरों को तेज रफ्तार से जोड़ने की दिशा में बड़े निवेश हुए। नमो भारत के साथ ही दिल्ली मेट्रो का संपर्क एनसीआर में तेजी से बढ़ा है, इससे एनसीआर के यात्रियों को लाभ मिल रहा है। अब सवाल यह है कि क्या राजधानी के भीतर समान प्राथमिकता दी जा रही है।

दिल्ली की सड़कें पहले ही क्षमता से अधिक वाहनों का दबाव झेल रही हैं। ट्रैफिक जाम में फंसे रहने का औसत समय कई इलाकों में प्रतिदिन 60से90 मिनट तक पहुंच जाता है। ऐसे में जिन क्षेत्रों में मेट्रो या वैकल्पिक तेज सार्वजनिक परिवहन नहीं है, वहां रहने वाले लोगों के लिए समय एक महंगी कीमत बन चुका है। जानकार बताते हैं कि अगर कोई व्यक्ति नरेला से रोज मध्य दिल्ली काम के लिए आता है, तो आने-जाने में चार घंटे खर्च हो सकते हैं। सप्ताह में 20 घंटे, महीने में लगभग 80 घंटे। यानी एक अतिरिक्त कार्य सप्ताह सिर्फ यात्रा में। विशेषज्ञ मानते हैं कि समय की यह असमानता सामाजिक और आर्थिक असमानता को भी बढ़ाती है। जिन क्षेत्रों में तेज कनेक्टिविटी है, वहां संपत्ति मूल्य और अवसर अधिक बढ़ते हैं। जहां नहीं है, वहां विकास की गति धीमी पड़ती है। सराय काले खां तक पहुंचने के दूसरे दिन सोमवार रैपिड रेल ने रिकार्ड कायम किया है। दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ कॉरिडोर पर रात दस बजे तक एक लाख से ज्यादा यात्रियों ने सफर किया। एनसीआरटीसी अधिकारियों के अनुसार, एक दिन में यात्रियों की संख्या रिकार्ड पर पहुंच गई है। दिल्ली परिवहन विभाग के पूर्व उपायुक्त डॉ. अनिल छिकारा ने कहा कि राजधानी का ट्रांसपोर्ट मॉडल अब दो ध्रुवों के बीच खड़ा है, एक ओर हाईस्पीड रीजनल कनेक्टिविटी और दूसरी ओर धीमी लोकल कनेक्टिविटी। आवश्यकता इस बात की है कि दोनों के बीच संतुलन स्थापित किया जाए। उन्होंने कहा कि विकसित शहरों में शहरी यातायात की औसत गति लगभग 30 किलोमीटर प्रति घंटा मानी जाती है, जो एक अंतरराष्ट्रीय मानक है। इसके मुकाबले दिल्ली में वाहनों की औसत गति कई प्रमुख मार्गों पर 10 किलोमीटर प्रति घंटा के आसपास सिमट जाती है।

मासूम से दुष्कर्म और छोटी बहन की हत्या के दोषी को सजा, कोर्ट ने की अहम टिप्पणी

शाहजहांपुर। सात वर्ष की मासूम से दुष्कर्म और छोटी बहन की क्रूरतापूर्वक हत्या के 57 माह पुराने मामले में दोषी अनिल उर्फ चमेली को अदालत ने मृत्युदंड की सजा सुनाई है। न्यायालय ने अपने फैसले में केस को विरलतम श्रेणी का मानते हुए कहा कि दोषी को मृत्युदंड दिया जाना ही न्यायोचित होगा। यदि ऐसा नहीं किया जाता है तो समाज में गलत संदेश जाएगा और न्यायिक प्रक्रिया पर प्रश्नचिह्न उठेगा। कांट थाना क्षेत्र के एक गांव में पांच और सात साल की सगी बहनें 22 फरवरी 2021 को दोपहर करीब साढ़े तीन बजे प्राथमिक विद्यालय में लगे नल पर नहाने गई थीं। शाम तक दोनों नहीं लौटीं तो परिजनों को चिंता हुई। वे लोग बच्चियों को तलाशते रहे। शाम को गांव से बाहर खेत पर पांच वर्ष की बच्ची मृत अवस्था में मिली। उसके सिर से खून बह रहा था। दूसरी बहन की तलाश शुरू की तो रात करीब 11 बजे घटनास्थल से लगभग सौ मीटर की दूरी पर बच्ची लहूलुहान हालत में पड़ी मिली। उसकी सांसें चल रही थीं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने बच्ची को राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। इसके बाद उसे बरेली के एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। पुलिस ने इस मामले में बच्चियों के दादा की तहरीर पर अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की। पुलिस की विवेचना में अजीजगंज में जिला अस्पताल के पीछे रहने वाले अनिल उर्फ चमेली का नाम सामने आया। वारदात के दिन गांव वालों ने बच्चियों को उसके साथ जाते देखा था। अनिल मधुमक्खियों के छत्ते तोड़कर शहद निकालने के लिए गांव में अक्सर आता-जाता रहता था। पुलिस ने सख्ती से पूछताछ की तो अनिल ने बताया कि वह बच्चियों को बिस्कुट देने के बाद शहद खिलाने का लालच देकर उन्हें गांव के बाहर खेत पर ले गया था। उसने बड़ी बहन से दुष्कर्म किया और शहद तोड़ने में इस्तेमाल होने वाली लोहे की खंती से उसके सिर पर वार कर दिया।उसके चीखने-चिल्लाने पर छोटी बहन गांव की ओर भागने लगी। पकड़े जाने के डर से उसने सौ मीटर आगे उसे पकड़ लिया और सीने पर बैठकर खंती से ही उसके सिर पर भी कई वार किए। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। दोनों बहनों को मरा समझकर वह भाग गया था। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर अनिल के खिलाफ दो अप्रैल 2021 को आरोपपत्र अदालत भेजा। विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो एक्ट) मनोज कुमार सिद्धू ने केस को विरलतम श्रेणी का मानते हुए अनिल को मृत्युदंड से दंडित किया। अदालत ने कहा कि मृत्युदंड के लिए अनिल उर्फ चमेली की गर्दन में फंदा डालकर तब तक लटकाया जाए, जब तक उसकी मृत्यु न हो जाए। उस पर 1,37,500 रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया है।

थप्पड़ का बदला लेने के लिए कर्मी ने दोस्तों संग मिलकर ली थी फैक्टरी मालिक की जान

नई दिल्ली। नरेला औद्योगिक क्षेत्र में थप्पड़ मारने का बदला लेने के लिए कर्मचारी से दोस्तों के साथ मिलकर फैक्टरी मालिक की हत्या करने वाले आरोपियों को पुलिस ने पकड़ा है। इसमें एक नाबालिग समेत तीन आरोपी हैं, जबकि मुख्य आरोपी समेत अन्य हत्यारों की तलाश में दबिश दे रही हैं। पकड़े गए आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल दो चाकू और दो बाइक बरामद की है। उत्तर पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त हरेश्वर वी स्वामी ने बताया कि 20 फरवरी की रात नरेला औद्योगिक क्षेत्र थाना पुलिस को राजा हरिशचंद अस्पताल से एक फैक्टरी मालिक पर चाकू से हमला करने के बाद भर्ती कराए जाने की जानकारी मिली। अस्पताल पहुंची पुलिस को पता चला कि डॉक्टरों ने फैक्टरी मालिक गौतम कॉलोनी निवासी 28 साल के रवि सिंह को मृत घोषित कर दिया है। जांच में पता चला कि गौतम कॉलोनी निवासी रवि का चौधरी एंटरप्राइजेज के नाम से जे ब्लॉक में फैक्टरी थी। रात में वह अपनी बाइक से फैक्टरी से घर के लिए निकले थे। इसी दौरान आधा दर्जन से अधिक लोगों ने उनपर चाकू से हमला कर दिया। उनके गर्दन, कंधे और पीठ पर चाकू के कई घाव हो गए। मृतक के बड़े भाई रणवीर सिंह अपनी शिकायत में फैक्टरी के एक कर्मी पर हत्या करने का आरोप लगाया। पुलिस ने उनपर निगरानी रखकर 22 फरवरी को होलंबी कलां निवासी ऋतिक, अजय और मेट्रो विहार निवासी नाबालिग को पकड़ लिया।

रोज की दाल-रोटी और चाय से कम उम्र में बढ़ रही हड्डियों और जोड़ों की समस्या

नई दिल्ली। घरों का रोजमर्रा का पारंपरिक खाना सुबह की चाय और दोपहर-रात की दाल-रोटी-सब्जी अब कम उम्र के लोगों के लिए हड्डियों और जोड़ों की परेशानी बढ़ाने वाला बनता जा रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार, इस खाने में कैल्शियम, विटामिन डी और प्रोटीन जैसी जरूरी चीजों की कमी होती है, जिससे 30-40 साल की उम्र में ही घुटनों और पीठ में दर्द, जोड़ों में अकड़न जैसी समस्याएं दिखने लगी हैं। शालीमार बाग स्थित एक निजी अस्पताल के ऑर्थोपेडिक विशेषज्ञ डॉ. साइमन थॉमस के अनुसार, इस तरह के खाने में कैल्शियम, विटामिन डी और प्रोटीन की कमी रहती है। साथ ही, लंबे समय तक बैठना और धूप का कम मिलना हड्डियों की घनता को कम कर देता है और जोड़ों की उपास्थि (कार्टिलेज) को कमजोर करता है। इसका असर यह है कि अब 30-40 साल की उम्र में ही लोग घुटनों और पीठ में दर्द, अकड़न और जोड़ों में जकड़न जैसी समस्याओं के साथ अस्पताल आ रहे हैं। डब्ल्यूएचओ-कॉपकॉर्ड अध्ययन के अनुसार, भारत में लगभग 195 मिलियन लोग अर्थराइटिस से पीड़ित हैं। इनमें से करीब दो-तिहाई मामले महिलाओं के हैं। अध्ययन में यह भी पाया गया कि अर्थराइटिस अब डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर की तुलना में अधिक आम हो गया है। डॉ. थॉमस ने हड्डियों और जोड़ों को मजबूत रखने के लिए कुछ आसान उपाय सुझाए हैं। उन्होंने कहा कि रोजाना दूध, दही, पनीर, छाछ या बादाम जैसे कैल्शियम युक्त खाद्य पदार्थ खाने चाहिए। प्रोटीन के लिए अंडा, मछली, चिकन, दाल या पनीर शामिल करें। हरी सब्जियां जैसे पालक, मेथी, ब्रोकली और फल जैसे संतरा, अमरूद अधिक मात्रा में खाएं। सुबह 15-20 मिनट धूप में रहना चाहिए ताकि शरीर में विटामिन डी का निर्माण हो सके।

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्रीमती चंदा पत्नी श्री मंगल निवासी मकान संख्या 279, सदरपुर, गाजियाबाद, कवि नगर, गाजियाबाद,उत्तर प्रदेश 201002, एक आवासीय प्लाट संख्या 39, क्षेत्रफल 105 वर्ग गज, खसरा संख्या 295, स्थित एबीआर रेजिडेंसी फेस 4, मधुबन बाबूधाम, ऑपोजिट जनहित स्कूल व कॉलेज,ग्राम सदरपुर, परगना डासना, तहसील व जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश, के मालिक व काबिज खतौनी फसली वर्ष 1428-1433 द्वारा मालिक व काबिज है। कथित संपत्ति भार मुक्त है, न किसी प्राधिकरण द्वारा अधिगृहित है न ही कोई मामला किसी न्यायालय मे लंबित है।वर्तमान में, मेरे मुव्किल कथित सम्पत्ति को श्री हरीश त्यागी पुत्र श्री अनिल त्यागी को बेच रहे है जो आधार हाउसिंग फाइनेन्स लि0, शाखा निठारी, सेक्टर 31, नोएडा, गौतम बुद्ध नगर, उत्तरप्रदेश, के द्वारा फाइनेन्स किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को उक्त कथित सम्पत्ति के सबंध में कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षरी या आधार हाउसिंग फाइनेन्स लि0 के समक्ष इस प्रकाशन के 7 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति उचित कागजात के साथ रखे / संपर्क करे, अन्यथा कथित सम्पत्ति के संबंध में दावा अवैध व व्यर्थ माना जायेगा।

रूपेश कुमार रौशन अधिवक्ता
डी-803, नन्दग्राम,
गाजियाबाद, उ0 प्र0 201003
roushan.rupesh@gmail.com

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री ब्रह्मपाल पुत्र श्री मूलचंद उर्फ़ मूला, निवासी मकान संख्या 174, गोविंदपुरम, सदरपुर, गाजियाबाद,उत्तर प्रदेश 201013, एक आवासीय प्लाट संख्या 59, क्षेत्रफल 111 वर्ग गज, खसरा संख्या 294, स्थित एबीआर रेजिडेंसी फेस 4, मधुबन बाबूधाम, ऑपोजिट जनहित स्कूल व कॉलेज,ग्राम सदरपुर, परगना डासना, तहसील व जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश, के मालिक व काबिज खतौनी फसली वर्ष 1428-1433 द्वारा मालिक व काबिज है। कथित संपत्ति भार मुक्त है, न किसी प्राधिकरण द्वारा अधिगृहित है न ही कोई मामला किसी न्यायालय मे लंबित है। वर्तमान में, मेरे मुव्किल कथित सम्पत्ति को श्रीमती पूजा शर्मा पत्नी श्री अमित शर्मा को बेच रहे है जो आधार हाउसिंग फाइनेन्स लि0, शाखा निठारी, सेक्टर 31, नोएडा, गौतम बुद्ध नगर, उत्तरप्रदेश, के द्वारा फाइनेन्स किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को उक्त कथित सम्पत्ति के सबंध में कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षरी या आधार हाउसिंग फाइनेन्स लि0 के समक्ष इस प्रकाशन के 7 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति उचित कागजात के साथ रखे / संपर्क करे, अन्यथा कथित सम्पत्ति के संबंध में दावा अवैध व व्यर्थ माना जायेगा।

रूपेश कुमार रौशन अधिवक्ता
डी-803, नन्दग्राम,
गाजियाबाद, उ0 प्र0 201003
roushan.rupesh@gmail.com

40 लाख रुपये की रंगदारी मांगने वाला आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। अपने मालिक से स्पूफ (फर्जी अंतरराष्ट्रीय) कॉल के जरिये 40 लाख रुपये की रंगदारी मांगने के आरोप में छतरपुर निवासी रामजान अली हाशमी (32) को गिरफ्तार किया गया है। इसे 26 अक्तूबर को पहाड़गंज निवासी मनोज कुमार कश्यप की शिकायत पर पकड़ा गया था। मध्य जिला पुलिस उपायुक्त निधिन वलसन ने बताया कि शिकायतकर्ता ने बताया कि 10 अक्तूबर को उसकी पत्नी को एक अंतरराष्ट्रीय नंबर से इंटरनेट कॉल आई। इसके बाद उन्हें धमकी भरे कई संदेश मिले। बाद में शिकायतकर्ता को भी अलग-अलग नंबरों से कई कॉल और संदेश मिले, जिनमें परिवार की सुरक्षा के बदले 40 लाख रुपये की मांग की गई थी। पुलिस ने भारतीय दंड संहिता की जबरन वसूली और आपराधिक धमकी से संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। तकनीकी निगरानी के जरिये कॉल से जुड़े आईपी पते का विश्लेषण किया गया

प्रतिबंधित पॉलिथीन की जगह कपड़े के थैले का करे इस्तेमाल

यमुनानगर। हरियाणा शहर स्वच्छता अभियान को लेकर अतिरिक्त निगम आयुक्त धीरज कुमार ने वीरवार को सब्जी मंडी एसोसिएशन व मंडी आढ़तियों व विक्रेताओं की बैठक ली। उन्होंने सभी को स्वच्छता अभियान में सहयोग देने की अपील की और प्रतिबंधित पॉलिथीन का इस्तेमाल न करने, खुले में गंदगी न फैलाने, सड़कों पर सामान रखकर अतिक्रमण करने के बारे में समझाया। उन्होंने सभी को निर्देश दिए कि वे कचरा रखने के लिए कूड़ेदान का प्रयोग करें। प्रतिबंधित पॉलिथीन की जगह 120 माइक्रोन, पोटैटो स्टार्च कम्पोस्टेबल, कॉर्नस्टार्च कम्पोस्टेबल पॉलिथीन या कपड़े के थैलों का इस्तेमाल करें। उन्होंने सभी को समझाया कि अभी नगर निगम हाथ जोड़कर सभी से प्रतिबंधित पॉलिथीन का इस्तेमाल न करने और खुले में कचरा न फैलाने की अपील कर रहा है। फिर भी जो नहीं मानेगा, उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। बैठक के दौरान अतिरिक्त निगम आयुक्त धीरज कुमार ने प्रतिबंधित पॉलिथीन के नुकसान बताते हुए सभी को इसका इस्तेमाल न करने के बारे में समझाया। उन्होंने बताया कि पॉलिथीन के इस्तेमाल से जहां कैंसर जैसी घातक बीमारी होती है, वहीं, इसे खाने से पशुओं की भी मौत हो सकती है। क्योंकि कुछ लोग खाने समेत पॉलिथीन को फेंक देते है। सब्जी विक्रेता भी सड़ी हुई सब्जी या उसके अवशेष पॉलिथीन में डालकर फेंक देते है। जिससे पशु खा लेते है। यह पॉलिथीन उसके पेट में पचती नहीं। जिससे पशु बीमार होते है। नाले व नालियां जाम होने का सबसे बड़ा कारण भी पॉलिथीन है। उन्होंने सभी सब्जी व फल विक्रेताओं, मंडी आढ़तियों व पॉलिथीन विक्रेताओं को पॉलिथीन बंद करने में अपना योगदान देने की अपील की।

उन्होंने कहा कि अपने थोड़े से लाभ के लिए इसका इस्तेमाल कर आमजन की जिंदगी से न खेले। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि वे प्रतिबंधित पॉलिथीन के स्थान पर सरकार द्वारा स्वीकृत 120 माइक्रोन, पोटैटो स्टार्च कम्पोस्टेबल या कॉर्नस्टार्च कम्पोस्टेबल (मकई से बनी हुई)

NAME CHANGE
I, SANTHA KUMARI, Mother of No-14449800M, Rank-HAV(Gnr), Name- RATHEESH KUMAR R, Residing at House Name: Santha Vilasom, Vill-Edamulakkal, Po-Ayoor, Tehsil-Punalur, Dist-Kollam, Kerala-691533, has changed my Name from J SANTHAMMA to SANTHA KUMARI and my Date of Birth is 01/01/1958, for all future purposes vide affidavit dated 13/02/2026 before Notary Public, Kerala.

NAME CHANGE
I, PRATEEK S/O VINOD KUMAR R/O 343/1, BHIM GARH KHERI, NEAR RAILWAY STATION ,GURGAON HARYANA-122001 HAVE CHANGED MY NAME PRATEEK SAHU ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
I, ANKUR GUPTA S/o ANIL KUMAR GUPTA, R/o FLAT NO-1803, TOWER NO-12, ORANGE COUNTY, INDIRAPURAM, AHINSAKHAND-1, SHIPRA SUN CITY, GHAZIABAD, UTTAR PRADESH-201014, have changed the name of my minor daughter MANNARA GUPTA, aged 2 years and she shall hereafter be known as ASWI GUPTA.

NAME CHANGE
I SHAHANA CHOUDHARY W/O ASLAM CHOUDHARY R/O NEAR NO DELHI C-4/72-A YAMUNA VIHAR DELHI SHASTRI PARK SEELAMPUR NORTH EAST DELHI 110053 HAVE CHANGED MY NAME TO SHAHANA PARVEEN

NAME CHANGE
I. Randhir Kumar s/o Harish Chandra Choudhary R/o Flat no-469 pocket 16 Adarsh Appartment Madhu vihar Palam Village sector 3 Dwarka Delhi 110045 have changed my name to Randhir Kumar Choudhary

NAME CHANGE
I Mamta Dawer W/0 Atul Dawar R/0 550/1-A Sidhi Vinayak Homes Mansrover Park shahadra Delhi 110032 Changed my name to Mamta Dawar

NAME CHANGE
I Kartik Dawer S/0 Atul Dawar R/0 550/1-A SIDHI VINAYAK HOMES MANSROVER PARK SHAHADRA DELHI 110032 Changed my name to Kartik Dawar

NAME CHANGE
I Atul Dawer S/0 Radhey Shyam Dawar R/0 550/1-A Sidhi Vinayak Homes Mansrover Park shahadra Delhi Changed my name to Atul Dawar

NAME CHANGE
I, No-9875013N Rank-CHOWKIDAR Name-LAL CHAND Presently residing at RZ-87/1, GALI NO-4, DURGA PARK, PALAM VILLAGE, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110045, have changed my wife's name from SHOBHA DEVI to SHOBHA PRAJAPATI for all future purposes vide Affidavit dated 02/03/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I Ramesh kumar sherawat S/o jaidev singh R/o hno.238, pana bitrola dulan bawana delhi 110039, have changed my name Ramesh kumar sehrawat for all future purposes.

NAME CHANGE
I Ravi Kumar Yadav S/O Dinesh Kumar Yadav, L-15, GALI NO. 25, MAHENDRA PARK, ADARSH NAGAR, North West Delhi, Delhi-110033 have changed my name to Ravi Yadav for all future purposes.

NAME CHANGE
I , Raghav Tiwari S/O Roop Narayan Tiwari, R/O B-6/608, RAJVEER COLONY, GHAROLI EXTENSION, East Delhi, Delhi, 110096, have changed the name of my minor son Mukunda Tiwari aged 12 years and he shall hereafter be known as MUKUND TIWARI.

PUBLIC NOTICE
It is informed to the public at large that my client, Vinita Saluja W/o Late Sh. Sanjay Saluja R/o 2nd Floor, House No. 156, Gali No. 31, South Anarkali, Krishna Nagar, Delhi-110051, thereby, declaring/ debarring/disowning/ severed all relations and ties with their elder daughter Manvi Saluja D/o Late Sh. Sanjay Saluja from her life, properties and estate, moveable or immoveable situated at Delhi or outside of Delhi, because she is not in control of my client. My client is not responsible/ liable for any acts, deeds and things done by the above named person from today.
Siddharth Kinra Advocate
Office: Advocates Hall, Chamber Building, Distt. & Sessions Courts, Dwarka-110079, New Delhi.

NAME CHANGE
I, RANJEET SINGH CHAWLA, son of Shri Darshan Singh Chawla resident of Flat No. 1103, Park Royal Appartment, Plot No. 10A, Sector-9, Dwarka, New Delhi-110077, have changed my name from CHARANJEET SINGH CHAWLA to RANJEET SINGH CHAWLA in future for all purposes. And CHARANJEET SINGH CHAWLA and RANJEET SINGH CHAWLA is the same and one same person.

NAME CHANGE
I RAMJEE YADAVA S/O GARIB YADAV R/O H.NO 1246 FIRST FLOOR GALI NO -25 BLOCK I HARI NAGAR EXTENSION BADARPUR NEW DELHI-110044 have changed my name to RAMJEE YADAV Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I ANKIT GAUTOM S/O KAMAL KISHORE R/O 7-B KH NO 96/6 GALI NO 8 SUKHBIR NAGAR KARALA DELHI-110081 have changed my name to ANKIT GAUTAM Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I LEIMAPOKPAM LILY LEIMA W/O THONGRAM KUMARJIT SINGH R/O J G-27 A THIRD FLOOR D 2, KHIRKI EXTENSION, MALVIYA NAGAR DELHI- 110017 have changed my name to THONGRAM LILY LEIMA Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I LALITA W/O-SANDEEP MISHRA R/O-44-45 3RD FLOOR GAURI SHANKAR BHAWAN BHOLA NATH NAGAR SHAHDARA DELHI-110032 HAVE CHANGED MY NAME TO LALITA VERMA.

NAME CHANGE
I, Sanjay Goyal S/o Banwari Lal Goyal R/o Vaishyan, Post-Mursan, PO-Hathras, Dist-Hathras, Uttar Pradesh - 204101, have changed my minor daughter's name from Nisha aged 11 Years to Aadhya Goyal forever.

NAME CHANGE
I Son Vati W/o Sohan Lal R/o Gurwara, PO-Baheri, Dist-Bareilly, Uttar Pradesd - 243201, have changed my name to Krishna Devi.

NAME CHANGE
I Haruli Devi W/o Jaman Singh R/o Bajani, Didihat, Pithoragarh, Uttarakhand - 262551, have changed my name to Harli Devi.

NAME CHANGE
I mohammad Arsalan S/o merajuddin R/O 4488 gali shahtara Ajmeri gate delhi 110006 HAVE CHANGED MY NAME TO MOHD ARSALAN

NAME CHANGE
I MOHAMMED VASEEM S/O JALEEL AHMED R/O 444 POCKET-1 PASCHIM PURI PASCHIM VIHAR WEST DELHI-110063 HAVE CHANGED MY NAME TO MOHD VASEEM

NAME CHANGE
I PARVEZ A HABIB S/O HABIB AHMED R/O A-292 1ST FLOOR BLOCK-A, NEW FRIENDS COLONY DELHI-110025 HAVE CHANGE MY NAME TO PARVEZ HABIB FOR ALL PURPOSE

NAME CHANGE
I, RAM YADAV father NO-15227111X, Rank-HAV, Name-JAGMOHAN YADAV residing at VILL-FATEHPUR, PO-KHUDIYANA, TEHSIL-LAXMANGARH, DISTT- ALWAR RAJASTHAN-321607 have changed my name RAM YADAV to SHRIRAM YADAV for all future purposes vide Affidavit Dated 02/03/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I MOHAMMAD MUJEEB KHAN S/O MOBIN KHAN R/O B-227/A GALI NO - 3, FAZALPUR DELHI-110092 have changed my name to MUJEEB KHAN Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I,ZUHAIB AHMAD SON OF JAMEEL AHMAD R/O 62, QAZI WARA, INFRONT OF IMAM BARA, KHURJA, DIST BULANDSHAHR, UTTAR PRADESH-203131 HAVE CHANGED MY NAME ZUHAIB AHMED FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
I BIMLA VERMA W/O MANINDRA PRASAD R/O KALI BAGH , JORA INAR, BETTIAH , WEST CHAMPARAN BIHAR 845438 have changed my name to VIMLA VERMA Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I NIKHIL S/O BRIJ MOHAN R/O H.NO 8, BLOCK 15 SUBHASH NAGAR TAGORE GARDEN DELHI-110027 have changed my name to NIKHIL ARORA Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I, Namita Bera, legally wife of Army No. 14672961L NK Auto Tech (B Veh) Sanjoy Bera, presently residing at Vill.-Dakshin Basulipat, P.O.- Ramnagar, Dist.-Purba Medinipur, State-West Bengal, inform that, I have change my name & date of birth from "Nomita/28 Jan 1985 to Namita Bera/06 Dec.1987 due to wrongly mentioned in my husband's Service documents.i confirm that namita bera and nomita is same and one person

Public Notice
It is for general information that I, Sheela W/o Arvind Sharma R/o C 37 Police Colony, Mehram Nagar, Palam Airport, Gurgaon Road, Vasant Vihar, South West Delhi, Delhi-110037 declare that name of mine has been wrongly written as Sheela Kumari in my minor son Mayank Sharma aged 17 years in his 10th class educational documents. The actual name of mine is Sheela.

NAME CHANGE
I, hitherto known as Dheeraj Sharma S/O Vijay Pal Sharma, R/o Thora, PO: Thora, DIST: Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 203155, have changed my name and shall hereafter be known as VED PRAKASH.

NAME CHANGE
I, hitherto known as BABY TANWAR W/o SANDEEP KUMAR, R/o H.No.-A-203, Second Floor, Plot No.-15, Vikram Enclave, Shalimar Garden Extension-1, P.O : Sahibabad, Dist.-Ghaziabad (Uttar Pradesh) 2001005 have changed my name and shall hereafter be known as GEET TANWAR.

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्री अजय कुमार की पत्नी श्रीमती रेखा, उत्तरी-पश्चिमी दिशा में, बाई और पीछे की ओर स्थित भूतल पर स्थित फ्लैट (छत / टेरेस के बिना), जिसका क्षेत्रफल 50 वर्ग है (तकनीकी मानक के अनुसार कारपेट एरिया 335 वर्ग फुट और अनुमत क्षेत्रफल 450 वर्ग फुट), जो प्लाट संख्या -95 पर बना है, जिसका प्लॉट क्षेत्रफल 200 वर्ग फुट है, के संबंध में... चिदपुर गांव, जीवन पार्क कोलोनी, ब्लॉक-ए नई दिल्ली-110059 में स्थित खसरा संख्या 235 और 236 में से गज की भूमि, श्री अरुण गुप्ता पुत्र श्री महादेव प्रसाद द्वारा दिनांक 01.12.2023 को निष्पादित नोटरीकृत वीपीए, एटीएस और वसीयत के आधार पर श्रीमती सोनू श्रीवास्तव को बेची जानी है और इसका वित्तपोषण एसएमएफजी हंडिया होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा किया जाएगा। आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी का उक्त संपति में कोई प्रभार/हित/स्वामित्व है या किसी प्रकार का कोई विवाद है, तो कृपया वर्तमान तिथि से 7 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पते पर लिखित रूप में मुझे सूचित करें।.
Rahul Raj, Advocate,
SG Associates (Law Firm)
B-01, Plot No. 20, Kaushambi, Ghaziabad-201010.
E-MAIL:sgassociatespl@gmail.com.
Ph: 0120-4968888, 8130309204.

NAME CHANGE
I MOHAMMAD IRFAN KHAN S/O MOHD SULTAN residing at T-411, 4TH FLOOR, GALI NO-21, GAUTAMPURI, SEELAMPUR, DELHI-110053, have changed my name to MOHD IRFAN Permanently.

NAME CHANGE
I AJAY VINAYAK S/O KRISHAN GOPAL R/O 719 FOUR STOREY QUARTER NEAR POLICE STATION RAJOURI GARDEN TAGORE GARDEN DELHI- 110027 have changed my name to AJAY KUMAR Permanently for all Future purpose

PUBLIC NOTICE
Notice is hereby given by SUNIL SAW who is purchasing Ground Floor, without roof rights of property No.133-A/B, area measuring 50sq. yds., Village Kilokari, New Delhi from Smt. Seema who is the owner of above-mentioned property Vide Sale Deed dated 14.11.2018 which is registered as Doc. No. 6082, Book No. 1, Vol. No. 773, Page No. 78-84, dated 14.11.2018, SR-V(1) and will be taking financial assistance from Aditya Birla Housing Finance Ltd. That The Sale Deed 27/06/1984, doc no. 3653 & Original Relinquishment Deed 13/07/2017, doc no. 3208 & Original Sale Deed 25/08/2017, doc no. 4094, vol no. 396, pages 133-140 registered in SR-V(1) & Original Sale Deed 14/11/2018, doc no. 6082, vol no. 773, pages 78-84 registered in SRO V (1) are lost/Misplaced. Public is being warned not to deal with the said document. Any person dealing with the said document would do so at their own risk & responsibility. Owner shall not be liable in any manner whatsoever for any loss incurred by such person. If anybody found these document or notice any misuse of the above mentioned document, Concern person is required to communicate in writing to the undersigned at below address.
Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE
I, RAJIYA KHATOON Wife of No-5457491H Rank-HAV Name-IMRAN Presently residing at VILL-JAMALPUR MAHIPAT, PO-SARAKARA CHAKRAJMAL, TEH-DHAMPUR, DIST-BIJNOR, UTTAR PRADESH-246761, have changed my name from RAJIYA KHATOON to RAZIYA KHATOON for all future purposes vide Affidavit dated 02/03/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, SOOVEDAR SINGH Father of PUNEET KUMAR Presently residing at VILL-KHERA, PO-AROLI, TEH-GORMI, DIST-BHIND, MADHYA PRADESH-477660, have changed my name from SOOVEDAR SINGH to SUBEDAR SINGH for all future purposes vide Affidavit dated 02/03/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NIKITA GURUNG Wife of No-5457878L Rank-HAV Name-PRASANTA GURUNG Presently residing at VILL-CHITARY BUSTY, PO-DEORALI, TEH-KAURSEONG, DIST-DARJEELING, WEST BENGAL-734203, have changed my name from NIKITA GURUNG to NIKITA RAI GURUNG for all future purposes vide Affidavit dated 02/03/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NAGMA PARVEEN W/O HAMID ALI residing at C-40 STREET NO-18, NORTH GHONDA, DELHI-110053, have changed my name to PARVEEN For All Purpose.

NAME CHANGE
I, KM YANDANA W/O SANJAY KUMAR VERMA residing at H NO-B-5478, GALI NO-115, B-BLOCK, NEAR GURUDWARA, SANT NAGAR, BURARI, DELHI -110084. have changed my changed my name to VANDANA VERMA for all future purpose.

NAME CHANGE
I, SANDEEP S/O SAUDAN SINGH R/O HOUSE NO-1596, DARBARIPUR ROAD, NEAR MATA MANDIR, BADSHAHPUR, GURGAON, HARYANA-122101 HAVE CHANGED MY NAME TO SANDEEP YADAV FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I, KUSHUM LATA / KUSUM LATA W/O SATISH YADAV R/O HOUSE NO-104, VILLAGE JHULJHULI, SOUTH WEST DELHI,DELHI-110073, HAVE CHANGED MY NAME TO KUSUM FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I, KRISHNA PAL S/O SUKHBIR SINGH R/O H NO 585 DAKSHINI KRISHNAPURI MUZAFFAR NAGAR UTTAR PRADESH 251002, I HAVE CHANGED MY NAME KRISHAN PAL SHARMA FOR ALL FUTURE PURPOSES

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि AAM JANATA UNNAYAN PARTY नाम से एक नयी राजनीतिक पार्टी के पंजीकरण का प्रस्ताव किया गया है। इस पार्टी का कार्यालय निम्न पते पर स्थित है, गाँव नरिकेलबाड़ी, डाकघर-सोमपारा, थाना-शक्तिपुर, जिला-मुर्शिदाबाद, पश्चिम बंगाल-742163। उक्त पार्टी द्वारा भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली में जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29(ए) के तहत राजनीतिक दल के रूप में पंजीकरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।
पार्टी पदाधिकारियों के नाम और पते इस प्रकार हैं
- **अध्यक्षः गोलाम नबी आजाद**
पता, मकान नं. 043, नरिकेलबाड़ी पश्चिम, नरिकेलबाड़ी, बहरामपुर, मुर्शिदाबाद, पश्चिम बंगाल, 742163
- **महामंत्रीः मुक्ताडुल अहमद**
पता, मध्य चक्रांगापाड़ा, मिल्की, रेजीनगर, मुर्शिदाबाद, 742163
- **कोषाध्यक्षः साबिर अहमद विश्वास**
पता, मोंजा-शक्तिपुर, 79, पारा-देड़पाड़ा, शक्तिपुर, रेजीनगर, मुर्शिदाबाद, 742163
यदि किसी व्यक्ति को AAM JANATA UNNAYAN PARTY (प्रस्तावित राजनीतिक दल) के पंजीकरण पर कोई आपत्ति हो, तो वह अपनी आपत्ति के कारणों के साथ सचिव (राजनीतिक दल प्रभाग), भारत निर्वाचन आयोग, निर्वाचन सदन, अशोक रोड, नई दिल्ली-110001 को इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से **30 दिनों** के भीतर लिखित रूप में भेज सकते हैं।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **तहशीम पुत्र** सतार, **निवासी** 30 फुटा रोड नूरानी मस्जिद के पास प्रेम नगर, लोनी, गाजियाबाद (यूपी), ने **FIR No. 6485/2021, U/S 379/411/34 IPC, पुलिस स्टेशन वेलकम, उत्तर-पूर्व जिला, दिल्ली,** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किया गया गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **तहशीम** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **तहशीम** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 6485/2021, U/S 379/411/34 IPC, पुलिस स्टेशन वेलकम, उत्तर-पूर्व जिला, दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त **तहशीम** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **04.04.2026** को या इससे पहले हाज़िर हो।

आदेशानुसार
सुश्री दीपाक्षी राणा
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी-03,
कमरा नं0-19, प्रथम तल, शाहदरा जिला,
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/2528/NE/2026
(Court Matter)

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

विकास नगर में खड़े टेंपो में आगजनी आठ फ्रीज जले

एजेंसी

सोनीपत। सोनीपत शहर के विकास नगर में घर के बाहर खड़े छोटा हाथी (टेंपो) में आग लगने से वाहन और उसमें रखे आठ डीप फ्रीज जल गए। आधी रात को पटाखों जैसी आवाज सुनकर परिवार के लोग बाहर निकले तो गाड़ी को जलता देख हैरान रह गए। सिटी थाना पुलिस ने तीन युवकों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गली नंबर चार, विकास नगर निवासी संजीव ने बताया कि उसके पास छोटा हाथी सुपरो महिंद्रा वाहन है। वह कालूपुर चुंगी स्थित सेठी इलेक्ट्रॉनिक्स के गोदाम से आठ डीप फ्रीज (चार छोटे और चार बड़े) लोड कर लाया था। यह सामान गोहाना स्थित रामा इलेक्ट्रॉनिक्स पर पहुंचाना था। देर रात होने के कारण उसने वाहन को अपने घर के बाहर गली में खड़ा कर दिया। संजीव के अनुसार आधी रात को गली में पटाखों जैसी आवाज सुनाई दी। बाहर आकर देखा तो वाहन में आग लगी हुई थी। परिवार और पड़ोसियों की मदद से आग बुझाने का प्रयास किया गया, लेकिन आग पर काबू नहीं पाया जा सका। कुछ ही देर में वाहन और उसमें रखे सभी फ्रीज जल गए। घटना के बाद आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई। फुटेज में एक मोटरसाइकिल पर तीन युवक आते दिखाई दिए, जिनकी पहचान गढ़ी ब्राह्मण निवासी साहिल, मालवीय नगर निवासी रफीक और विकास नगर निवासी हसन के रूप में हुई। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। सीसीटीवी फुटेज को साक्ष्य मानते हुए आगे की कार्रवाई जारी है।

हिंदू जगेगा तो पूरा विश्व जगेगा: दयानंद सरस्वती

सोनीपत। सोनीपत जिले के शहजादपुर गांव में विराट हिंदू सम्मेलन का आयोजन हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि धर्म और अध्यात्म के प्रख्यात विद्वान दयानंद सरस्वती महाराज ने कहा कि समाज में हिंदुत्व का जागरण आवश्यक है। उन्होंने जाति-पाति के भेदभाव को भुलाकर सामाजिक समरसता पर जोर दिया। उनका संदेश था हिंदू जगेगा तो पूरा विश्व जगेगा। उन्होंने अपनी संस्कृति, राष्ट्र और देश के प्रति समर्पण की अपील की। यह आयोजन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्यमें आयोजित किया गया। सोनीपत जिले में 103 स्थानों पर ऐसे सम्मेलन हो रहे हैं। रमेश बजाज ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य हिंदुओं को संगठित करना है। बिना किसी जाति, ऊंच-नीच के भेदभाव के सभी एक हैं और गर्व से हिंदू हैं। इसका लक्ष्य समाज, धर्मऔर देश की उन्नति के लिए कार्य करना है। नौजवानों ने पैदल पदयात्रा निकालकर श्रद्धा-भक्ति और देशभक्ति का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के प्रमुख आयोजक नीरज ठरू ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि हिंदू एक है, एक था और एक ही रहेगा। हिंदुत्व हमारी जान है और खून में बसता है। उन्होंने राम और कृष्ण के आदर्शों का जिक्र करते हुए मर्यादा, सत्य और भारतीय सभ्यता की रक्षा की बात कही। युवाओं को राजनीति और धर्म के समन्वय के साथ देश के निर्माण में आगे आने का आह्वान किया। उन्होंने संघ के शताब्दी वर्ष के संदेश को दोहराया बंटोगे तो कटोगे, साथ रहोगे तो बढ़ोगे। पूरा कार्यक्रम हिंदू एकता, देशभक्ति और सकारात्मकता के संदेश से भरा रहा।

गुरुग्राम को ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी का इंजन बनाने के लिए सीआईआई प्रतिबद्ध : विनोद बापना

गुरुग्राम। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) गुरुग्राम जोन का वार्षिक सत्र होटल फॉर्च्यून सेलेक्ट ग्लोबल में आयोजित किया गया। इस अवसर पर सीआईआई गुरुग्राम जोन के चेयरमैन विनोद बापना ने वर्ष 2025-26 की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए गुरुग्राम को हरियाणा की विकास यात्रा का ना केवल औद्योगिक केंद्र, बल्कि नीतिगत सुधारों और अंतरराष्ट्रीय सहभागिता का मुख्य स्तंभ बताया। अपने संबोधन में विनोद बापना ने कहा कि हमारा लक्ष्य स्पष्ट है कि 2047 तक हरियाणा को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के विजन के साथ उद्योग जगत की प्राथमिकताओं को जोड़ना पिछले एक साल में हमारा ध्यान ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को धरातल पर उतारने, व्यवसाय की लागत कम करने और बुनियादी ढांचे की जवाबदेही तय करने पर रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि गुरुग्राम अब केवल एक शहर नहीं, बल्कि एक वैश्विक व्यापारिक गंतव्य बन चुका है, जिसे और सशक्त बनाने के लिए सीआईआई ने सरकार के साथ मिलकर निरंतर नीतिगत संवाद किया है। बापना ने पिछले वर्ष के दौरान किए गए प्रमुख कार्यों का विवरण साझा करते हुए बताया कि सीआईआई ने सरकार के साथ कई उच्च-स्तरीय बैठकों के माध्यम से उद्योगों की समस्याओं का समाधान निकाला है। सीआईआई के सुझाव पर रूफटॉप सोलर नेट मीटरिंग की सीमा को 500 केवी से बढ़ाकर 1 एमडब्ल्यू करने और सोलर ओपन एक्सेस को सुलभ बनाने पर चर्चा हुई।

बरोदा-गोहाना में प्रशिक्षण महाअभियान की ड्यूटियां तय

सोनीपत। बरोदा हलका से भाजपा के पूर्व प्रत्याशी तथा पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के जिला गोहाना संयोजक प्रदीप सांगवान ने बरोदा और गोहाना विधानसभा क्षेत्रों में आयोजित होने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों को लेकर कार्यकर्ताओं की ड्यूटियां तय कीं। शहर स्थित निजी कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम मंडल स्तर पर आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इन प्रशिक्षण सत्रों में कार्यकर्ताओं को पार्टी की रीति-नीति, संगठन की कार्यप्रणाली और जनसंपर्क के तरीकों की विस्तृत जानकारी दी जाएगी। महाअभियान का उद्देश्य संगठन को मजबूत बनाना और बूथ स्तर तक सक्रिय कार्यकर्ता तैयार करना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मार्च माह के अंत तक यह अभियान पूर्ण कर लिया जाएगा।

पंजाब गुरुओं की धरती, तप-त्याग और बलिदान की भूमि है: नायब सिंह सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंजाब के गुरदासपुर जिले के दीनानगर में सैनी समाज द्वारा आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि पंजाब गुरुओं की धरती है, यह तप, त्याग और बलिदान की भूमि है। उन्होंने कहा कि विभाजन की वेदना झेलने के बावजूद यहां के लोगों ने कभी निराशा को अपने ऊपर हावी नहीं होने दिया और आत्मविश्वास को अपनी सबसे बड़ी ताकत बनाया।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पंजाब विधानसभा का आगामी चुनाव केवल सरकार बदलने का चुनाव नहीं है, यह चुनाव पंजाब की राजनीतिक दिशा को बदलने, समाज को सम्मान दिलाने का अवसर है। उन्होंने कहा कि इस पावन भूमि पर आकर वे स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। उपस्थित जनसमूह को नमन करते हुए उन्होंने आह्वान किया कि सभी को मिलकर पंजाब को फिर से विकास के पथ पर अग्रणी राज्य बनाना है। उन्होंने कहा, हम सबने मिलकर पंजाब को फिर से रंगला पंजाब बनाना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सैनी समाज को सम्मान देने का काम किया है। मुझ जैसे एक छोटे कार्यकर्ता को मुख्यमंत्री बनाकर समाज को ताकत दी है। उन्होंने बताया कि सोमवार को हरियाणा विधानसभा में वे अपना दूसरा बजट पेश करेंगे। उन्होंने कहा कि 217 संकल्पों में से 60 पूरे किए जा चुके हैं और 120 पर तेजी से काम चल रहा है। प्रदेश सरकार की योजनाओं का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा में किडनी मरीजों को सभी अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों में मुफ्त डायलिसिस की सुविधा दी जा रही है। बुजुर्गों को प्रत्येक माह की 10 तारीख तक पेंशन घर बैठे उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने बताया कि लाडो लक्ष्मी योजना के तहत महिलाओं को 2100 रुपए दिए जा रहे हैं। किसानों की फसलें न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीदी जा रही हैं और 48 घंटे में भुगतान सुनिश्चित किया गया है। भावांतर भरपाई योजना से भी किसानों को लाभ मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गरीबों को मकान बनाकर दिए जा रहे हैं और जिन परिवारों के पास जमीन नहीं है, उन्हें प्लॉट उपलब्ध कराए जा रहे हैं। लंबे समय से पंचायती भूमि पर निवास कर रहे परिवारों को मालिकाना हक भी प्रदान किया गया है।मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब की सत्ता कुछ हाथों में सिमटने से विकास प्रभावित हुआ है। अब राजनीति की दिशा बदलने का समय है। उन्होंने विश्वास जताया कि आगामी विधानसभा चुनाव में ओबीसी वर्ग एकजुट होकर निर्णायक भूमिका निभाएगा और भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनाने में योगदान देगा ताकि पंजाब को फिर से रंगला और खुशहाल प्रदेश बनाया जा सके।

अपराध नियंत्रण और शिकायत निस्तारण पर पुलिस की सख्ती

एजेंसी

यमुनानगर। यमुनानगर में थाना शहर प्रभारी निरीक्षक नरेंद्र सिंह ने थाना परिसर में तैनात सभी अनुसंधान अधिकारियों की बैठक लेकर कानून व्यवस्था और लंबित मामलों की समीक्षा की। बैठक पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल के निर्देशों के तहत आयोजित की गई, जिसमें अपराध नियंत्रण और शिकायतों के समयबद्ध निपटारे पर विशेष जोर दिया गया। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार थाना प्रभारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गैरकानूनी गतिविधियों में संलिप्त लोगों पर कड़ी निगरानी रखी जाए और अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। आदतन अपराधियों की नियमित जांच करते हुए उनकी गतिविधियों पर नजर बनाए रखने को भी कहा गया। महिला संबंधी अपराधों को गंभीरता से लेते हुए ऐसे मामलों में तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। बैठक में पीएम विंडो, सीएम विंडो तथा हरसमय पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों का निर्धारित समय सीमा में समाधान करने पर बल दिया गया। थाना प्रभारी ने कहा कि फरियाद लेकर आने वाले लोगों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर सुनकर उन्हें शीघ्र न्याय दिलाया जाए, जिससे आमजन का पुलिस पर विश्वास मजबूत हो सके।अधिकारियों को आधुनिक तकनीक के उपयोग में दक्ष रहने तथा उच्च अधिकारियों द्वारा मांगी गई रिपोर्ट और जवाब समय पर भेजने के निर्देश भी दिए गए। थाना क्षेत्र में चोरी, गृहभेदन और वाहन चोरी की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए नियमित गश्त बढ़ाने और सघन चेकिंग अभियान चलाने पर जोर दिया गया। थाना प्रभारी ने आम नागरिकों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति, वाहन या असामाजिक गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस या डायल 112 पर दें। सूचना देने वाले की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।

पंचायत में एक स्वर में एचपीवी वैक्सीन का विरोध

एजेंसी

जींद। गांव नगूरां के भूट्टेश्वर मंदिर में एचपीवी वैक्सीन के विरोध में खांडा तपा की एक पंचायत का आयोजन किया गया। पंचायत में सबकी सहमति इस बात पर हुई कि एचपीवी वैक्सीन का विरोध किया जाएगा। कोरोना की वैक्सीन के बाद हुए दुष्परिणामों को देखते हुए लोगों ने एकमत से इसका बहिष्कार किया। पंचायत की अध्यक्षता चांदपुर गांव के पूर्व सरपंच रामकुमार नरवाल ने की। इस दौरान खांडा तपा के दस गांवों के लोगों ने भाग लिया। इस दौरान लगभग दो घंटे चली पंचायत को रविंद्र हसनपुर गजे सिंह नगूरां, धर्मपाल नगूरां, राजेश नगूरां, रामनिवास शर्मा, सुशील नरवाल चांदपुर ने अपने विचार रखे। जनता सरकार मोर्चे के संस्थापक सुशील नरवाल ने बताया कि ये वैक्सीन बिल गेट्स द्वारा स्पांसर की जा रही है। बिल गेट्स वही व्यक्ति है, जिसका नाम एपस्टीन फाइल में आया है। इस पर गंभीर यौन शोषण के आरोप लगे हैं। जिसमें छोटी-छोटी बच्चियों का यौन शोषण और हत्या के आरोप है। इसने एपस्टीन से संबंध भी स्वीकार किए हैं। आगे ये भी बताया कि इस वैक्सीन का ट्रायल 2009 में तेलगांना और गुजरात में हुआ था। लगभग 14 हजार बच्चियों पर इसका ट्रायल किया गया। जिसमें से सात बच्चियों की ऑनस्पाट मृत्यु हो गई थी। इस वैक्सीन से काफी लड़कियों को गंभीर दुष्परिणाम आए थे। जिसमें गर्भाशय खराब होने के भी केस मुख्य रहे। इन सभी बातों को ध्यान में रखते हुए वैक्सीन का पूर्णत बहिष्कार का फैसला लिया। कमेटी भी बनाई गई जो स्कूलों में जाकर इस बात को सुनिश्चित करेगी कि किसी भी दबाव में टीका न लग पाए।

मुख्यमंत्री विकास का पिटारा खेलेंगे 29 मार्च धन्यवाद रैली में : डा. अरविंद शर्मा

एजेंसी

सोनीपत। सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा है कि 29 मार्च को गोहाना विधानसभा क्षेत्र में धन्यवाद रैली आयोजित की जाएगी। इस रैली में प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचेंगे और क्षेत्र के लिए विकास कार्यों की घोषणाएं करेंगे। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश में हो रही अन्य धन्यवाद रैलियों की तुलना में गोहाना की रैली रिकार्डतोड़ रहेगी। गोहाना स्थित दीपांशी गार्डन में आयोजित कार्यकर्ता संवाद कार्यक्रम में मंत्री ने विधानसभा चुनाव के दौरान बूथ स्तर पर सक्रिय रहे बूथ एजेंटों, जिला व विधानसभा पदाधिकारियों तथा पार्टी कार्यकर्ताओं का अभिनंदन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं पर पुष्पवर्षा कर सम्मान व्यक्त किया गया और सभी को होली पर्व की

अग्रिम शुभकामनाएं दी गई। डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि बूथों की मजबूती और कार्यकर्ताओं की सतत मेहनत के कारण ही गोहाना विधानसभा में भारतीय जनता पार्टी को ऐतिहासिक जीत मिली। संगठन की असली शक्ति जमीनी स्तर के कार्यकर्ता होते हैं, जो हर परिस्थिति में डटे रहते हैं। ऐसे समर्पित कार्यकर्ताओं का सम्मान करना उनका दायित्व है। उन्होंने कहा कि गांवों और शहरी वार्डों में होने वाले प्रत्येक विकास कार्य में कार्यकर्ताओं की राय को महत्व दिया जाएगा, ताकि योजनाएं जन आवश्यकताओं के अनुरूप बन सकें। उन्होंने विश्वास जताया कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में गोहाना क्षेत्र के विकास के लिए धन की कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी। नगर परिषद सहित 62 गांवों के विकास कार्यों को लेकर मुख्यमंत्री से लगातार चर्चा की जा रही है, जिससे संतुलित व तेज गति से विकास सुनिश्चित हो सके।

मंत्री ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि 29 मार्च की रैली को ऐतिहासिक बनाया जाए और अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि युवाओं को पारदर्शी व निष्पक्ष प्रक्रिया से रोजगार मिल रहा है तथा योग्यता के आधार पर नौकरियां दिए जाने से व्यवस्था में विश्वास बढ़ा है।

होली पर्व को लेकर पुलिस अलर्ट, सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए

एजेंसी

सिरसा। होली पर्व को देखते हुए पुलिस ने सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए हैं। होली पर्व पर हुड़दंग, तेज रफ्तार वाहन चलाने, बुलेट मोटरसाइकिल से पटाखे छोड़कर दहशत फैलाने तथा शांति भंग करने की कोशिश करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस संबंध में यातायात पुलिस सहित सभी थाना प्रभारियों को स्पष्ट निर्देश जारी किए गए हैं कि नियमों की अवहेलना करने वालों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

पुलिस अधीक्षक दीपक सहारण ने बताया कि जिला के सभी कस्बों, नेशनल हाइवे तथा मुख्य मार्गों पर विशेष नाकाबंदी कर चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है और संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों पर नजर रखी जा रही है। असामाजिक तत्वों पर शिकंजा कसने और उन पर पैनी नजर रखने के लिए विशेष अभियान शुरू किया गया है। पुलिस अधीक्षक

ने सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में नियमित गश्त के साथ-साथ दिन एवं रात्रि गश्त में भी बढ़ोतरी करें तथा संदिग्ध गतिविधियों पर विशेष निगरानी रखें।

जिला की सीमाओं पर भी विशेष सतर्कता बरती जाएगी। पंजाब एवं राजस्थान से लगती सीमाओं पर चौकसी बढ़ाते हुए वहां से गुजरने वाले प्रत्येक व्यक्ति और वाहन की जांच की जाएगी। संवेदनशील एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया जाएगा। सिरसा शहर के साथ-साथ ऐलनाबाद, रानियां, बड़ागुढा और चोपटा कस्बों तथा ग्रामीण क्षेत्रों में भी सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए गए हैं। उन्होंने बताया कि फाग के दिन भीड़भाड़ वाले बाजारों में वर्दीधारी पुलिस कर्मियों के अतिरिक्त सादी वर्दी में भी पुलिस तैनात रहेगी। जहां महिलाओं का अधिक आवागमन रहेगा, वहां महिला पुलिस कर्मियों की विशेष ड्यूटी लगाई गई है। एसपी दीपक सहारण ने कहा कि होली का पर्व पूरी सुरक्षा, सौहार्द और भाईचारे के वातावरण में संपन्न कराया जाएगा तथा नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी और कानून के साथ खिलवाड़ करने वालों को किसी भी सूरत में बक्शा नहीं जाएगा।

एचएसएससी भर्तियां से पहले लेगा युवाओं के सुझाव,अदालती विवाद से बचने की कवायद

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग द्वारा नई भर्तियों की तैयारी शुरू कर दी गई है। आयोग द्वारा पुलिस भर्तियों की प्रक्रिया को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इससे पहले हाल ही में ग्रुप डी के लिए सीईटी के आयोजन का भी ऐलान किया जा चुका है। पिछले सीईटी में करीब 13 लाख युवाओं ने भाग लिया था। किसी प्रकार के विवाद से बचने के लिए सरकार द्वारा अब अधिकतर भर्तियां आयोग के माध्यम से की जा रही हैं। एक तरफ जहां आयोग द्वारा इस वर्ष का भर्ती कैलेंडर तैयार किया जा रहा है वहीं दूसरी तरफ आयोग के चेयरमैन ने निकट भविष्य में सरकारी पदों पर भर्तियां शुरू करने का ऐलान किया है।

पूर्व समय के दौरान प्रदेश सरकार द्वारा की गई कई भर्तियां कानूनी विवाद में उलझकर सिरे नहीं चढ़ सकी हैं। ऐसे में हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग ने अब बीच का रास्ता निकाल लिया है। आयोग के चेयरमैन हिम्मत सिंह ने सोशल मीडिया एक्स के माध्यम से बताया कि आयोग द्वारा निकट भविष्य में भर्तियों का आयोजन किया जा रहा है। इसके लिए कई विभागों के माध्यम से आवेदन मांगे जाएंगे। हिम्मत सिंह ने कहा कि भर्ती प्रक्रिया शुरू होने के बाद युवा अक्सर अपने सुझाव देते हैं। बहुत से युवा इसे लेकर अदालत में चले जाते हैं, जिससे हजारों युवाओं का नुकसान होता है। इससे आयोग को भी कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इससे बचने के लिए भर्तियों के विज्ञापन जारी होते ही युवा एक गूगल शीट के माध्यम से अपने सुझाव आयोग को दे सकते हैं। भर्ती प्रक्रिया शुरू होने से पहले उन सुझावों पर विचार विमर्श करके अगला निर्णय लिया जाएगा। आयोग के चेयरमैन ने इसके लिए आज ही एक गूगल फार्म भी जारी कर दिया है। हिम्मत सिंह ने कहा कि कुछ अभ्यर्थियों के अदालत में जाने से न केवल हजारों युवाओं का नुकसान होता है बल्कि आयोग व सरकार को भी कई तरह की परेशानियां आती हैं।

नशा तस्करों पर पुलिस की कार्रवाई, कई क्षेत्रों में एक साथ घर-घर छापेमारी

एजेंसी

कैथल। जिले में नशा तस्करों के खिलाफ पुलिस ने व्यापक अभियान चलाते हुए रविवार को अलग-अलग इलाकों में एक साथ छापेमारी की। इस कार्रवाई में कमांडो दस्ता, एंटी नारकोटिक सेल की टीम और स्नाइपर डॉग को शामिल किया गया। पुलिस ने कलायत, राजौंद, सीवन, पूंडरी, थाना सदर और शहर क्षेत्र में संदिग्ध ठिकानों अभियान के दौरान पुलिस टीमों ने संदिग्ध व्यक्तियों के घरों और अन्य संभावित ठिकानों की बारीकी से जांच की। तलाशी का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि कहीं अवैध रूप से मादक पदार्थों का भंडारण तो नहीं किया गया है या कोई संदिग्ध गतिविधि तो संचालित नहीं हो रही।

स्नाइपर डॉग की मदद से पुलिस ने छिपाकर रखे गए नशीले पदार्थों की तलाश की। कई स्थानों पर लोगों से पूछताछ भी की गई। पुलिस की यह कार्रवाई ऐसे समय में हुई है, जब एंटी नारकोटिक सेल के हेड कांस्टेबल सुनील संधू को विभिन्न आरोपों के चलते नौकरी से बर्खास्त किया जा गया है। उनके साथ काम करने वाली पूरी टीम को एसपी ने उपासना ने लाइन हाजिर कर दिया था। पुलिस के व्यापक अभियान पर एसपी उपासना ने कहा कि इस विशेष अभियान का

मुख्य उद्देश्य जिले में कानून-व्यवस्था को मजबूत करना और अपराधियों व नशा तस्करों में भय पैदा करना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिला पुलिस कैथल को नशा मुक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है और इस दिशा में लगातार सख्त कदम उठाए जा रहे हैं। जिला पुलिस के अनुसार वर्ष 2026 में अब तक 21 अलग-अलग मामलों में 30 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस द्वारा दर्ज मामलों में मादक पदार्थों की बरामदगी भी की गई है। अधिकारियों का कहना है कि नशे के कारोबार से जुड़े प्रत्येक व्यक्ति पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जा रही है। सर्च ऑपरेशन के दौरान पुलिस ने स्थानीय लोगों को भी जागरूक किया। नागरिकों से अपील की गई कि यदि उनके आसपास कोई व्यक्ति नशीले पदार्थों की बिक्री करता है या किसी अन्य आपराधिक गतिविधि में लिप्त है तो तुरंत पुलिस को सूचना दें। सूचना देने वाले का नाम गोपनीय रखा जाएगा।

रेडक्रॉस अब ड्राइविंग टेस्ट सेंटर संचालित करेगी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा रेडक्रॉस सोसायटी जनसेवा के साथ अब सड़क सुरक्षा और ड्राइविंग लाइसेंस प्रणाली का भी जिम्मा संभालेगी। परिवहन विभाग की ओर से जिला स्तर पर स्थापित किए जाने वाले जिला ट्रेनिंग सेंटर (ड्राइविंग टेस्ट ग्राउंड) को जिला रेडक्रॉस सोसायटी के जरिये संचालित किया जाएगा। जल्द ही परिवहन विभाग और रेडक्रॉस के बीच एमओयू (समझौता ज्ञापन) होगा।

हरियाणा रेडक्रॉस सोसायटी लर्निंग लाइसेंस बनने से पहले होने वाले एमसीक्यू टेस्ट (यातायात नियमों से जुड़ा टेस्ट) का संचालन करेगी। इसको लेकर परिवहन विभाग की ओर से रेडक्रास को जिला सेंटरों के संचालन की मंजूरी दे दी गई है। इन सेंटरों का संचालन जिला उपायुक्त के माध्यम से रेडक्रॉस करेगी। हरियाणा रेडक्रॉस सोसायटी के वाइस चेयरमैन अंकुश मिगलानी ने जिला ट्रेनिंग सेंटर का संचालन रेडक्रॉस के जरिये करने का प्रस्ताव परिवहन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव को भेजा था। विभाग की ओर से रेडक्रॉस वाइस चेयरमैन के प्रस्ताव पर निर्णय लिया है कि जिला ट्रेनिंग सेंटर (ड्राइविंग टेस्ट ग्राउंड) का संचालन के लिए हरियाणा रेडक्रॉस सोसायटी और परिवहन विभाग के बीच एमओयू होगा, जिसमें संचालन के मानक तय होंगे।

इसके साथ ही परिवहन विभाग के एसीएस की ओर रेडक्रॉस को भेजे गए पत्र में स्पष्ट किया कि इस पहल से ड्राइविंग प्रशिक्षण व्यवस्था को अधिक व्यवस्थित, जवाबदेह और प्रभावी बनाया जाएगा।

एमओयू में प्रशिक्षण केंद्रों के संचालन, संसाधनों के उपयोग, वित्तीय प्रबंधन और निगरानी व्यवस्था से जुड़े सभी बिंदुओं को तैयार किया जाएगा। परिवहन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव की ओर से रेडक्रॉस को भेजे पत्र में कहा गया है कि इन प्रशिक्षण केंद्रों की स्थापना और संचालन संबंधित जिला उपायुक्तों के माध्यम से जिला रेडक्रॉस सोसायटियों द्वारा किया जाएगा। इससे स्थानीय प्रशासन की प्रत्यक्ष निगरानी बनी रहेगी।

ऋषि, मुनि साधु एवं संत सभ्य समाज की अमूल्य धरोहर : बेदी

एजेंसी

जींद। हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा है कि ऋषि, मुनि साधु एवं संत सभ्य समाज की अमूल्य धरोहर होते हैं। लिहाजा महापुरुषों की स्मृति को संजोए रखना प्रत्येक सामाजिक व्यक्ति का दायित्व है। संत महात्माओं के संस्कार विचार और आदर्श युगों-युगों तक प्रासागिंक रहेंगे। महापुरुषों की शिक्षाओं को जीवन में आत्मसात कर मनुष्य कल्याण और मोक्ष प्राप्त करता है। महर्षि वाल्मिक सरीखे त्रिलोकदर्शी संतों के संदेश मनुष्य को आपसी प्रेम और सदभाव के साथ आगे बढने् की प्रेरणा देते हैं, जो मानवता के लिए सर्वत्र उपकारी और हितकारी हैं।

कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी नरवाना विधानसभा क्षेत्र के गांव दबलैन में महर्षि वाल्मीकि मंदिर में लंगर हाल के भूमि पूजन कार्यक्रम में बोल रहे थे। कैबिनेट मंत्री ने महर्षि वाल्मिक मंदिर सौंदर्यकरण के लिए 11 लाख रुपये देने की घोषणा की। अपने संबोधन में कैबिनेट मंत्री ने आगे कहा कि वर्तमान सरकार गरीब कल्याण एवं उत्थान के विजन को

लेकर काम कर रही है, जो संत महात्माओं का मूल उपदेश है। शहरी क्षेत्र के साथ-साथ ग्रामीण अंचल में भी सेवाओं एवं सुविधाओं का बराबर विस्तार किया जा रहा है।

शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल बिजली तथा सड़क जैसी मूलभूत आवश्यकताओं को शहर. गांव और ढ़ाणियों तक पहुंचा जा रहा है। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि गांव दबलैन में विभिन्न विकास कार्यों के लिए दो करोड रुपये से ज्यादा की धनराशि पंचायत को अलॉट की जा चुकी है। इसमें 86 लाख रुपये स्कूल भवन निर्माण करीब 35 लाख रुपये फिरनी निर्माण तथा 18 लाख रुपये गली निर्माण के अलावा शमशान में तीन शैडो का निर्माण सहित अन्य विकास कार्य शामिल है।

कैबिनेट मंत्री ने ग्रामीणों का आह्वान किया कि वे दलगत राजनीति से ऊपर उठकर सरकारी परियोजनाओं के निर्माण एवं गांव के सामूहिक विकास पर पंचायत का सहयोग करें।

भविष्य में किसानों के लिए डैथ वारंट साबित होगा अमेरिका व्यापार समझौता : डल्लेवाल

एजेंसी

जींद। भारतीय किसान एकता (सिद्धपुर) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगजीत सिंह डल्लेवाल ने कहा कि कि भविष्य में किसानों के लिए डैथ वारंट साबित होने जा रहे भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को रद्द करवाने के लिए पूरे देश के किसानों को एकजुट होना पड़ेगा। देश के किसानों पर 25 लाख करोड़ रुपये से अधिक का कर्ज है। यदि किसानों को उनकी फसलों के वाजिब दाम मिलते तो उनके पास लगभग 35 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बचत होती। जिससे किसान अपनीपारिवारिक जिम्मेदारियों को बेहतर ढंग से निभा सकते थे। व्यापार समझौते के कारण भारतीय किसानों की फसलों की खरीद बंद होने की संभावना को टालने के लिए एक बड़े संघर्ष के लिए एकजुट होने की जरूरत है। डल्लेवाल जाट धर्मशाला में किसानों को संबोधित कर रहे थे। किसान जागृति यात्रा नेतृत्व कर रहे जगजीत सिंह डल्लेवाल का किसानों ने फूलमालाओ से स्वागत किया और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि 19 मार्च को दिल्ली रामलीला ग्राउंड में एक बड़ी किसान महापंचायत होगी। जिसमें देशभर के किसान अपनी मांगों के समर्थन में इक्कठे होंगे। सरकार को किसानों की मांगों को मानना होगा और एमएसपी गारंटी कानून को लागू करना होगा। उन्होंने कहा कि वर्ष 2025-26 की नवीनतम रिपोर्ट के मुताबिक पिछले 25 वर्षों के दौरान देश के किसानों की फसल सरकार द्वारा घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य से कम दामों पर खरीदे जाने के कारण उन्हें 111 लाख करोड़ रुपये से अधिक का आर्थिक नुक्सान हुआ है। किसानों के साथ झूठी हमदर्दी दिखा कर किसानों के वोट बटोरने का काम करती रही हैं। एमएसपी गारंटी कानून लागू करवा कर किसानों की लूट को रोकना होगा। भाकियू के प्रदेशाध्यक्ष अभिमन्यु कोहाड़ ने कहा कि भारत के किसान सभी फसलों का उचित मूल्य देने के लिए लंबे समय से एमएसपी गारंटी कानून बनाने की मांग कर रहे हैं।

अप्रैल-दिसंबर 2025 के दौरान एफडीआई 18 प्रतिशत बढ़कर 47.87 अरब डॉलर पर

एफडीआई निवेश सालाना आधार पर 17 प्रतिशत बढ़कर 12.69 अरब डॉलर रहा

नई दिल्ली, एजेंसी। चालू वित्त वर्ष के पहले नौ महीनों में देश में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) 18 प्रतिशत बढ़कर 47.87 अरब डॉलर रहा। इस दौरान अमेरिका से आने वाला निवेश भी लगभग दोगुना होकर 7.80 अरब डॉलर हो गया। शुक्रवार को जारी सरकारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। वित्त वर्ष 2024-25 की समान अवधि में देश के भीतर 40.67 अरब डॉलर एफडीआई आया था। वित्त वर्ष 2025-26 की अक्टूबर-दिसंबर अवधि में इक्विटी में एफडीआई निवेश सालाना आधार पर 17 प्रतिशत बढ़कर 12.69 अरब डॉलर रहा। हालांकि यह जून-सितंबर तिमाही के 16.55 अरब डॉलर से 23 प्रतिशत कम है। इक्विटी, पुनर्निवेशित आय और अन्य पूंजी को मिलाकर कुल एफडीआई प्रवाह अप्रैल-दिसंबर अवधि में 17.4 प्रतिशत बढ़कर 73.31 अरब डॉलर हो गया जबकि 2024-25 की समान अवधि में यह 62.48 अरब डॉलर था। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, सिंगापुर 17.65 अरब डॉलर के साथ एफडीआई का सबसे बड़ा निवेश स्रोत रहा। उसके बाद अमेरिका (7.8 अरब डॉलर), मॉरीशस (4.83 अरब डॉलर), जापान (3.2 अरब डॉलर), यूएई (2.45 अरब डॉलर) और नीदरलैंड (2.29 अरब डॉलर) रहे। अप्रैल 2000 से दिसंबर 2025 के बीच सिंगापुर (192.53 अरब

डॉलर) और मॉरीशस (185 अरब डॉलर) शीर्ष निवेशक रहे हैं जबकि अमेरिका का कुल निवेश 78.46 अरब डॉलर रहा है। उद्योग क्षेत्रों के हिसाब से, कंप्यूटर सॉफ्टवेयर एवं हार्डवेयर में 10.7 अरब डॉलर, सेवाओं में 8.42 अरब डॉलर और व्यापार में 3.36 अरब डॉलर का विदेशी निवेश आया। गैर-पारंपरिक ऊर्जा क्षेत्र में 2.53 अरब डॉलर, निर्माण में 2.1 अरब डॉलर और वाहन क्षेत्र में 1.82 अरब डॉलर का निवेश हुआ। आंकड़े बताते हैं कि राज्यों में महाराष्ट्र 15.38 अरब डॉलर के साथ एफडीआई के मामले में शीर्ष पर रहा। उसके बाद कर्नाटक (11.2 अरब डॉलर) और गुजरात (5 अरब डॉलर) का स्थान रहा। सरकार ने अधिकांश क्षेत्रों में स्वचालित मार्ग से 100 प्रतिशत एफडीआई की अनुमति देते हुए निवेश-अनुकूल नीति लागू की है। पिछले वित्त वर्ष में इक्विटी एफडीआई 50.01 अरब डॉलर और कुल एफडीआई 80.6 अरब डॉलर रहा था।

शेयर बाजार भारी गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 1,048, निफ्टी 312 अंक गिरा

मुंबई । भारतीय शेयर बाजार सोमवार को भारी गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इजरायल-ईरान युद्ध के कारण भी बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ने से बाजार टूटा है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1,048.34 अंक नीचे आकर 80,238.85 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 312.95 अंक गिरकर 24,865.70 पर बंद हुआ। आज बीएसई पर सूचीबद्ध सभी कंपनियों का बाजार पूंजीकर 7 लाख करोड़ रुपए कम होकर 456 लाख करोड़ रुपए हो गया है, जो कि शुक्रवार को 463 लाख करोड़ रुपए था। इससे निवेशकों को भारी झटका लगा है। कारोबार के दौरान निफ्टी इन्फ्रा 2.23 फीसदी , निफ्टी ऑटो 2.20 फीसदी, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 2.15 फीसदी, निफ्टी ऑयल एंड गैस 2.15 फीसदी, निफ्टी पीएसयू 1.84 फीसदी गिरावट के साथ बंद हुआ।

वहीं दूसरी ओर निफ्टी इंडिया डिफेंस 0.49 फीसदी, निफ्टी मेटल 0.24फीसदी और निफ्टी फार्मा 0.02 फीसदी ही उछले। सेंसेक्स पैक में बीईएल, सन फार्मा और आईटीसी के शेयरों को लाभ हुआ जबकि इंडिगो, एलएंडटी, मारुति सुजुकी, एशियन पेंट्स, बजाज फिनसर्व, एमएंडएम, बजाज फाइनेंस, एचसीएल टेक, ट्रेंट, इटरनल, टाइटन, अल्ट्राटेक सीमेंट, पावर ग्रिड, एनटीपीसी, एसबीआई और एक्सिस बैंक के शेयर नुकसान में रहे। आज लार्जकैप के साथ ही स्मॉलकैप और मिडकैप में भी गिरावट रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 935.10 अंक या 1.58 फीसदी की गिरावट के साथ 58,180.50 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 296.50 अंक या 1.75 फीसदी की कमजोरी के साथ 16,632 .40 पर था।

इससे पहले आज सुबह बाजार में भारी गिरावट के साथ कारोबार की शुरुआत हुई। सेंसेक्स 1,125 अंकों की गिरावट के साथ खुला, जबकि निफ्टी 50 करीब 300 अंक टूटकर खुला। शुरुआती कारोबार में कुछ रिकवरी दिखी पर बाद में फिर गिरावट हावी रही। बाजार जानकारों के अनुसार ईरान से जुड़े भू-राजनीतिक तनाव, वैश्विक बाजारों में कमजोरी, सोने-चांदी की कीमतों में उछाल और कच्चे तेल के चार साल के उच्च स्तर पर पहुंचने से निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई है। दिनभर बाजार में उतार-चढ़ाव जारी रहने और सतर्क कारोबार की संभावना जताई जा रही है। वहीं अमेरिकी बाजार में पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिवस पर भी गिरावट दिखी थी और 2 मार्च को भी दलाल स्ट्रीट के सबसे बड़े एक ?सचेंज डाउ जोंस पर 0.72 फीसदी यानी 342 अंकों की गिरावट देख रही है। डाउ जोंस 48,631 के अंक पर कारोबार कर रहा है।

अमेरिका-इज़राइल-ईरान तनाव से सोना-चांदी में रिकॉर्ड उछाल

- सोना 4759 रुपये महंगा हुआ, 3 फीसदी बढ़ गया चांदी का दाम

नई दिल्ली। मध्य-पूर्व में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच सोना और चांदी की कीमतों में जोरदार तेजी दर्ज की गई है। अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते टकराव ने वैश्विक बाजारों में अनिश्चितता बढ़ा दी है, जिससे निवेशकों का रुख सुरक्षित निवेश यानी बुलियन की ओर हो गया है। सोमवार को मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोना 4,759 रुपये की छलांग लगाकर 1,66,880 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। वहीं चांदी करीब 3 प्रतिशत उछलकर 2,91,439 रुपये प्रति किलोग्राम पर ट्रेड कर रही है।

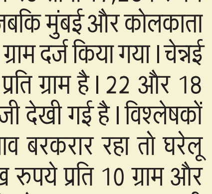

घरेलू बाजार में यह तेजी अंतरराष्ट्रीय संकेतों के अनुरूप देखी जा रही है। अमेरिकी कमोडिटी एक्सचेंज कॉमेक्स पर शुरुआती कारोबार में सोने की स्पॉट कीमत 1.86 प्रतिशत बढ़कर 5,345.50 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई। वहीं चांदी में 0.81 प्रतिशत की बढ़त के साथ 94.045 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करती दिखी। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 17,234 रुपये प्रति ग्राम पर बिक रहा है, जबकि मुंबई और कोलकाता में यह 17,309 रुपये प्रति ग्राम दर्ज किया गया। चेन्नई में कीमत 17,210 रुपये प्रति ग्राम है। 22 और 18 कैरेट सोने में भी समान तेजी देखी गई है। विश्लेषकों का मानना है कि यदि तनाव बरकरार रहा तो घरेलू बाजार में सोना 1.70 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी 3 लाख रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच सकती है।

ज़ाइडस लाइफ़साइंसेज ने भारत में पहली बार लॉन्च की किफायती ड्रग-फ्री हैंडहेल्ड सांस की डिवाइस पेपेअरटीएम

भोपाल। एक इनोवेशन-आधारित इंटरनेशनल लाइफ-साइंसेज कंपनी, ज़ाइडस लाइफ़साइंसेज लिमिटेड (अपनी सहायक/संबद्ध कंपनियों सहित, जिसे आगे ज़ाइडस कहा गया है), ने पेपेअरटीएम लॉन्च किया है। यह भारत का पहला किफायती ऑसिलेटिंग पॉजिटिव एक्सपायरेटरी प्रेशर (ओपीईपी) डिवाइस है, जिसमें 3-रेज़िस्टेंस सिस्टम दिया गया है। यह डिवाइस सीओपीडी, अस्थमा और ब्रोन्किएक्टेसिस से पीड़ित मरीजों में छाती की जकड़न कम करने, बलगम साफ करने और सांस लेने में सुधार करने में मदद करता है। पेपेअरटीएम एक इनोवेटिव, ड्रग-फ्री, हैंडहेल्ड डिवाइस है, जिसका डिजाइन पेटेंटेड है। भारत में 90 लाख से अधिक मरीज गंभीर सांस के रोगों से पीड़ित हैं। इन मरीजों में अत्यधिक और लगातार बलगम बनना एक आम समस्या है, जिसके लिए रोज़ाना उपयोग योग्य एयरवे क्लीयरेंस समाधान की आवश्यकता होती है। पेपेअरटीएम को एरोडेल टेक्नोलॉजी इनोवेशंस प्राइवेट लिमिटेड के साथ समझौते के तहत लॉन्च किया जा रहा है। यह एक भारतीय मेडिकल डिवाइस कंपनी है, जो ड्रग-डिलीवरी पल्मोनरी रिहैबिलिटेशन को सरल बनाने पर काम करती है। रोगी-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाते हुए, ज़ाइडस लाइफ़साइंसेज ने पेपेअरटीएम को किफायती कीमत 990 रुपये प्रति यूनिट में उपलब्ध कराया है। लॉन्च के अवसर पर ज़ाइडस लाइफ़साइंसेज लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर शर्विल पटेल ने कहा, ज़ाइडस में पेशेंट-सेंट्रिक इनोवेशन का मतलब है स्वास्थ्य सेवाओं को इस तरह आगे बढ़ाना, जिससे रोज़मर्रा की देखभाल मरीजों के लिए अधिक सुलभ हो सके। पेपेअरटीएम के साथ, जो भारत का पहला किफायती ओपीईपी डिवाइस है, हम एक ड्रग-फ्री, हैंडहेल्ड समाधान पेश कर रहे हैं, जिसे सीओपीडी, अस्थमा और ब्रोंकिएक्टेसिस से पीड़ित मरीजों की बेहतर सांस लेने में मदद के लिए डिज़ाइन किया गया है।

हीरो मोटोकॉर्प ने 'राइड सेफ इंडिया' के साथ सबके लिए सड़क सुरक्षा को बढ़ावा दिया

मुंबई, एजेंसी। हीरो मोटोकॉर्प, दुनिया की सबसे बड़ी मोटरसाइकिल और स्कूटर निर्माता कंपनी, ने हरियाणा पुलिस और राहगिरी फाउंडेशन के साथ मिलकर गुरुग्राम में सी राइड फार सेफ्टी वुमंस नाइट रैली का आयोजन किया। इस रैली को डॉ. अर्पित जैन, पुलिस उपायुक्त; डॉ. राजेश मोहन, उपायुक्त (ट्रैफिक पुलिस) और हीरो मोटोकॉर्प के वाइस प्रेसिडेंट, ग्लोबल बिजनेस एंड प्रोडक्ट प्लानिंग, श्री संजय भान ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। स्टेशन हाउस ऑफिसर सुश्री सोनिया तथा महिला पुलिस बल ने भी इस अवसर पर शुभकामनाएं देते हुए इस मुहिम का समर्थन किया। इस रैली में 150 महिला राइडर्स ने भाग लिया और यह सड़कों पर सुरक्षा, आत्मविश्वास तथा समावेशन का एक शक्तिशाली उत्सव था। महिला राइडर्स ने गुरुग्राम की सड़कों पर देर शाम 9 किलोमीटर की रूट पर सवारी की। जनवरी 2026 में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अवसर पर शुरू की गई राइड सेफ इंडिया पहल एक तीन महीने की मुहिम है, जो सड़क

परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा निर्धारित सड़क सुरक्षा के 4ई-शिक्षा, इंजीनियरिंग, प्रवर्तन और आपातकालीन देखभाल पर आधारित है। प्रशिक्षण, जागरूकता अभियान, स्कूल एक्टिवेशन और नागरिक-नेतृत्व वाले कार्यक्रमों के माध्यम से यह अभियान सुरक्षित सवारी को एक सामूहिक सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में स्थापित करने में मदद कर रहा है।

इस पहल के बारे में, हीरो मोटोकॉर्प की हेड - कॉर्पोरेट कम्युनिकेशंस, कॉर्पोरेट अफेयर्स एवं सीएसआर, लतिका तनेजा ने कहा, दुनिया की सबसे बड़ी दोपहिया वाहन निर्माता कंपनी के रूप में, जहां हर दिन लाखों लोग हीरो मोटोकॉर्प के वाहनों को चलाते हैं, सड़क सुरक्षा हमारे लिए केवल एक प्राथमिकता नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी है जो हमें परिभाषित करती है।

टाटा मोटर्स ने वी.ओ. चिदंबरनार पोर्ट अथॉरिटी के साथ किया समझौता

तूतीकोरिन, एजेंसी। देश के नेट-ज़ीरो उत्सर्जन के लक्ष्य की ओर एक अहम कदम बढ़ाते हुए, भारत की सबसे बड़ी कमर्शियल व्हीकल निर्माता कंपनी, टाटा मोटर्स ने तूतीकोरिन (तमिलनाडु) के वी.ओ. चिदंबरनार पोर्ट अथॉरिटी के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते के तहत पोर्ट पर 40 ग्रीन हाइड्रोजन इंटरनल कम्बशन इंजन से चलने वाले हैवी-ड्यूटी प्राइम मूवर्स तैनात किए जाएंगे। रूष पर माननीय केंद्रीय पोर्ट्स, शिपिंग और वॉटरवेज़ मंत्री श्री सर्बानंद सोनोवाल की मौजूदगी में साइन किए गए।

समझौते के अनुसार, टाटा मोटर्स सबसे पहले एक हाइड्रोजन-पावर्ड प्राइम मूवर का ट्रायल शुरू करेगी, जिसके बाद अगले दो वर्षों में चरणबद्ध तरीके से 40 एच2 आईसीइ प्राइम मूवर्स तैनात किए जाएंगे। इस प्रोजेक्ट की फंडिंग बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय द्वारा की जाएगी, जो ग्रीन एनर्जी अपनाने और एक टिकाऊ व फ्यूचर-रेडी समुद्री इकोसिस्टम बनाने के प्रति भारत सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

पार्टनरशिप पर अपने विचार शेयर करते हुए, श्री सुसांता कुमार पुरोहित, आइआरएसइ, चेयरपर्सन, वीओसीपीए ने कहा, टाटा मोटर्स के साथ हमारी पार्टनरशिप वीओसी पोर्ट के नेट-ज़ीरो एमिशन हासिल करने की कोशिश में एक बड़ा बदलाव लाने वाला कदम है। ग्रीन हाइड्रोजन से चलने वाले ट्रकों के आने से हमारे कार्गो हैंडलिंग ऑपरेशन काफ़ी हद तक डीकार्बनाइज़ होंगे, साथ ही भारत में सस्टेनेबल

पोर्ट-लेड लॉजिस्टिक्स के लिए एक बेंचमार्क सेट होगा। इन ग्रीन हाइड्रोजन ट्रकों को धीरे-धीरे शामिल करने में मदद करने के लिए, पोर्ट 2 एमडब्ल्यू का इलेक्ट्रोलाइज़र और एक खास हाइड्रोजन रिफ्यूलिंग स्टेशन बनाने की योजना पर भी काम कर रहा है। यह प्रोजेक्ट ग्रीन फ्यूल से जुड़ी कई दूसरी कोशिशों के साथ मिलकर एक मज़बूत ग्रीन हाइड्रोजन इकोसिस्टम बनाने और वीओसी पोर्ट को सस्टेनेबल मैरीटाइम इंफ्रास्ट्रक्चर में लीडर बनाने के हमारे कमिटमेंट को और मज़बूत करता है। रूष की घोषणा पर बोलते हुए, टाटा मोटर्स लिमिटेड के वाइस प्रेसिडेंट और बिज़नेस हेड - ट्रक्स, श्री राजेश कौल ने कहा, वी.ओ. चिदंबरनार पोर्ट अथॉरिटीज़ के साथ हमारा कोलेबोरेशन हाइड्रोजन से चलने वाले हेवी-ड्यूटी ट्रकिंग को असल दुनिया के पोर्ट ऑपरेशन्स में लाने में एक अहम मील का पत्थर है। पिछले कई महीनों में, हमने कार्गो हैंडलिंग एप्लीकेशन्स में हाइड्रोजन ट्रक्स के लिए रास्तों का पता लगाने के लिए पोर्ट अथॉरिटीज़ के साथ मिलकर काम किया है। यह पायलट टीसीओ पैरिटी का पता लगाने और ग्रीन हाइड्रोजन के साथ भारत के पोर्ट्स को ज़्यादा साफ़ और सस्टेनेबल लॉजिस्टिक्स सॉल्यूशंस की ओर बदलने में मदद करने की क्षमता दिखाने में मदद करेगा। इस प्रोजेक्ट के लिए गाड़ियों के बेड़े में टाटा मोटर्स प्राइमा 55-टन प्राइम मूवर शामिल है, जिसे टिकाऊ, लागत प्रभावी और हाई-परफॉर्मेंस ट्रांसपोर्टेशन के लिए तैयार किया गया है। प्रीमियम प्राइमा केबिन और उन्नत ड्राइवर-असिस्ट सुरक्षा फीचर्स से लैस ये ट्रक ड्राइवर की सुविधा को बढ़ाते हैं, उनकी थकान कम करते हैं और प्रोडक्टिविटी में सुधार करते हैं, साथ ही सुरक्षा के नए मानक भी स्थापित करते हैं।

पी एंड जी शिक्षा मंडीदीप सहित 1 करोड़ बच्चों को सकारात्मक रूप से प्रभावित कर रही है

मंडीदीप । पी एंड जी शिक्षा ने मध्य प्रदेश में 1989 में मंडीदीप में अत्याधुनिक विनिर्माण सुविधा स्थापित करके अपना व्यावसायिक संचालन शुरू किया, जिससे महत्वपूर्ण निवेश हुआ और प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित हुए। आज, यह संयंत्र पी एंड जी इंडिया की गुणवत्ता और नवाचार के प्रति वैश्विक प्रतिबद्धता का आधार बन गया है, और प्रॉक्टर एंड गैंबल का के विश्व स्तर पर सबसे बड़ा डायपर विनिर्माण संयंत्र है।वर्ष 2005 से, पी एंड जी शिक्षा ने देश भर के हजारों विद्यालयों और समुदायों का सहयोग किया है, और लक्षित शैक्षणिक हस्तक्षेपों के माध्यम से वंचित क्षेत्रों के 1 करोड़ से अधिक बच्चों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव पढ़ रहा है। इसके अंतर्गत, बच्चों के सीखने के परिणामों में सुधार लाने के लिए, पी एंड जी शिक्षा रोकथाम और सुधारात्मक उपायों पर ध्यान केंद्रित करती है। सुधारात्मक उपायों के लिए, इसने साथ साझेदारी में नामक एक कंप्यूटर-आधारित अनुकूलनशील शिक्षण उपकरण के साथ समर्थित तकनीक का लाभ उठाता है।

यह कार्यक्रम प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन के साथ साझेदारी में जमीनी स्तर पर सुधारात्मक शिक्षण कार्यक्रमों को भी लागू करता है, जिसमें प्रशिक्षित स्वयंसेवकों और शिक्षकों द्वारा समर्थित सामुदायिक और विद्यालय-आधारित दोनों मॉडल का उपयोग किया जाता है। रोकथाम के लिए, प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन के माध्यम से पी एंड जी शिक्षा प्रारंभिक बाल्य शिक्षा पर ध्यान देती है, ताकि बच्चों में सीखने की कमियों को दूर करने और स्कूल शुरू करते समय एक मजबूत नींव रखने के लिए उनमें मोटर, संज्ञानात्मक, सामाजिक-भावनात्मक, भाषा और रचनात्मक कौशल विकसित किए जा सकें। पी एंड जी शिक्षा ने आज भारत भर में 1 करोड़ बच्चों तक पहुंचने और उनके जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डालने की उपलब्धि की घोषणा की, जिसका उद्देश्य सीखने के अंतर को मिटाना है। यह उपलब्धि देश भर में बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान को सशक्त बनाने के लिए दो दशकों से अधिक समय से जारी निरंतर प्रतिबद्धता का प्रतीक है। भारत की अनेक कक्षाओं में सीखने के दौरान होने वाली झिझक अक्सर अनदेखी रह जाती है-कोई बच्चा पैराग्राफ

ओटीटी रिलीज़ के साथ रंग भरें अपनी होली की छुट्टियों में

मुंबई, एजेंसी। होली रंगों, मस्ती, मेलजोल और बेफिक्र आनंद का त्योहार है। गुलाल के धमाल, पकवानों की खुशबू और थोड़ी सी फुर्सत के बीच यही सही मौका है घर के अंदर आराम से बैठकर ऐसी कहानियों में खो जाने का, जो इस त्योहार की तरह ही जीवंत और चौंकाने वाली हों।एयरटेल आईपीटीवी के साथ आपका होली का मनोरंजन अनुभव और बेहतर हो जाएगा। इसमें आपको एक ही बड़ी स्क्रीन पर 29 से ज़्यादा मुख्य ओटीटी ऐप्स, 600 से ज़्यादा लाइव टीवी चैनल और ऑन डिमांड कंटेंट की बड़ी लाइब्रेरी उपलब्ध होती है।

वायासैट और बीएसएनएल ने भारत में पहला सैटेलाइट कौशल विकास पाठ्यक्रम शुरू किया

जबलपुर, एजेंसी। भारत संचार निगम लिमिटेड और वायासैट इंडिया ने सैटेलाइट और सैटेलाइट तकनीक के अनुप्रयोग पर अपना पहला प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया। यह कार्यक्रम भारत रत्न भीम राव अंबेडकर इंस्टीट्यूट ऑफ टेलीकॉम ट्रेनिंग , जबलपुर में प्रस्तावित दूरसंचार नवाचार, अनुसंधान और प्रशिक्षण केंद्र के तत्वावधान में शुरू किया गया है। सैटेलाइट संचार के क्षेत्र में कौशल विकास एवं उद्योग की तैयारी को बढ़ावा देने के लिए बीएसएनएल और वायासैट इंडिया ने पिछले वर्ष गठबंधन की घोषणा की थी। प्रशिक्षण के शुभारंभ समारोह की अध्यक्षता बीएसएनएल के सीएमडी रॉबर्ट रवि ने की। इस अवसर पर वायासैट के अध्यक्ष - कॉमर्शियल बेन पामर, वायासैट इंडिया के प्रबंध निदेशक गौतम शर्मा, वायासैट के उपाध्यक्ष-एडवांस्ड हब्ज़ सॉल्यूशंस संदीप मूर्ति और

दूरसंचार विभाग के अन्य अधिकारी भी संचार भवन में मौजूद थे। वहीं, इस समारोह के दौरान जबलपुर स्थित बीआरबीआरएआईटीटी में विद्यार्थी मौजूद थे। इस गठबंधन के तहत सैटेलाइट एवं सैटेलाइट टेक्नोलॉजी के उपयोग पर यह प्रारंभिक पाठ्यक्रम विद्यार्थियों और करियर के शुरुआती दौर में काम कर रहे पेशेवरों के लिए 22 घंटे का एक वर्चुअल प्रोग्राम है। इन प्रशिक्षण सत्रों का संचालन एक्सपर्ट ट्रेनर द्वारा ऑनलाइन आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम का उद्देश्य कॉलेज के विद्यार्थियों, आईटी व इंजीनियरिंग के पेशेवरों और सैटेलाइट संचार एवं सैटेलाइट युक्त एप्लीकेशंस में बुनियादी ज्ञान प्राप्त करने के इच्छुक नए स्नातकों को लाभ प्रदान करना है। यह पाठ्यक्रम जबलपुर में बीएसएनएल के तत्वावधान में स्थापित विशेषज्ञ प्रशिक्षण संस्थान बीआरबीआरएआईटीटी में एक व्यापक कौशल विकास की रूपरेखा पेश करने में पहला कदम है। यह संस्थान टेक्नोलॉजी प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए आधारभूत ढांचा और लॉजिस्टिक संबंधी सहयोग उपलब्ध कराता है।

साणंद प्लांट उन्नत सेमीकंडक्टर डिज़ाइन और मैन्युफैक्चरिंग केन्द्र के रूप में भारत का उद्भव है: अशोक चांडक

साणंद, एजेंसी। इंडिया इलेक्ट्रॉनिक्स एंड सेमीकंडक्टर एसोसिएशन (आईईएसए) भारत सरकार और माइक्रोन टेक्नोलॉजी को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा गुजरात के साणंद में माइक्रोन की अत्याधुनिक एटीएमपी (असेंबली, टैस्टिंग, मार्किंग और पैकेजिंग) फैसिलिटी के ऐतिहासिक उद्घाटन पर बधाई देती है। इस आयोजन में उपस्थित रहे, आईईएसए के प्रेसिडेंटअशोक चांडक ने इस घटना को भारत की सेमीकंडक्टर यात्रा में एक अहम पड़ाव बताते हुए कहा- यह मेरे लिए बेहद खुशी की बात थी कि मैंने स्वयं इतिहास बनते हुए देखा। प्रधानमंत्री के तीन शब्दों ने सब कुछ कह दिया - 'भारत तैयार है, भारत भरोसेमंद है, और भारत काम करके दिखाता है' - यह एक विश्व स्तरीय चिप ईकोसिस्टम बनाने में देश के भरोसे का एक शक्तिशाली ऐलान था। माइक्रोन के एटीएमपी प्लांट का चालू होना भारत की सेमीकंडक्टर नीति के इरादे को लागू करने और मैन्युफैक्चरिंग की तैयारी में सफलतापूर्वक बदलने का सबूत है। सरकार, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन, गुजरात सरकार की मज़बूत प्रतिबद्धता और हमारी महत्वपूर्ण सदस्य कंपनी माइक्रोन के भारत की डिज़ाइन और मैन्युफैक्चरिंग क्षमताओं पर भरोसे को दिखाता है। माइक्रोन का ?22,516 करोड़ (लगभग 2.75 अरब यूएस डॉलर) का बड़ा निवेश, भारत में उनके डिज़ाइन सेंटर्स के अलावा, भारत के मैन्युफैक्चरिंग लैंडस्केप में किसी वैश्विक सेमीकंडक्टर लीडर के सबसे बड़े वायदों में से एक है।

महत्वपूर्ण है, क्योंकि कुछ ही देशों के पास यह क्षमता है। दुनिया भर में मांग तेज़ी से बढ़ रही है - अल्पकालिक आपूर्ति का दबाव बना हुआ है, ऐसे में भारत का माइक्रोन के डिज़ाइन सेंटर्स के अलावा मेमोरी मैन्युफैक्चरिंग में अपनी मौजूदगी बनाना सही वक्त पर हुआ है और यह कदम परिवर्तनकारी है। इस मेमोरी प्लांट और माइक्रोन के मौजूदा मेमोरी चिप डिज़ाइन सेंटर्स और इस साल खुलने वाली चिप ह्ब्ज़ सुविधाओं से भारत की सेमीकंडक्टर ताकत कई गुना बढ़ जाएगी।

बदलते दौर में होलीः परंपरा से आधुनिकता तक का सफर

सुनील कुमार महला

होली केवल रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि यह सामाजिक एकता, प्रेम, क्षमा और बंधुत्व का प्रतीक है। यह शीत ऋतु की विदाई और ग्रीष्म ऋतु के आगमन का सांकेतिक पर्व भी है। फाल्गुन मास में जब पलाश के फूल खिलते हैं और आम्र-मंजरियां महकती हैं, तब प्रकृति स्वयं रंगों में रच-बस जाती है। होली हमें सिखाती है कि बाहरी रंगों के साथ-साथ मन को भी रंगना आवश्यक है।

हर वर्ष फाल्गुन मास की पूर्णिमा को होलिका दहन का पर्व मनाया जाता है और उसके अगले दिन चैत्र मास के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा को रंगों की होली खेली जाती है। किंतु इस वर्ष पूर्णिमा तिथि पर वर्ष का पहला चंद्र ग्रहण पड़ने के कारण होलिका दहन और रंगोत्सव की तिथि को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है।

ज्योतिषियों के अनुसार इस वर्ष 3 मार्च 2026 को वर्ष का पहला चंद्र ग्रहण पड़ रहा है और यह भारत में भी दृश्यमान होगा। द्रिक पंचांग के अनुसार ग्रहण दोपहर 3 बजकर 20 मिनट से प्रारंभ होकर सायं 6 बजकर 46 मिनट तक रहेगा। चूंकि यह ग्रहण भारत में दिखाई देगा, इसलिए इसका सूतक काल 9 घंटे पूर्व, अर्थात सुबह 6 बजकर 20 मिनट से प्रारंभ हो जाएगा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार सूतक काल में शुभ कार्य, उत्सव, पूजन, भोजन बनाना और ग्रहण करना वर्जित माना जाता है। इस दौरान मंदिरों के कपाट भी बंद कर दिए जाते हैं। ऐसे में रंगों की होली खेलना अशुभ और नकारात्मक प्रभाव देने वाला माना गया है।

शास्त्रों के अनुसार होलिका दहन के अगले दिन ही रंगों की होली खेली जाती है, किंतु इस बार ग्रहण के कारण विशेष सावधानी अपेक्षित है। होलिका दहन 2 मार्च 2026, सोमवार की रात्रि में भद्रा के पुच्छ काल में किया जा सकता है। भद्रा का पुच्छ 2 मार्च को रात्रि 11 बजकर 53 मिनट से 3 मार्च की रात्रि 1 बजकर 26 मिनट तक रहेगा। इसके अतिरिक्त 3 मार्च को प्रातः 5:30 बजे से 6:45 बजे के बीच भी होलिका दहन करना लाभकारी माना गया है, क्योंकि इसके बाद सूतक काल प्रारंभ हो जाएगा। चूंकि 3 मार्च को सूतक और ग्रहण का प्रभाव रहेगा, इसलिए उस दिन रंगों की होली खेलना उचित नहीं है। इस दृष्टि से 4 मार्च 2026 को रंगों की होली मनाना अधिक शुभ और लाभकारी रहेगा। ग्रहण समाप्ति के बाद स्नानादि कर शुद्ध होकर ही किसी भी प्रकार का उत्सव करना चाहिए।

होली का ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्वः-

होली भारत का एक प्राचीन और लोकजीवन से गहराई से जुड़ा उत्सव है। इसकी जड़ें भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं में गहराई तक समाई हुई हैं। फाल्गुन पूर्णिमा को होलिका दहन और अगले दिन रंगोत्सव मनाने की परंपरा सदियों पुरानी है। प्राचीन काल में होली केवल एक दिन का त्योहार नहीं होती थी, बल्कि पूरे फाल्गुन मास में फाग और उल्लास का वातावरण बना रहता था। गांवों में चंग और ढोल की थाप पर फाग गीत गूंजते थे, स्वांग और लोकनाट्य प्रस्तुतियां होती थीं तथा समाज के सभी वर्ग मिलकर उत्सव मनाते थे। पूर्वकाल में होली अत्यंत सामुदायिक और सौहार्दपूर्ण होती थी। लोग घर-घर जाकर फाग गाते थे। महिलाएं गाय के गोबर से उपले बनाती थीं, जिन्हें होलिका दहन की अग्नि में अर्पित किया जाता था। यह केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि प्रकृति और कृषि संस्कृति से जुड़ी आस्था का प्रतीक था। होलिका पूजन विधि-विधान से किया जाता था, जिसमें परिवार की सुख-समृद्धि और उत्तम फसल की कामना की जाती थी। अग्नि में हरे चने और गेहूं की बालियां सेंकी जाती थीं। इन भुने चनों को 'होला' कहा जाता है, जिन्हें प्रसाद के रूप में ग्रहण किया जाता था। यह परंपरा रबी की फसल के पकने और कृषि समृद्धि से जुड़ी थी।

रंगों का आध्यात्मिक और दार्शनिक अर्थः-

होलिका दहन के अगले दिन प्राकृतिक रंगों, गुलाल और अबीर से होली खेली जाती थी। लोग गले मिलकर पुराने मतभेद भुला देते थे। होली का मूल संदेश है-मन के विकारों को जलाकर प्रेम, क्षमा और भाईचारे के रंग में रंग जाना। रंगों में तीन प्रमुख रंग माने गए हैं-लाल, हरा और नीला। शेष रंग इन्हीं से निर्मित होते हैं। लाल रंग उत्साह, साहस, सौभाग्य, उमंग और नवजीवन का प्रतीक है। यह मानवीय चेतना में तीव्र ऊर्जा और कंपन उत्पन्न करता है। होली का जोश और उल्लास लाल रंग में ही परिलक्षित होता है।हरा रंग विश्वास, उर्वरता, समृद्धि और प्रगति का प्रतीक है। यह विचारों की हरियाली और जीवन की खुशहाली का संदेश देता है। नीला रंग शांति, स्थिरता और व्यापकता का प्रतीक है। आकाश और समुद्र की विशालता की भांति यह समावेशी भावना का द्योतक है। वास्तु शास्त्र में इसे मानसिक शांति से जोड़ा गया है तथा योग दर्शन में इसे विशुद्ध चक्र (कंठ चक्र) के संतुलन से संबंधित माना जाता है।

साहित्य में होलीः-

महाकवि सूर्यकांत त्रिपाठी निराला ने भी होली के उल्लास और प्रकृति के रंगों का सुंदर चित्रण किया है। उनकी कविता में लाल गुलाल और प्रकृति के राग-पराग का जो वर्णन मिलता है, वह होली के सांस्कृतिक सौंदर्य को सजीव कर देता है।

पारंपरिक होली बनाम आधुनिक होलीः-

पूर्वकाल में होली प्राकृतिक रंगों से खेली जाती थी-हल्दी से पीला, चुकंदर से लाल, फूलों से गुलाबी और नीम की पत्तियों से हरा रंग बनाया जाता था। ये रंग त्वचा के लिए सुरक्षित और स्वास्थ्यवर्धक होते थे। पलाश के फूलों से बना रंग विशेष लोकप्रिय था। आज रासायनिक रंगों का प्रचलन बढ़ गया है, जिनमें कई बार सल्फर और भारी धातुओं का उपयोग होता है। इनके कारण त्वचा में जलन, एलर्जी, आंखों में संक्रमण तथा पर्यावरण प्रदूषण जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं। पहले होली गीतों में अश्लीलता नहीं होती थी; फाग, ढोल-नगाड़े, चंग-डफ और बांसुरी के साथ सामूहिक उत्सव मनाया जाता था। नशे का प्रचलन सीमित था। समय के साथ डीजे संस्कृति, तेज ध्वनि और डिजिटल माध्यमों ने स्थान ले लिया है। आत्मीयता, बड़ों का आशीर्वाद लेने की परंपरा तथा सामुदायिकता में कमी देखी जा रही है।

होली का वास्तविक संदेशः-

होली केवल रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि यह सामाजिक एकता, प्रेम, क्षमा और बंधुत्व का प्रतीक है। यह शीत ऋतु की विदाई और ग्रीष्म ऋतु के आगमन का सांकेतिक पर्व भी है। फाल्गुन मास में जब पलाश के फूल खिलते हैं और आम्र-मंजरियां महकती हैं, तब प्रकृति स्वयं रंगों में रच-बस जाती है। होली हमें सिखाती है कि बाहरी रंगों के साथ-साथ मन को भी रंगना आवश्यक है। यह पर्व नकारात्मकता, द्वेष और कटुता को त्यागकर नवजीवन का संदेश देता है। यदि हम मयार्दा, प्राकृतिक रंगों और पारंपरिक मूल्यों के साथ होली मनाएं, तो यह पर्व आज भी उतनी ही आत्मीयता और उल्लास से मनाया जा सकता है, जितना पूर्वकाल में मनाया जाता था। अंततः होली का सार यही है-रंगों में घुली मिठास हो,हर चेहरे पर उल्लास हो, दिल से दिल की पहचान हो, और जीवन प्रेम व सद्भाव से परिपूर्ण हो। आप सभी को होली पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं।

संपादकीय

बढ़ेंगी हमारी मुश्किलें

'समरथ को नहिं दोष गुसाईं' उक्ति की तर्ज पर ईरान पर हुए अमेरिकी-इस्राइली हमले को पश्चिमी देशों द्वारा तार्किक बताया जा रहा है। इस हमले में ईरान के सुप्रीम लीडर आयतुल्ला खामेनेई तथा उनके परिजनों समेत कई लोगों की मौत को किसी भी तरह न्यायसंगत नहीं ठहराया जा सकता। यह समय वैश्विक कानून-व्यवस्था के भंग होने और अमेरिका के साम्राज्यवादी मंसूबों के सिरे चढ़ने का है। जब से ट्रंप अमेरिका के राष्ट्रपति बने हैं, उन्होंने वैश्विक संप्रभुता और संयुक्त राष्ट्र समेत दुनिया की तमाम नियामक संस्थाओं को बेबस बना दिया है। वेनेजुएला में हमला करके राष्ट्रपति निकोलेस मादुरो को गिरफ्तार करके अमेरिका ले जाने के बाद अब खामेनेई की परिवार समेत हत्या ने दर्शा दिया है कि दुनिया फिर जंगल-राज की तरफ बढ़ रही है। शक्ति बंदूक की नोक से निकलती दिख रही है। छोटे राष्ट्रों की संप्रभुता संकट में है। यूक्रेन पर रूसी आक्रमण, वेनेजुएला व ईरान पर अमेरिकी हमला बता रहा है कि आने वाले दिनों में ताइवान जैसे अन्य संकटग्रस्त देशों के सामने अस्तित्व बनाये रखने की चुनौती होगी। पूरी दुनिया में आपूर्ति श्रृंखला में आये व्यवधान तथा ट्रंप के टैरिफ आतंकवाद से दुनिया की अर्थव्यवस्था पहले ही चरमरा रही है। रोजगार के अवसर कम हुए हैं और लोगों को भारी महंगाई का सामना करना पड़ रहा है। ईरान पर अमेरिका-इस्राइल के हमले की प्रतिक्रिया मध्यपूर्व के अलावा पश्चिमी देशों में आने वाले समय में दिखाई देगी। जिसकी असली कीमत मानवता को ही चुकानी होगी।

निस्संदेह, आने वाले दिनों में भारत को ईरान-अमेरिकी संघर्ष की कीमत चुकानी होगी। इससे भारत की मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। भारत के लिये मुश्किल यह भी है कि ईरान पर हमला प्रधानमंत्री की इस्राइल यात्रा के तुरंत बाद हुआ है। जिससे भारत के लिये मध्यपूर्व को लेकर विदेश नीति में असमंजस की स्थिति पैदा हो गई है। इसका सीधा असर भारत की अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है। इससे हार्मुज स्ट्रेट रूट से भारत को होने वाली कच्चे तेल की आपूर्ति में बाधा उत्पन्न होगी। वहीं दूसरी ओर मध्यपूर्व में कार्यरत नब्बे लाख से अधिक भारतीयों पर प्रत्यक्ष या परोक्ष प्रभाव पड़ेगा और उनके द्वारा भारत भेजी जाने वाली धनराशि भी प्रभावित होगी। भारत द्वारा आयातित कच्चे तेल की पचास फीसदी आपूर्ति होर्मुज स्ट्रेट रूट से होती है। रूसी तेल खरीदने पर अमेरिकी दबाव के चलते भी इस रूट से भारतीय आपूर्ति बढ़ी है। इस क्षेत्र में तनाव बढ़ने का सीधा असर भारत में कच्चे तेलों के दामों पर पड़ेगा। भविष्य में भारतीयों को तेल कीमतों में वृद्धि का सामना करना पड़ेगा। वहीं लाल सागर से होने वाली तेल आपूर्ति भी ईरान समर्थक हूती विद्रोहियों की धमकी से प्रभावित होगी। कूटनीतिक स्तर पर भी भारत को असहज स्थिति का सामना करना पड़ेगा। भारत इस समय ग्लोबल साउथ के नेतृत्व का दावा करता है और फिलहाल ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहा है, ईरान भी पिछले साल ब्रिक्स का सदस्य बन चुका है। ऐसे में क्या भारत इस हमले का विरोध करने की स्थिति में है? भारत ईरान से पुराने संबंधों के चलते क्या अमेरिका से दूरी बना सकता है?

चिंतन-मनन

न देने वाला मन

एक भिखारी सुबह-सुबह भीख मांगने निकला। चलते समय उसने अपनी झोली में जौ के मुट्ठी भर दाने डाल लिए। टोटके या अंधविश्वास के कारण भिक्षाटन के लिए निकलते समय भिखारी अपनी झोली खाली नहीं रखते। थैली देख कर दूसरों को लगता है कि इसे पहले से किसी ने दे रखा है। पूर्णिमा का दिन था, भिखारी सोच रहा था कि आज ईश्वर की कृपा होगी तो मेरी यह झोली शाम से पहले ही भर जाएगी।

अचानक सामने से राजपथ पर उसी देश के राजा की सवारी आती दिखाई दी। भिखारी खुश हो गया। उसने सोचा, राजा के दर्शन और उनसे मिलने वाले दान से सारे दरिद्र दूर हो जाएंगे, जीवन संवर जाएगा। जैसे-जैसे राजा की सवारी निकट आती गई, भिखारी की कल्पना और उत्तेजना भी बढ़ती गई। जैसे ही राजा का रथ भिखारी के निकट आया, राजा ने अपना रथ रुकवाया, उतर कर उसके निकट पहुंचे। भिखारी की तो मानो सांसें ही रुकने लगीं। लेकिन राजा ने उसे कुछ देने के बदले उलटे अपनी बहुमूल्य चादर उसके सामने फैला दी और भीख की याचना करने लगे।

भिखारी को समझ नहीं आ रहा था कि क्या करे। अभी वह सोच ही रहा था कि राजा ने पुन? याचना की। भिखारी ने अपनी झोली में हाथ डाला, मगर हमेशा दूसरों से लेने वाला मन देने को राजी नहीं हो रहा था। जैसे-तैसे कर उसने दो दाने जौ के निकाले और उन्हें राजा की चादर पर डाल दिया। उस दिन भिखारी को रोज से अधिक भीख मिली, मगर वे दो दाने देने का मलाल उसे सारे दिन रहा। शाम को जब उसने झोली पलटी तो उसके आश्चर्य की सीमा न रही। जो जौ वह ले गया था, उसके दो दाने सोने के हो गए थे। उसे समझ में आया कि यह दान की ही महिमा के कारण हुआ है। वह पछताया कि काश! उस समय राजा को और अधिक जौ दी होती, लेकिन नहीं दे सका, क्योंकि देने की आदत जो नहीं थी।

विनाश का अट्टहासः तीन नेताओं की हठ और तीसरे विश्व युद्ध की दहलीज पर खड़ी मानवता

दिलीप कुमार पाठक

दुनिया की नजरें इस वक्त मध्य पूर्व के उस सुलगते बारूद पर टिकी हैं, जहाँ एक चिंगारी ने पूरे वैश्विक अमन-चैन को स्वाहा करने की ठान ली है। ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह अली खामेनेई की एक भीषण सैन्य हमले में हुई मृत्यु ने इस पूरे क्षेत्र को श्मशान में बदलने की कगार पर खड़ा कर दिया है। इस घटना के बाद ईरान के नए राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने जिस तरह से प्रतिशोध का बिगुल फूंका है, उससे साफ है कि अब यह केवल दो देशों की आपसी रंजिश नहीं रही। पेजेश्कियान का यह रुख कि वे अपने नेतृत्व की हत्या का बदला लेने के लिए अंतिम विकल्प तक जा सकते हैं, पूरी मानव सभ्यता के लिए एक प्रलयंकारी संकेत है। अगर हम निष्पक्ष होकर इस महासंकट का विश्लेषण करें, तो समझ आता है कि चंद शक्तिशाली नेताओं के अहंकारी फैसलों और व्यक्तिगत राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं ने आज अरबों लोगों की सांसों को गिरवी रख दिया है।

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को यह गंभीरता से सोचना होगा कि क्या केवल मिसाइलों और लक्षित हत्याओं से इजरायल कभी सुरक्षित हो पाएगा? इतिहास गवाह है कि रक्तपात हमेशा नई और अधिक भयानक नफरत को जन्म देता है। नेतन्याहू पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह आरोप लगता है कि वे अपने घरेलू राजनीतिक संकट और सत्ता की कुर्सी बचाने के लिए इस युद्ध की आग को जानबूझकर बुझने नहीं दे रहे हैं। उन्हें यह समझना चाहिए कि अंतरराष्ट्रीय कानूनों की धज्जियाँ उड़ाकर और संप्रभु देशों के शीर्ष नेतृत्व को निशाना बनाकर हासिल की गई जीत असल में एक नैतिक हार है। इजरायल की असली ताकत पड़ोसियों के साथ विश्वास की दीवार खड़ी करने में है, न कि डर का साम्राज्य फैलाने में। बेगुनाह बच्चों और आम नागरिकों की चीखें किसी भी आधुनिक राष्ट्र के लिए विजय का गान नहीं हो सकतीं।

दूसरी ओर, डोनाल्ड ट्रम्प और उनकी आक्रामक विदेश नीति इस पूरे विवाद की जड़ में बारूद बिछाने का काम कर रही है। ट्रम्प के शासनकाल में लिए गए कठोर फैसलों और अब उनके युद्ध-समर्थक बयानों ने सुलह की रही-सही गुंजाइश को भी मटियामेट कर दिया है। एक वैश्विक महाशक्ति के रूप में अमेरिका का उत्तरदायित्व शांति स्थापना का होना चाहिए था, लेकिन ट्रम्प की धौंस और दबाव वाली नीति अक्सर समाधान के बजाय संकट को अधिक गहरा कर देती है। अमेरिका को यह समझना होगा कि दुनिया अब उनके एकतरफा आदेशों का दास नहीं है। हथियारों का बाजार गर्म करने और सैन्य गठबंधनों को उकसाने की होड़ ने कूटनीति की मेज को धराशायी कर दिया है। अगर अमेरिका ने एक पक्षपाती खिलाड़ी की भूमिका नहीं छोड़ी, तो वह इतिहास में एक शांति रक्षक नहीं बल्कि एक वैश्विक गृहयुद्ध के सूत्रधार के रूप में दर्ज होगा।

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान के लिए भी यह गहरे आत्ममंथन का समय है। एक राष्ट्र के रूप में अपने सर्वोच्च मार्गदर्शक को खोना निस्संदेह एक अपूरणीय क्षति है, लेकिन प्रतिशोध के आवेश में आकर पूरी दुनिया को परमाणु विभीषिका की धमकी देना किसी भी तर्क से उचित नहीं है। पेजेश्कियान को चाहिए कि वे कट्टरपंथियों के दबाव में आकर अपनी जनता को मौत की भट्टी में न झोंकें। ईरान को यह समझना होगा कि प्रॉक्सि वार और अस्थिरता फैलाने वाली नीतियां अंततः उसे ही दुनिया में अलग-अलग कर देंगी। युद्ध की हुंकार भरना आसान है, लेकिन जर्जर अर्थव्यवस्था और उजड़े हुए परिवारों को फिर से खड़ा करना असंभव होता है। उन्हें आक्रोश के बजाय संयम और कूटनीति के कठिन मार्ग को चुनना चाहिए ताकि ईरान का अस्तित्व बचा रह सके।

इस संघर्ष का वैश्विक असर अब केवल तेल की कीमतों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हर इंसान की थाली तक पहुँच चुका है। होर्मुज जलडमरूमध्य और लाल सागर जैसे व्यापारिक मार्गों के बंद होने के डर ने दुनिया भर की सप्लाई चेन को पंगु बना दिया है। यदि यह तनाव पूर्ण युद्ध में बदलता है और रूस-चीन जैसे देश इसमें कूदते हैं, तो यह आधिकारिक रूप से तृतीय विश्व युद्ध का आगाज होगा। परमाणु युग में लड़ा जाने वाला यह युद्ध किसी को विजेता नहीं बनाएगा, बल्कि धरती पर केवल राख के ढेर और सन्नाटा छोड़ जाएगा। भारत का पक्ष इस पूरे विवाद में दुनिया के लिए एक मिसाल है। भारत की नीति हमेशा से संतुलित और मानवीय रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर बार-बार चेतावनी दी है कि यह युग युद्ध का नहीं है। भारत के लिए यह स्थिति किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं है क्योंकि हमारी ऊर्जा सुरक्षा और खाड़ी देशों में रहने वाले लगभग 90 लाख भारतीयों की जान सीधे इस खतरे की जद में है। भारत आज दुनिया का वह विरल देश है जो इजरायल और ईरान, दोनों से संवाद करने का हौसला रखता है। निष्कर्ष यही है कि आज दुनिया को हथियारों की नुमाइश की नहीं, बल्कि संवेदनशील और दूरदर्शी नेतृत्व की जरूरत है। यदि इन तीनों देशों ने अपना अहंकार नहीं त्यागा, तो आने वाली पीढ़ियाँ इन्हें मानवता के हत्यारों के रूप में याद रखेंगी।

स्वास्थ्य, संस्कृति और अर्थव्यवस्था का आधार है वन्यजीव संरक्षण

योगेश कुमार गोयल

वन्यजीवों की पुकार, अब नहीं तो कभी नहीं... वन्य जीव हमारी धरती के अभिन्न अंग हैं लेकिन अपने निहित स्वार्थों तथा विकास के नाम पर मनुष्य ने उनके प्राकृतिक आवासों को बेदर्दी से उजाड़ने में बड़ी भूमिका निभाई है और वनस्पतियों का भी सफाया किया है। धरती पर अपना अस्तित्व बनाए रखने के लिए मनुष्य को प्रकृति प्रदत्त उन सभी चीजों का आपसी संतुलन बनाए रखने की जरूरत होती है, जो उसे प्राकृतिक रूप से मिलती हैं। इसी को पारिस्थितिकी तंत्र या इकोसिस्टम भी कहा जाता है। धरती पर अब वन्य जीवों और दुर्लभ वनस्पतियों की कई प्रजातियों का जीवनचक्र संकट में है। वन्य जीवों की असंख्य प्रजातियां या तो लुप्त हो चुकी हैं या लुप्त होने के कगार पर हैं। पर्यावरणीय संकट के चलते जहां दुनियाभर में जीवों की अनेक प्रजातियों के लुप्त होने से वन्य जीवों की विविधता का बड़े स्तर पर सफाया हुआ है, वहीं हजारों प्रजातियों के अस्तित्व पर भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं। वन्य जीव-जंतु और उनकी विविधता धरती पर अरबों वर्षों से हो रहे जीवन के सतत विकास की प्रक्रिया का आधार रहे हैं। वन्य जीवों में ऐसी वनस्पति और जीव-जंतु सम्मिलित होते हैं, जिनका पालन-पोषण मनुष्यों द्वारा नहीं किया जाता। इन्हीं वन्य जीवों, वनस्पतियों और उनके आवासों को सुरक्षा प्रदान करने को वन्य जीव संरक्षण कहा गया है तथा इनके संरक्षण के लिए लोगों में जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रतिवर्ष 3 मार्च को 'विश्व वन्यजीव दिवस' मनाया जाता है। प्रतिवर्ष यह दिवस एक खास विषय के साथ मनाया जाता है और इस वर्ष 'औषधीय और सुगंधित पौधेः स्वास्थ्य, विरासत और आजीविका का संरक्षण' थीम के साथ मनाया जा रहा है। यह विषय मानव स्वास्थ्य, सांस्कृतिक विरासत और स्थानीय आजीविका को बनाए रखने में इन पौधों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालता है, साथ ही पयार्वास के विनाश, अत्यधिक कटाई और अन्य कारणों से इन पर बढ़ते दबावों को दशार्ता है।

जीव-जंतुओं की तमाम प्रजातियां और वनस्पतियां मिलकर अत्यावश्यक पारिस्थितिकी तंत्र प्रदान करते हैं और सही मायनों में वन्य जीव हमारे मित्र है, इसीलिए उनका संरक्षण किया जाना बेहद जरूरी है। हमें भली-भांति यह समझ लेना चाहिए कि इस धरती पर जितना अधिकार हमारा है, उतना ही इस पर जन्म लेने वाले अन्य जीव-जंतुओं का भी है। लेकिन आज प्रदूषित वातावरण और प्रकृति के बदलते मिजाज के कारण भी दुनियाभर में जीव-जंतुओं और वनस्पतियों की अनेक प्रजातियों के अस्तित्व पर दुनियाभर में संकट के बादल मंडरा रहे हैं। वन्यजीव दिवस मनाए जाने के उद्देश्यों में विभिन्न किस्म की वनस्पतियों तथा जीव-जंतुओं पर ध्यान केन्द्रित करना, उनके संरक्षण के लाभों के बारे में जागरूकता फैलाना, पूरी दुनिया को वन्यजीव अपराधों के बारे में स्मरण करवाना और मनुष्यों के कारण इनकी प्रजातियों की संख्या कम होने के विरूद्ध कारवाई करना शामिल हैं।

समस्त स्थलीय और जलीय जीवों के लिए वन्य जीवों का बने रहना अत्यावश्यक है। हिन्दी अकादमी दिल्ली के सौजन्य से प्रकाशित अपनी चर्चित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' में मैंने विस्तार से यह उल्लेख किया है कि विभिन्न वनस्पतियों और जीव-जंतुओं की संख्या में कमी आने से समग्र पर्यावरण किस प्रकार असंतुलित होता है। पर्यावरण के इसी असंतुलन का परिणाम पूरी दुनिया पिछले कुछ दशकों से गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं और प्राकृतिक आपदाओं के रूप में देख और भुगत भी रही है। लगभग हर देश में कुछ ऐसे वन्य जीव पाए जाते हैं, जो उस देश की जलवायु की विशेष पहचान होते हैं लेकिन जंगलों की अंधाधुंध कटाई तथा अन्य मानवीय गतिविधियों के चलते वन्य जीवों के आशियाने भी लगातार बड़े पैमाने पर उजड़ रहे हैं। यही कारण है कि संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा दुनिया के जंगली जीवों और वनस्पतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए 'विश्व वन्यजीव दिवस' के आयोजन का निर्णय लिया गया। महासभा ने यह सुनिश्चित करने में साइट्स की महत्वपूर्ण भूमिका को भी मान्यता दी ताकि वह सुनिश्चित कर सके कि अंतर्राष्ट्रीय व्यापार से प्रजातियों के अस्तित्व को खतरा नहीं है।

ब्रिटिश काल से ही भारत में वन्यजीवों को सुरक्षा प्रदान करने और बचाने के लिए कानूनी प्रावधान किए जाते रहे हैं लेकिन चिंता की बात यह है कि उसके बावजूद वन्यजीवों की अनेक प्रजातियां पिछली एक सदी में लुप्त हो गई हैं। विश्व वन्यजीव कोष (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) की 'लिविंग प्लेनेट रिपोर्ट 2024' में कुछ ही महीने पहले चौंका देने वाला यह चिंताजनक खुलासा भी हुआ था कि 1970 से 2020 के बीच वन्यजीव आबादी में 73 प्रतिशत की विनाशकारी गिरावट दर्ज की गई, जिनमें स्तनधारी, पक्षी, उभयचर, सरीसृप, मछली इत्यादि जीव शामिल हैं। ताजे पानी के पारिस्थितिक तंत्र में यह गिरावट 85 प्रतिशत रही है। हर दो साल में प्रकाशित होने वाली इस रिपोर्ट में बताया गया है कि वन्यजीवों की आबादी दुनियाभर में कैसे प्रभावित हो रही है। 'प्रदूषण मुक्त सांसें' पुस्तक के अनुसार वन्य जीवों को विलुप्त होने से बचाने के लिए देश में सबसे पहले वर्ष 1872 में ब्रिटिश शासनकाल में 'वाइल्ड एलीकेंट प्रोटेक्शन एक्ट' बनाया गया था। उसके बाद वर्ष 1927 में वन्य जीवों के शिकार और वनों की अवैध कटाई को अपराध मानते हुए 'भारतीय वन अधिनियम' अस्तित्व में आया, जिसके तहत सजा का प्रावधान किया गया। देश की आजादी के बाद वर्ष 1956 में 'भारतीय वन अधिनियम' पारित किया गया और 1972 में देश में वन्यजीवों को सुरक्षा प्रदान करने तथा अवैध शिकार, तस्करी और अवैध व्यापार को

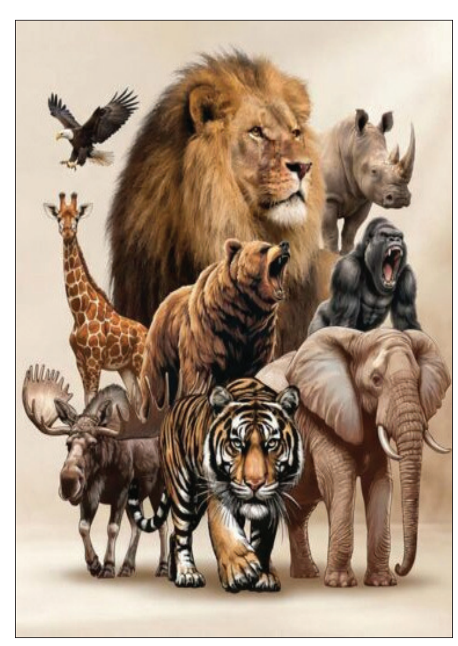

नियंत्रित करने के उद्देश्य से 'वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972' लागू किया गया। वर्ष 1983 में वन्य जीव संरक्षण के लिए 'राष्ट्रीय वन्य जीव योजना' शुरू की गई, जिसके तहत वन्य जीवों को इंसानी अतिक्रमण से दूर रखने और उनकी सुरक्षा के लिए राष्ट्रीय पार्क और वन्य प्राणी अभयारण्य बनाए गए। जनवरी 2003 में वन्य जीव संरक्षण अधिनियम में संशोधन किया गया और अधिनियम के तहत अपराधों के लिए जुमार्ना तथा सजा को अधिक कठोर बना दिया गया। बहरहाल, प्रत्येक व्यक्ति के लिए यह समझना बेहद जरूरी है कि वन्य जीवों का संरक्षण हम सभी की बहुत बड़ी जिम्मेदारी है क्योंकि वन्य प्राणियों की विविधता से ही धरती का प्राकृतिक सौन्दर्य है, इसलिए लुप्तप्रायः पौधों और जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियों की उनके प्राकृतिक निवास स्थान के साथ रक्षा करना पर्यावरण संतुलन के लिए भी बेहद जरूरी है।

संक्षिप्त समाचार

राजनीतिक कार्यकर्ता सूमरो के घर छापा, प्रताड़ना का आरोप

कराची , एजेंसी। पाकिस्तान के कराची के मलीर रियो गांव में जीए सिंध फ्रीडम मूवमेंट (जेएसएफएम) के यूके समन्वयक मोहम्मद ओसामा सूमरो के पैतृक घर पर शुक्रवार देर रात छापा पड़ा। परिजनों के अनुसार करीब नकाबपोश 15 हथियारबंद ने बिना वारंट घर में घुसकर तलाशी ली और तोड़फोड़ की। परिजनों का आरोप है कि सूमरो की राजनीतिक गतिविधियों के कारण उन्हें धमकाया गया और एक महीने के भीतर सरेंडर न करने पर गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी गई। इस दौरान घर से नकदी और दस्तावेज गायब होने का भी दावा किया गया है।

सोशल मीडिया पर तिब्बती भाषा व संस्कृति साझा करने पर पाबंदी

बीजिंग, एजेंसी। चीन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म क्वाइशू पर तिब्बती भाषा, संस्कृति और धार्मिक पहचान से जुड़ी सामग्री पर शिकंजा कसा है। पारंपरिक पोशाक पहनने, तिब्बती लिपि का उपयोग करने या धार्मिक गुरुओं की तस्वीरें साझा करने पर अकाउंट निलंबित किए जा रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार पूर्व कैदियों और कार्यकर्ताओं के पुराने अकाउंट्स को भी स्थायी रूप से हटा दिया गया है। सूत्रों का कहना है कि लाइव स्ट्रीम के दौरान बैकग्राउंड में तिब्बती शब्द दिखने पर भी प्रसारण रोक दिया जाता है।

लंदन के ताज में भारतीय भव्यता और आधुनिकता का होगा संगम

लंदन , एजेंसी। लंदन में बकिंघम पैलेस के पास स्थित ऐतिहासिक ताज होटल नए स्वरूप में सजकर लगभग तैयार हो गया है। 16वीं शताब्दी की विरासत को सहेजे इस प्रतिष्ठित होटल के नवीनीकरण का काम अंतिम चरण में है। इसे अप्रैल अंत तक आम लोगों के लिए खोल दिया जाएगा। होटल की प्रबंधक कोरिना लुबे ने कहा कि हमारा लक्ष्य मेहमानों को भारतीय भव्यता के साथ आधुनिक लग्जरी का अनुभव देना है। होटल ने अब वेडिंग लाइसेंस भी हासिल कर लिया है। मिशेलिन-स्टार शेफ श्रीराम अय्युर के नेतृत्व में यहां का प्रसिद्ध भारतीय तटीय व्यंजन अब यूरोप के अन्य हिस्सों तक विस्तार के लिए तैयार है।

पश्चिम एशिया में तनाव : यूएन महासचिव बोले- अंतरराष्ट्रीय शांति के लिए गंभीर खतरा, बड़ी चेतावनी भी दी

न्यूयार्क, एजेंसी। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव ने वैश्विक राजनीति को हिला कर रख दिया है। अमेरिका और इस्राइल द्वारा ईरान के सैन्य और नेतृत्व केंद्रों पर हमलों के बाद क्षेत्र में सुरक्षा खतरे बढ़ गए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रमुख युद्ध अभियानों की घोषणा की, जबकि ईरान ने जवाबी हमलों से क्षेत्रीय तनाव और बढ़ा दिया। ऐसे में बढ़ते संघर्ष को देखते हुए संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने इस पूरे मामले में अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इसे अंतरराष्ट्रीय शांति के लिए गंभीर खतरा बताया है। गुटेरेस ने कहा कि हालात अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि सैन्य कार्रवाई सबसे अस्थिर क्षेत्र में अप्रत्याशित घटनाओं की श्रृंखला को जन्म दे सकती है, जिसे कोई नियंत्रित नहीं कर सकता। गुटेरेस ने कहा कि हालात बहुत ही बदलते हुए हैं। इसके साथ ही उन्होंने ईरानी सर्वोच्च नेता आयातुल्ला अली खामेनेई की मौत की खबर को लेकर भी अपनी प्रतिक्रिया दी है।

बोलीविया में विमान हादसा, मृतकों की संख्या 22 पहुंची

ला पाज , एजेंसी। बोलीविया की राजधानी ला पाज के पास एक सैन्य मालवाहक विमान हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 22 हो गई है। यह विमान 18 टन नई छपी मुद्रा लेकर जा रहा था। हादसे में 29 लोग घायल भी हुए हैं, जिनमें ज्यादातर आम यात्री थे, क्योंकि विमान सड़क के पास गिरा था। रक्षा मंत्री मार्सेलो सालिनास ने बताया कि हरक्यूलिस ष्ट-130 विमान सांता क्रूज से नई करेंसी लेकर एल आल्टो एयरपोर्ट पर उतर रहा था। लैंडिंग के दौरान विमान रनवे से फिसलकर पास के खेत में जा गिरा और उसमें आग लग गई। हादसे में 15 से ज्यादा गाड़ियां भी क्षतिग्रस्त हुईं। सोशल मीडिया पर सामने आई तस्वीरों में सड़क पर नोट बिखरे हुए दिखे, जिन्हें लोग उठाने की कोशिश कर रहे थे। स्थिति को संभालने के लिए 500 से ज्यादा सैनिक और 100 पुलिसकर्मी तैनात किए गए। केंद्रीय बैंक के अध्यक्ष डेविड एस्पिनोजा ने कहा कि ये नोट कभी प्रचलन में नहीं आए थे, इसलिए उनकी कोई कानूनी मान्यता नहीं थी। लूटपाट रोकने के लिए नकदी के बक्सों को अधिकारियों की मौजूदगी में जला दिया गया।

'एकजुट हों, बनाए स्वतंत्र और समृद्ध भविष्य', खामेनेई की मौत के दावों के बीच ईरानी जनता से बोले रजा पहलवी

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में अमेरिकी और इस्राइली हमलों के बाद ईरान में तनाव चरम पर पहुंच गया है। ऐसे में ये तनाव और तब बढ़ गया जब इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और फिर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यह दावा किया कि हमलों में ईरान के सर्वोच्च नेता आयातुल्लाह आली खामेनेई मारे गए। इन दावों के बाद ईरान के निर्वासित शाही राजकुमार रजा पहलवी ने ईरानी लोगों को एकजुट होने और देश के लिए स्वतंत्र और समृद्ध भविष्य की दिशा में सुरक्षित संक्रमण सुनिश्चित करने का संदेश दिया।

पहलवी ने कहा कि खामेनेई के उत्तराधिकारी की नियुक्ति का कोई प्रयास सफल नहीं होगा और सेना व सुरक्षा बलों से आग्रह किया कि वे गिरते शासन को बचाने की कोशिश न करें। उन्होंने जनता को सतर्क और एकजुट रहने की अपील की और कहा कि जल्द ही व्यापक जनसैनिक आंदोलन की आवश्यकता है।

ईरान पर हमले और जवाबी कार्रवाई : बता दें कि अमेरिका और इस्राइल ने मिलकर ईरान में बड़े पैमाने पर मिसाइल हमले किए। तेहरान और देश के कई बड़े शहरों में तेज धमाके सुने गए। इसके तुरंत बाद ईरान ने जवाबी कार्रवाई की और खाड़ी देशों में स्थित अमेरिकी और इस्राइली ठिकानों को निशाना बनाया। इतना ही नहीं तेहरान और अन्य स्थानों में कई विस्फोटों की खबरें मिलीं।

रजा पहलवी का संदेश : निर्वासित ईरानी शाही राजकुमार रजा पहलवी ने शनिवार को ईरान के लोगों से एकजुट होने और एक स्वतंत्र और समृद्ध भविष्य की ओर सुरक्षित संक्रमण सुनिश्चित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि खामेनेई के उत्तराधिकारी के लिए किसी भी प्रयास की सफलता नामुमकिन है। पहलवी ने देश की सेना, पुलिस और सुरक्षा बलों से कहा कि वे गिरते हुए शासन को बचाने की कोशिश न करें और जनता के साथ मिलकर देश के भविष्य का निर्माण करें। पहलवी ने कहा कि खामेनी की मौत उन परिवारों के लिए सांत्वना हो सकती है जिन्होंने ईरान की राष्ट्रीय क्रांति के दौरान अपने प्रियजनों को खोया। उन्होंने लोगों से सतर्क रहने और एकजुट रहने की अपील की, और कहा कि जल्द ही व्यापक जनसैनिक और निर्णायक आंदोलन की आवश्यकता है।

पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ा : गौरतलब है कि इस घटनाक्रम के बाद पश्चिम एशिया में तनाव और बढ़ गया है। अमेरिकी और इस्राइली हमलों के बाद ईरान ने तीव्र जवाबी कार्रवाई की, जिससे क्षेत्रीय देशों में सुरक्षा स्थिति नाजुक हो गई है। विशेषज्ञ चेतावनी दे रहे हैं कि यह संघर्ष किसी बड़े क्षेत्रीय युद्ध में बदल सकता है। इससे पूरे पश्चिम एशिया में अस्थिरता बढ़ गई है और अंतरराष्ट्रीय समुदाय की नजरें इस संवेदनशील स्थिति पर टिकी हुई हैं।

मेक्सिको में परिवार को सौंपा गया 'एल मेंचो' का शव

मेक्सिको सिटी, एजेंसी। मेक्सिको की सरकार ने देश के कुख्यात ड्रग माफिया सरगना नेमेसियो ओसेगुएरा सर्वांतेस, जिसे 'एल मेंचो' के नाम से जाना जाता था, का शव उसके परिवार को सौंप दिया है। एल मेंचो को पिछले हफ्ते मैक्सिकन सेना ने एक अभियान में मार गिराया था। अटॉर्नी जनरल कार्यालय ने बताया कि सभी कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद शव परिजनों को सौंपा गया। डीएनए जांच से यह पुष्टि की गई कि शव लेने वाला व्यक्ति उसका करीबी रिश्तेदार है। एल मेंचो मेक्सिको के सबसे ताकतवर ड्रग कार्टेल 'जालिस्को न्यू जनरेशन कार्टेल' का सरगना था। उसकी मौत के बाद करीब 20 राज्यों में हिंसा भड़क उठी, जिसमें 70 से ज्यादा लोगों की जान गई। इस हिंसा से आने वाले फीफा वर्ल्ड कप से पहले पर्यटन पर असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है। अमेरिका के विदेश विभाग ने उसकी गिरफ्तारी पर 1.5 करोड़ डॉलर का इनाम घोषित किया था। फरवरी 2025 में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिकी प्रशासन ने इस कार्टेल को विदेशी आतंकवादी संगठन घोषित किया था। एल मेंचो की मौत को मेक्सिको सरकार की बड़ी सफलता माना जा रहा है।

गिनिया ने सीमा विवाद के बीच सिएरा लियोन के 16 सैनिक और पुलिसकर्मियों को रिहा किया

गिनिया , एजेंसी। पश्चिम अफ्रीका के देशों गिनिया और सिएरा लियोन के बीच पिछले कुछ दिनों से बढ़े सीमा विवाद के बीच, गिनियाई अधिकारियों ने गुरुवार को सिएरा लियोन के 16 सैनिकों और पुलिस अधिकारियों को रिहा कर दिया। यह जानकारी सिएरा लियोन की सूचना मंत्री ने अपने आधिकारिक बयान में दी। ये अधिकारी उस समय गिरफ्तार किए गए थे जब सीमा क्षेत्र के कस्बे कालीयेरेह में वे सीमा चौकी और उसके रहने-वाले अस्थायी ढांचे की मरम्मत का काम कर रहे थे, जबकि गिनियाई सैनिकों ने आरोप लगाया कि वे बिना अनुमति गिनियाई क्षेत्र में घुस आए थे। सिएरा लियोन की सरकार ने कहा कि रिहाई कूटनीतिक प्रयासों और विदेश मंत्री आलहाजी टिमोथी कब्बा के नेतृत्व वाली टीम के कोंक्री की यात्रा के बाद संभव हुई है। दोनों देशों के बीच लगभग दो दशक पुराना यह सीमा विवाद सिएरा लियोन के 1991-2002 के गृह युद्ध से शुरू हुआ, जब गिनियाई सेना को पूर्वी सीमा की मदद के लिए बुलाया गया था, लेकिन युद्ध के बाद पूरी तरह वापस नहीं लौटाया गया था।

ब्रिटेन: विशेष चुनाव में ग्रीन पार्टी विजयी

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन की ग्रीन पार्टी ने संसद की एक सीट के लिए हुए विशेष चुनाव में शुक्रवार को जीत हासिल की है। इसे छोटे दल के लिए बड़ी सफलता व पीएम कीर स्टॉर्मर के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है।

स्टार्मर की मध्य-वामपंथी लेबर पार्टी इस चुनाव में तीसरे स्थान पर रही। ग्रीन पार्टी की उम्मीदवार हन्ना स्पेंसर को शुक्रवार तड़के गॉर्टन और डेंटन सीट से विजेता घोषित किया गया, जिन्हें 14,980 वोट मिले।

क्यूबा के तट पर गोलीबारी: फ्लोरिडा से चली नाव पर एक्शन और मौतें

हवाना, एजेंसी। क्यूबा के तट के पास बुधवार को एक घरेलू विवाद की स्थिति में गोलीबारी हुई, जिसमें क्यूबा की सीमा रक्षा बलों ने एक फ्लोरिडा पंजीकृत तेज नाव को रोकने की कोशिश की। क्यूबा सरकार का कहना है कि नाव में सवार लोगों ने पहले गोलियां चलाईं, जिससे क्यूबाई अधिकारियों को जवाबी कार्रवाई करनी पड़ी। रिपोर्टों के अनुसार, नाव में करीब 10 लोग सवार थे, और इस मुठभेड़ में समुद्र में 4 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हुए, जबकि क्यूबा के एक अधिकारी को भी चोट आई।

क्यूबा सरकार का कहना है कि नाव में हथियार, मोलोतोव कॉकटेल और सैन्य प्रकार के उपकरण थे, और इसे 'शत्रुतापूर्ण घुसपैठ' की कोशिश बताया जा रहा है। वहीं संयुक्त राज्य अमेरिका ने सीधे अपनी सरकार की भूमिका से इनकार किया है और अमेरिकी एजेंसियां इस घटना की स्वतंत्र जांच कर रही हैं।

वेनेजुएला में रिहा नेता ने एकता की अपील की

काराकास , एजेंसी। वेनेजुएला के नेता एनरिक मार्केज, जिन्हें 2024 के चुनाव परिणामों को चुनौती देने के बाद जेल भेजा गया था, रिहा होने के बाद देश में एकता की अपील की है। उन्होंने कहा कि अब समय है कि सरकार और विपक्ष मिलकर देश के भविष्य पर काम करें। मार्केज को जनवरी 2025 में आतंकवाद और देशद्रोह जैसे आरोपों में गिरफ्तार किया गया था। उन्होंने बताया कि हिरासत के दौरान उन्हें कई महीनों तक परिवार से मिलने नहीं दिया गया। हाल ही में आम माफी कानून के तहत उन्हें रिहा किया गया। उन्होंने कहा कि देश लंबे समय से राजनीतिक टकराव में फंसा है और अब आगे देखने की जरूरत है। उन्होंने खुद को एक जोड़ने वाली ताकत बताया, जो देश के पुनर्निर्माण में भूमिका निभाना चाहती है।

अगर अटैक किया तो ऐसी ताकत से हमला करेगा, जो कभी देखा नहीं होगा' ट्रंप की ईरान को नई धमकी

वाशिंगटन, एजेंसी। इस्राइल और अमेरिका के संयुक्त हमलों में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत हो गई। ईरान ने खामेनेई की मौत का बदला लेने की धमकी देते हुए इस्राइल और अमेरिकी सैन्य अड्डों पर हमले जारी कर दिए है। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को नई चेतावनी जारी कर दी है।

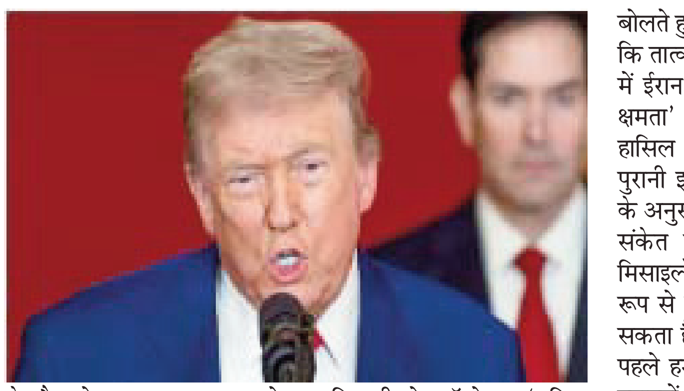

राष्ट्रपति ट्रंप ने पोस्ट में लिखा, 'ईरान ने अभी-अभी कहा है कि वे आज बहुत जोरदार हमला करेंगे, जितना उन्होंने पहले कभी नहीं किया। लेकिन उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए, क्योंकि अगर उन्होंने ऐसा किया, तो हम उन पर ऐसी ताकत से हमला करेंगे जो पहले कभी नहीं देखी गई।'

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान पर घातक हमला करने के फैसले का व्हाइट हाउस ने बचाव किया। इस हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता के मारे जाने का दावा किया जा रहा है। वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों ने कहा कि मिसाइल खतरों और परमाणु गतिविधियों से संबंधित खुफिया जानकारी ने अमेरिका के पास 'कोई विकल्प नहीं' छोड़ा था।

एक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी ने ऑपरेशन 'एपिक फ्यूरी' को जवाबी कार्रवाई नहीं बल्कि पूर्व-नियोजित और रक्षात्मक कार्रवाई बताते हुए कहा कि राष्ट्रपति ने फैसला किया कि वह चुपचाप बैठकर क्षेत्र में अमेरिकी सेनाओं को पारंपरिक मिसाइलों के हमलों का सामना नहीं करने देंगे।

नाम न छापने की शर्त पर बोलते हुए, अधिकारियों ने बताया कि तात्कालिक चिंता दक्षिणी क्षेत्र में ईरान की 'पारंपरिक मिसाइल क्षमता' और परमाणु हथियार हासिल करने की उसकी काफी पुरानी इच्छा थी। एक अधिकारी के अनुसार, खुफिया जानकारी से संकेत मिला है कि ईरान उन मिसाइलों का इस्तेमाल 'संभावित रूप से पूर्वव्यापी' तरीके से कर सकता है। अधिकारी ने कहा कि पहले हमले का इंतजार करने से हताहतों और नुकसान की संख्या 'काफी अधिक' हो सकती थी। एक अन्य वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी ने कहा कि हम उनके हाथों बंधक नहीं बनेंगे और न ही उन्हें हम पर पहले हमला करने देंगे। अधिकारियों ने ईरान पर जवाबी कार्रवाई में नागरिक बुनियादी ढांचे पर हमला करने का आरोप लगाया।

तेहरान : सर्वोच्च नेता की मौत पर शोक में डूबी राजधानी, सड़कों पर उमड़ा जनसैलाब

तेहरान, एजेंसी। सौजन्य से अल जजीरा ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत की आधिकारिक पुष्टि के बाद, राजधानी तेहरान की सड़कों पर गम और मातम का माहौल है। सरकारी मीडिया द्वारा जारी की गई तस्वीरों में हजारों की संख्या में लोग सड़कों पर उतरकर अपने नेता को याद कर रहे हैं। काले लिबास और गमगीन चेहरे : तेहरान के प्रमुख चौराहों, विशेष रूप से 'इंक़लाब स्क्वायर' पर समर्थकों का भारी हुजूम देखा जा सकता है। लोग काले कपड़े पहनकर और हाथों में खामेनेई की तस्वीरें और हरे झंडे लेकर शोक व्यक्त कर रहे हैं। कई स्थानों पर लोग सामूहिक रूप से विलाप करते और धार्मिक नारे लगाते देखे गए।

सुरक्षा का कड़ा पहरा : तस्वीरों में शहर के हर कोने पर इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर और बासिज मिलिशिया के जवानों की भारी तैनाती साफ नजर आ रही है। सुरक्षा बल न केवल भीड़ को नियंत्रित कर रहे हैं, बल्कि संभावित छिटपुट विरोध प्रदर्शनों या जश्न की कोशिशों पर भी कड़ी नजर रख रहे हैं।

आधिकारिक शोक सभाएं : मस्जिदों और सरकारी इमारतों पर लगे लाउडस्पीकरों से कुरान की आयतें पढ़ी जा रही हैं। सरकार ने इस सभा को 'राष्ट्रीय एकता और प्रतिरोध' के रूप में पेश किया है। मशहद के बाद अब तेहरान में भी लोग इमाम खुमैनी के मक़बरे की ओर कूच कर रहे हैं, जहाँ अंतिम संस्कार से जुड़ी रस्मों के होने की संभावना है।

विरोधाभासी तस्वीरें : भले ही मुख्य सड़कों पर शोक का माहौल है, लेकिन सोशल मीडिया पर आ रही कुछ धुंधली तस्वीरों और अपुष्ट रिपोर्टों के अनुसार, तेहरान के कुछ उत्तरी इलाकों में सन्नाटा है या लोग अपने घरों के भीतर से इस बदलाव को देख रहे हैं।

'ईरान ने की राष्ट्रपति ट्रंप को मारने की कोशिश', अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र की बैठक में किया बड़ा दावा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और इस्राइल के संयुक्त हवाई हमलों में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला सैयद अली खामेनेई की मौत हो गई है। कल तड़के सुबह इस्राइल ने ईरान के कई शहरों और सैन्य ठिकानों पर ताबड़तोड़ हमले किए। ये हमले ईरान के मिलिट्री बेस, एयरफील्ड और सरकारी स्थानों को निशाना बनाकर किए गए। आज भी ईरान में हमलों का दौर जारी है। इसी बीच संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका ने बड़ा दावा किया। अमेरिकी राजदूत माइक वाल्ट्ज ने कहा कि ईरानी सरकार ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को सीधे और प्रॉक्सी के माध्यम से मारने की कोशिश की।

'ईरान इस्राइल को खत्म करना चाहता था' : यूएन सुरक्षा परिषद में माइक वाल्ट्ज ने कहा कि ईरान 47 वर्षों से लगातार 'अमेरिका को मौत' का नारा दे रहा है और इस्राइल को समाप्त करने की कोशिश कर रहा था। उन्होंने ईरान पर अमेरिका और इस्राइल के खिलाफ हमले करने, यूएन चार्टर का उल्लंघन करने और मिडिल ईस्ट में शांति के लिए खतरा पैदा करने का आरोप लगाया।

'ट्रंप की हत्या की कोशिश की गई' : वॉल्ट्ज ने कहा कि ईरान ने ट्रंप को मारने के प्रयास किए और खुद को पीड़ित बताते हुए अपनी कार्रवाइयों को छिपाने की कोशिश की। उन्होंने स्पष्ट किया कि ईरान की गतिविधियां अमेरिका, उसके सैनिकों, बेस, सहयोगियों और दुनिया भर के पार्टनर्स के लिए खतरा हैं।

संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका का बचाव : अमेरिकी-इस्राइल ऑपरेशन को लेकर अमेरिका ने यूएनएससी में कहा कि यह यूएन चार्टर के आर्टिकल 51 के तहत, देश और उसके सहयोगियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए वैध कदम है। वाल्ट्ज ने यह भी बताया कि ईरानी लोग इन हमलों पर शिकायत नहीं कर रहे, बल्कि जश्न मना रहे हैं, शायद वे अपनी आजादी की उम्मीद जता रहे हैं।

सुप्रीम लीडर खामेनेई की मौत के बाद ईरान में 40 दिनों के शोक की घोषणा

तेहरान, एजेंसी। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई की मौत की पुष्टि आधिकारिक तौर पर हो चुकी है। ईरान के सरकारी मीडिया ने रविवार की सुबह को पुष्टि की कि खामेनेई अमेरिका-इजरायल हमलों में मारे गए। खामेनेई की मौत की खबर के बाद ईरानी सरकार ने 40 दिन के शोक का ऐलान किया। वहीं दूसरी तरफ ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने कहा है कि देश खामेनेई की मौत का शोक नहीं मनाएगा। ईरान की फार्स न्यूज एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से बताया कि खामेनेई के चार रिश्तेदार, जिनमें उनकी बेटी, पोता और दामाद शामिल हैं, भी अमेरिकी-इजरायली हमलों में मारे गए।

ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने कहा कि ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई के मारे जाने पर 'शोक नहीं मनाया जाएगा।' अल्बनीज ने रिपोर्टरों से कहा, 'अयातुल्लाह अली खामेनेई सरकार के बैलिस्टिक मिसाइल और न्यूक्लियर प्रोग्राम, हथियारबंद प्रॉक्सी को सपोर्ट और अपने ही लोगों के खिलाफ हिंसा और डराने-धमकाने के क्रूर कामों के लिए जिम्मेदार थे। वह ऑस्ट्रेलियाई जमीन पर हमलों की प्लानिंग के लिए जिम्मेदार थे। उनकी मौत पर शोक नहीं मनाया जाएगा।'

वहीं खामेनेई की मौत की पुष्टि करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पर लिखा कि ईरान के सुप्रीम लीडर यूएस-इजरायल के संयुक्त हमलों में मारे गए, और इसे ईरानियों के लिए अपने देश पर कंट्रोल वापस पाने का 'सबसे बड़ा मौका' बताया। ट्रंप ने एक बयान में कहा, 'इतिहास के सबसे बुरे लोगों में से एक, खामेनेई मर गया है। यह ईरान के लोगों के लिए और सभी महान अमेरिकियों और दुनिया भर के कई देशों के उन लोगों के लिए न्याय है, जिन्हें खामेनेई और उनके खून के प्यासे गुंडों के गैंग ने मार डाला या घायल कर दिया।

खामेनेई हमारे इंटेलिजेंस और बहुत एडवांस्ड ट्रैकिंग सिस्टम से बच नहीं पाए और इजरायल के साथ मिलकर काम करते हुए, ऐसा कुछ भी नहीं था जो वह या उनके साथ मारे गए दूसरे नेता कर सकें।'

इस बीच, ट्रंप ने कहा कि ईरान के खिलाफ बडा मिलिटी कैंपेन जारी रहेगा। ट्रंप ने पोस्ट में कहा, 'हालांकि, भारी और सटीक बमबारी पूरे हफ्ते बिना रुके जारी रहेगी या जब तक मिडिल ईस्ट और असल में, पूरी दुनिया में शांति के हमारे मकसद को पाने के लिए जरूरी होगा! ट्रंप ने ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स, आर्म्ड फोर्सेज और पुलिस से इम्यूनिटी के बदले अपने हथियार डालने की अपनी पिछली अपील एक बार फिर से दोहराई।

केन्या में विमान हादसे में सांसद समेत छह लोगों की मौत

नैरोबी, एजेंसी। केन्या के नंदी काउंटी में शनिवार को एक दर्दनाक हेलिकॉप्टर हादसे में छह लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में केन्या की संसद के सदस्य जोहाना नगेनो भी शामिल थे। पुलिस प्रमुख सैमुअल मुकूसी के अनुसार, हेलिकॉप्टर उड़ान भरने के कुछ ही मिनट बाद खराब मौसम के कारण पहाड़ी इलाके में गिर गया और उसमें आग लग गई। हादसा इतना भयानक था कि उसमें सवार सभी लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जोहाना नगेनो 54 वर्ष के थे और वे अपने तीसरे कार्यकाल में सांसद थे। उन्हें 2022 में सत्तारूढ़ दल के टिकट पर फिर से चुना गया था। संसद के स्पीकर मोसेस वेटांगुला ने उन्हें एक समर्पित जनसेवक बताते हुए श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि नगेनो ने हमेशा अपने क्षेत्र के लोगों के लिए काम किया। हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है। केन्या की नागरिक उड्डयन प्राधिकरण की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। स्थानीय लोगों में इस घटना के बाद शोक का माहौल है।

सिंगापुर: दुष्कर्म के दोषी चेट्टी की सजा 12 वर्ष जेल, 12 बेंत

सिंगापुर, एजेंसी। भारतीय मूल के एक मलयेशियाई शरवीन चेट्टी (48) को घरेलू सहायिका से दुष्कर्म के मामले में 12 वर्ष कारावास और 12 बेंत मारने की सजा अदालत की ओर से सुनाई गई है। चेट्टी ने चार फरवरी को 35 वर्षीय इंडोनेशियाई महिला से दुष्कर्म के एक आरोप में दोष स्वीकार कर लिया था। घटना 11 जुलाई 2022 की है जब उसने लिटिल इंडिया मास रेपिड ट्रांसिज स्टेशन के निकास द्वार के बाहर झाड़ियों में महिला से दुष्कर्म किया। चेट्टी उसे पुलिस वाला बनकर बहलाकर ले गया था।

हेल्थ प्लस

जिम जॉइन करने से पहले

■ अगर आप फिटनेस के लिए जिम जॉइन कर रहे हैं, तो जिम में कार्डियोवैस्कुलर वर्कआउट के लिए ट्रेडमिल, साइकल, क्रॉस ट्रेनर जैसी मशीनें जरूर होनी चाहिएं।

■ अगर आपको कार्डियक, डायबिटीज, हाई/लो ब्लड प्रैशर, एपिलैप्सी, आर्थराइटिस, स्लीप एप्निया, अस्थमा, स्किन एलर्जी इत्यादि की समस्या है, तो डॉक्टर से सलाह करके जिम जॉइन करें। अपनी बीमारी की जानकारी जिम इंस्ट्रक्टर और फिजियोथैरेपिस्ट को जरूर दें।

■ जिम इंस्ट्रक्टर की सुपरविजन में ही वर्क आउट करें। उससे अपने एक्सरसाइज प्लान की पूरी जानकारी लें। जरूरत से ज्यादा एक्सरसाइज आपके शरीर को नुकसान पहुंचा सकती है। इससे घुटने, टखने और लोअर बैकबोन कमजोर हो सकती है।

■ यदि आप अनैमिक हैं, तो वर्कआउट के दौरान आपको चक्कर आ सकते हैं, सांस फूलने लगती है, एनर्जी लैवल कम हो जाता है, जिस कारण वर्कआउट पूरा करने से पहले ही आप थक जाएंगे। इसलिए एक्सरसाइज से करीब एक घंटा पहले हल्का-सा नाश्ता जरूर कर लें। एक्सरसाइज के दौरान थोड़ा-थोड़ा पानी या अपना एनर्जी ड्रिंक पीते रहें। भोजन में आयरन युक्त खाद्य पदार्थों को शामिल करें। डॉक्टर की सलाह से आयरन सप्लीमैंट भी ले सकते हैं।

■ वर्कआउट के दौरान इंस्ट्रक्टर से यह जानते रहें कि जो एक्सरसाइज वो करवा रहे हैं, उसका क्या फायदा है और उससे आपके शरीर के किस हिस्से को क्या लाभ होगा।

■ अपने इंस्ट्रक्टर को अपनी डाइट के बारे में बताएं। यह भी वर्कआउट रिजीम सैट करने में मदद करता है। अगर आपको जिम जाकर वर्कआउट करना बोरिंग लगता है, तो इसके लिए आपको क्रिएटिव होना पड़ेगा। अपनी एक्सरसाइज की रूटीन में नई चीजें जोड़ें। अपनी एक्टिविटीज में वैरायटी रखें, ताकि उसमें आपकी रुचि बनी रहे। किक बॉक्सिंग, पावर योगा, एरोबिक्स और डांस क्लास भी आपके लिए अच्छा ऑप्शन हो सकती हैं। अपने साथ वर्कआउट करने के लिए एक दोस्त को तैयार करें या जिम में ही नए दोस्त बना लें, ताकि आप एक्सरसाइज का वक्त भी इंजॉय कर सकें।

कैंसर का उपचार हुआ आसान

कैंसर जैसे असाध्य माने जाने वाले रोग का हर स्टेज पर इलाज संभव हो सके, इसके लिए दुनियाभर में अनुसंधान किए जा रहे हैं। इन अनुसंधानों में वैज्ञानिकों को काफी सफलता भी हाथ लगी है। वैज्ञानिक अनुसंधानों के कारण ही कई तरह के कैंसर का ट्रीटमेंट अब काफी आसान हो गया है। हाल ही में कैंसर के इलाज के लिए हुए एक अनुसंधान में वैज्ञानिकों के हाथ एक और बड़ी सफलता लगी है। इस स्टडी में अनुसंधानकर्ताओं ने कैंसर का इलाज करने के लिए एक ऐसे नियम का पता लगाया है, जो रेडियोथेरैपी की प्रभावशीलता को बढ़ा देता है।

कैंसर रिसर्च पत्रिका में छपी अध्ययन रिपोर्ट के अनुसार कुछ खास दवाओं के इस्तेमाल से ट्यूमर की स्थिति में चूहों की रक्तवाहिकाओं की स्थिरता में सुधार हुआ। चूहों पर हुई इस स्टडी में बढ़िया नतीजे निकलकर सामने आए हैं। इस अनुसंधान में ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के ग्रे इंस्टीट्यूट फॉर रेडिएशन ओंकोलॉजी एंड बायोलॉजी के विज्ञानिकों ने भाग लिया।

दरअसल, ट्यूमर में अधिक स्थिर र त आपूर्ति कैंसर के मरीजों को कीमोथेरैपी बेहतर रूप से उपलब्ध कराती है। ग्रे इंस्टिट्यूट के निदेशक प्रोफैसर गिलीस मैक्केना ने कहा, 'कैंसर के उपचार के लिए नया तरीका खोजकर हम बेहद रोमांचित हैं। इसमें दवाएं कैंसर कोशिकाओं को रेडियोथेरैपी और कीमोथैरेपी के प्रति संवेदनशील बनाती हैं।'

मैक्केना ने कहा, 'आप अगर सोच रहे हैं कि ट्यूमर कोशिकाओं को ऑक्सीजन की आपूर्ति कर आप उन्हें बढ़ाने में मदद करेंगे, तो आप गलत हैं, क्योंकि कोशिकाओं को बेहतर रक्त आपूर्ति के साथ ऑक्सीजन पहुंचाकर हम रेडियोथेरैपी और कीमोथेरैपी को काम करने में अधिक सक्षम बनाते हैं, ताकि वे ट्यूमर को मार सकें।'

वैज्ञानिकों ने चार दवाओं के प्रभाव का परीक्षण किया, जो कैंसर थेरैपी के लिए, चिकित्सीय इस्तेमाल में लाई जा रही हैं या फिर जिसका विकास किया जा रहा है।

दर्द भगाने के बहाने मीठी मार

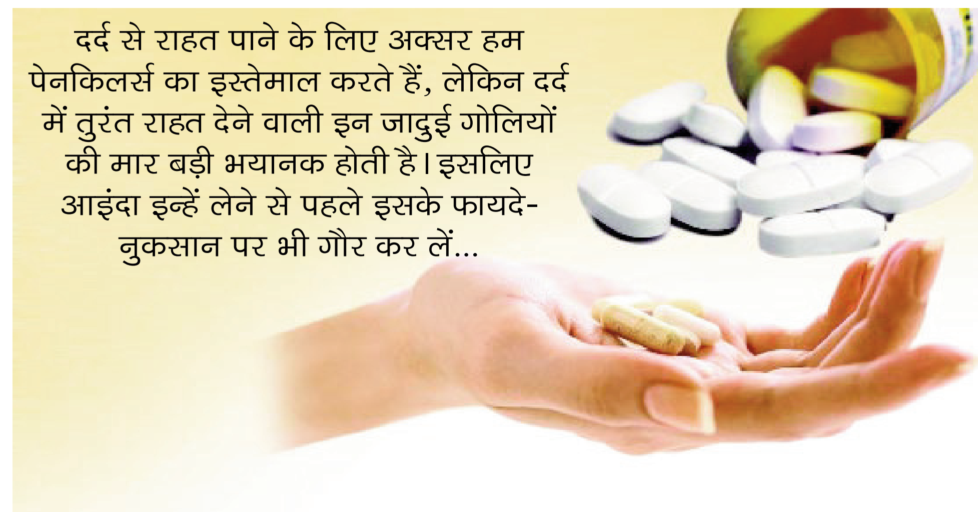

दर्द से राहत पाने के लिए अक्सर हम पेनकिलर्स का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन दर्द में तुरंत राहत देने वाली इन जादुई गोलियों की मार बड़ी भयानक होती है। इसलिए आइंदा इन्हें लेने से पहले इसके फायदे-नुकसान पर भी गौर कर लें...

आज बाजार में कई तरह की पेनकिलर्स उपलब्ध हैं। डॉक्टरों की मानें, तो इनमें बहुत सारी ऐसी पेनकिलर्स हैं, जिनका लगातार सेवन करने से दिमाग व शरीर इन पर निर्भर करने लगते हैं और हम इनके ग़ुलाम बन जाते हैं। कुछेक पेनकिलर्स नशीली नहीं होतीं, लेकिन हमारे लिए दोनों तरह की पेनकिलर्स खतरनाक हो सकती हैं। अगर इनका सेवन डॉक्टर की सलाह के बगैर किया जाए या डॉक्टरी सलाह से कहीं अधिक समय के लिए किया जाए, तो ये सेहत के लिए नुक़सानदायक हो सकती हैं।

क्या हैं पेनकिलर्स?

पेनकिलर्स या एनाल्जेसिक वे दवाएं हैं, जिनका इस्तेमाल दर्द से राहत पाने के लिए किया जाता है। एनाल्जेसिक्स मुख्य रूप से दो तरह की होती हैं: नॉन नारकोटिक्स और नारकोटिक्स। इन्हें बनाने में मॉर्फिन जैसे नारकोटिक्स, नॉन स्टेरॉइडल एंटी इन्फ्लेमेट्री ड्रग्स (NSAIDs) और एसेटैमिनोफेन जैसे नॉन नारकोटिक्स का इस्तेमाल किया जाता है।

कैसे करती हैं काम?

पेनकिलर्स दो तरह से काम करती हैं—

- दिमाग की ओर जाने वाले दर्द के सिग्नल को ब्लॉक कर देती हैं, जिससे रोगी को दर्द का अहसास नहीं हो पाता।
- दिमाग में सिग्नल के इंटरप्रिटेशन सिस्टम में छेड़छाड़ कर देती हैं और रोगी को लगता है कि उसे दर्द से राहत मिल गई।

क्यों होता है एडिक्शन?

पेनकिलर्स के बार-बार सेवन करने से व्यक्ति इनका आदी हो जाता है। नतीजा यह होता है कि एक साधारण दर्द को ठीक करते-करते व्यक्ति नशे की खतरनाक बीमारी के चंगुल में फंस जाता है।

- सभी पेनकिलर्स दिमाग के एक खास सर्किट पर एक्ट करती हैं, जिससे आनंद का अनुभव होता है, मूड अच्छा हो जाता है और नींद भी आती है। व्यक्ति इस आनंद की अवस्था का अनुभव करने के लिए बार-बार इनका सेवन करता है और उसे इनकी लत लग जाती है। लगातार इन्हें लेते रहने से ये दवाएं अल्कोहल का काम करने लगती हैं।
- कुछ समय तक लगातार पेनकिलर्स लेने के पश्चात अगर इन्हें एकदम बंद कर दिया जाए, तो सेहत संबंधी कई परेशानियां हो सकती हैं। जैसे सारे शरीर में असहनीय दर्द, घबराहट, बेचैनी, गुस्सा, दस्त, लगातार छींकें आना, नींद न आना, आंखों और नाक से पानी निकलना इत्यादि।

ये हैं नुकसान

एक साल तक अगर पेनकिलर्स का रोजाना इस्तेमाल किया जाए, तो यह बेहद हानिकारक हो सकती हैं।

गैसट्राइटिस (पेट में सूजन)- इससे पेट खराब हो सकता है। पेट के अंदर जख्म बनना, उनसे खून का रिसाव, ज्यादा एसिड बनना, छाती में जलन जैसी परेशानियां हो जाती हैं। इनके चलते पेट में दर्द, खट्टे डकार, उल्टियां जैसे लक्षण पैदा हो जाते हैं।

जिगर की सूजन- जिगर (लिवर) के सैल्स का खत्म होना, इसके चलते भूख का कम होना, खाना हजम न कर पाना जैसी परेशानियां हो जाती हैं।

किडनी प्रॉब्लम्स- पेनकिलर्स किडनी को बहुत नुकसान पहुंचाती हैं। जिंदगी में एक हजार से ज्यादा पेनकिलर्स खाने से किडनी खराब हो सकती है। किडनी के सैल्स को नुकसान पहुंचता है, जिससे धीरे-धीरे किडनी का फंक्शन कमजोर होता जाता है। इसे एनलजैसिक नैफरोपैथी कहा जाता है।

ब्लड डिस्क्रेसिया- कुछ पेनकिलर्स से खून की रचना में बदलाव आने लगते हैं, जिसे ब्लड डिस्क्रेसिया कहा जाता है। यह जानलेवा भी साबित हो सकता है।

दमा पर असर- कुछ पेनकिलर्स दमा भी बढ़ा सकती हैं।

मानसिक रोग- मानसिक रोग, जैसे मन की उदासी, वहम व शक की बीमारी, याददाशत कमजोर होना। कई बार कन्फ्यूजन और भ्रम की स्थिति पैदा हो जाती है।

ऐसा कर लें

जहां तक संभव हो, बिना डॉक्टर की सलाह के पेनकिलर्स न लें और न ही इनकी ओवरडोज ही लें। पेनकिलर्स तब ही लें, जब बेहद जरूरी हो। थोड़ा-सा दर्द होने पर मैडिसिन लेने की आदत को छोड़ दें। पेनकिलर्स से बचने के लिए दर्द वाले हिस्से पर ठंडी या गर्म सिकाई की जा सकती है। पेनकिलर के स्प्रे या जेल से भी दर्द में राहत मिल जाती है। सिर दर्द में बाम लगाएं। दर्द अगर गैस की वजह से है, तो गैस का चूर्ण ले लें।

ध्यान रखें

- ब्लड प्रैशर, डायबिटीज, किडनी और दिल के मरीजों को डॉक्टर की सलाह के बगैर कोई भी पेनकिलर नहीं लेनी चाहिए।
- पेनकिलर्स खाली पेट बिलकुल न लें। नॉन नारकोटिक्स पेनकिलर्स खाली पेट लेने से किडनी, लिवर और पेट को नुकसान पहुंचा सकती हैं।
- पेनकिलर लेने के कारण अगर पेट दर्द होता है, तो सबसे पहले उस पेनकिलर का इस्तेमाल बंद कर दें और डॉक्टर से सलाह लें।
- पेनकिलर्स हमेशा पानी से ही लेनी चाहिए।

डॉक्टर की सलाह

- इन दवाओं के आदी हो चुके मरीज मनोचिकित्सक के पास जाएं।
- मरीज को दवाओं के कोर्स के जरिए नशामुक्त किया जाता है। इस कोर्स को बिना अस्पताल में दाखिल हुए भी किया जा सकता है।
- मरीज को दोबारा नशे का सेवन करने से हटाने के लिए कुछ दवाएं देनी पड़ती हैं।
- नशे के सेवन से हुए नुकसानों को ठीक करने के लिए 4-6 महीने तक दवा लेनी जरूरी होती है।

इसलिए अगली बार पेनकिलर खाने से पहले सोचें। साथ ही डॉक्टरी सलाह के बगैर भी पेनकिलर न खाएं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ
अपने काम को प्राथमिकता से करें। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। स्वभाव में सौम्यता आपकी मदद करेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-3-5-7

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-2-4-6

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा
जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र हैं। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शत्रुभय, ङ्चता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। धन के लेन-देन में सतर्क रहें। शुभांक-2-5-8

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
परिवार में मांगलिक कार्यों का आयोजन होगा। वैवाहिक जीवन में प्रेम-प्रीति बढ़ेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। राजकीय सम्मान प्राप्त होने के योग हैं। शांतिपूर्वक कार्य करें, जान है तो जहान है, अत:वाहन आदि चलाने में सावधानी बरतें। अपना कार्य स्वयं करें, किसी के भरोसे न रहें। शुभांक-1-5-8

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
नये लोगों से मेल-मिलाप भविष्य में लाभदायक सिद्ध होगा। घर तथा व्यावसाय को एक-दूसरे से दूर ही रखें। व्यापारिक संबंधों में प्रगति के योग हैं। स्थान परिवर्तन की संभावना हैं। कार्य स्थल पर नियमपूर्वक व्यवहार लाभकारी होगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। शुभांक-2-5-7

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
धन के लेन-देन में सतर्क रहें। बातचीत में संयम बरतें। मन में चंचलता बढ़ेगी। भावुकतावश निर्णय न लें। कर्ज देने से बचें। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। कला क्षेत्र के जातकों को मेहनत के बाद सफलता मिलेगी। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शुभांक-2-6-8

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते
सरकारी पक्ष से पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल रहेगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। पुराना विवाद समाप्त होगा। आर्थिक मजबूती हेतु मन केन्द्रित होगा। मिल रहे अवसरों का लाभ उठाएं। आर्थिक योजनाएं फलित होंगी। बकाया धन की प्राप्ति के योग हैं। शुभांक-1-5-8

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू
उत्साह में वृद्धि होगी। आलस्य का त्याग करें। नये आय के स्त्रोत बनेंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। लम्बे प्रवास व चुनौती पूर्ण कार्यों का सामना हो सकता हैं। व्यवसायिक क्षेत्र में आपकी मेहनत व लगन की परीक्षा होगी। शुभांक-3-6-9

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे
लेन-देन में स्पष्टता बनाये रखें। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। शुभांक-3-5-7

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी
आज की सुविधा कल नहीं मिल पायेगी, लाभ उठाएं। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। शुभ कार्यों में व्यय होगा व हर्ष पूर्ण माहौल बनेगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। धार्मिक यात्रा शुभ है। शुभांक-3-5-8

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा
अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। नौकरी के क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेंगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। आज का परिश्रम आगे लाभ देगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-3-6-9

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची
व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। कारोबारी यात्रा सफल होगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-2-4-8

काकुरो पहेली - 2006

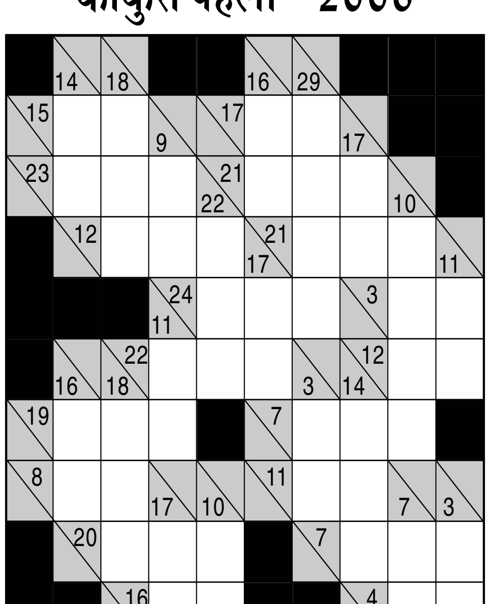

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

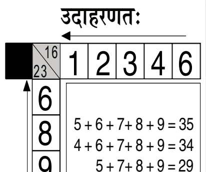

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 2005 का हल

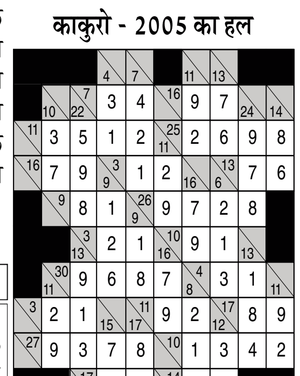

लॉफिंग ज़ोन

पति (पत्नी से) प्रिये यदि मुझे कुछ हो गया तो तुम क्या दूसरी शादी कर लोगी।

नहीं, कभी नहीं। मैं अपना बचा जीवन अपनी बड़ी बहन के साथ गुजार दूँगी लेकिन दूसरी शादी नहीं करूँगी।

पत्नी (पति से) : लेकिन यदि मुझे कुछ हो गया तो क्या तुम दूसरी शादी कर लोगे।

पति : नहीं, मैं भी तुम्हारी बहन के साथ ही रह लूँगा।

अपने प्रेमी की शिकायत करते हुए शीला ने गीता से कहा- यह रमन का बच्चा आजकल मुझसे फ्लर्ट कर रहा है।

गीता- क्यों क्या किया रमन ने?

शीला- कल शाम जब मैं एक रेस्त्राँ में उससे मिलने गई तो वह बहुत देर बाद आया। कारण पूछने पर कहने लगा- अरे, वो नरेश मुझे जबरदस्ती टॉकिज ले गया था फिल्म दिखाने।

गीता- तो इसमें फ्लर्ट की क्या बात है?

शीला- दरअसल, कल नरेश के साथ टॉकिज तो मैं गई थी।

फिल्म वर्ग पहेली- 2006

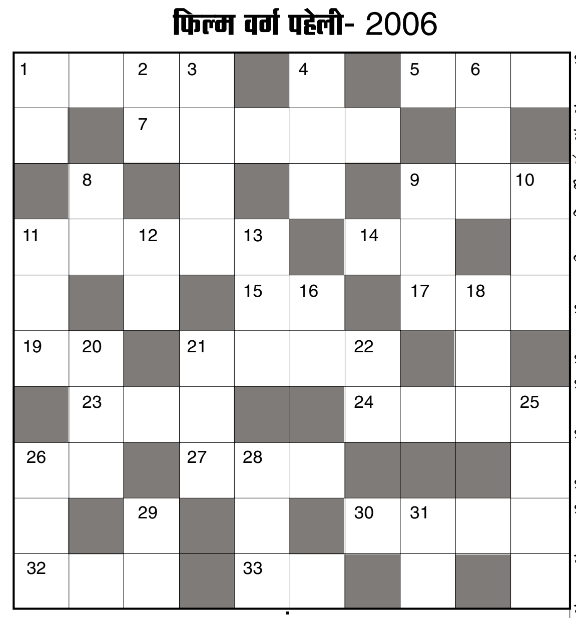

बायें से दायें:-

१. अजय, सुनील शेट्टी, प्रियंका, दीया की 'जाना नहीं था' गीत वाली फिल्म-२,२
५. अनिल, अक्षय, मनोज, करीना की 'मेरा दिल जिस' गीत वाली फिल्म-३
७. 'चाँद को क्या मालूम' गीत वाली पृथ्वीराज, शेख मुख्तार की फिल्म-२,३
९. सनी देओल, अमीषा पटेल की 'मुसाफिर जाने वाले' गीत वाली फिल्म-३
११. 'जाओ जाओ हमसे क्या' गीत वाली जैकी श्रॉफ अमृतासिंह की फिल्म-२,३
१४. राजेश खन्ना, बबीता की 'अकेले हैं चले आओ' गीत वाली फिल्म-२
१५. गुड्डू धनोआ निर्देशित इमरान खान, शाहबाज खान, तब्बू की फिल्म-२
१७. करण दीवान, वैजयंतीमाला की 'दुनिया का मजा लेलो' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'तुम मुझे भूल भी जाओ' गीत वाली सुनीलदत्त, वहीदा रहमान की फिल्म-२
२१. जीतेंद्र, रेखा की 'गाँव में होते हँसते रोते' गीत वाली फिल्म-४
२३. प्रकाश झा निर्देशित मनोहरसिंह, अन्नूकपूर, सरला, दीप्ति नवल की फिल्म-३
२४. शशिकपूर, शर्मिला टैगोर की 'जिक्र होता है जब कयामत का' गीत वाली फिल्म-२,२
२६. 'दिल में जागी धड़कन ऐसे' गीत वाली लक्की अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-२
२७. प्रशांत, संध्या की 'पंख होते तो उड़ आती रे' गीत वाली फिल्म-३
३०. फिल्म 'जबर्दस्त' में सनी देओल के साथ नायिक कौन थी-४
३२. जैकी, अमरीश, डिम्पल की 'हम न समझे थे' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'सपने में मिलती है' गीत वाली डी. चक्रवर्ती, मनोज वाजपेयी, उर्मिला मातोंडकर की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. रानी ने इसमें अंधी एवं गूंगी-बहरी लड़की की भूमिका की है-२
२. फिरोज, संजय खान, मुमताज की फिल्म-२
३. 'आज गालो मुस्करालो' गीत वाली फिल्म-४
४. शम्मीकपूर, सायरा की एक फिल्म-३
६. 'सनम तुम हम पे मरते' गीत वाली फिल्म-३
८. 'मैं तुझसे मिलने आई' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा पारेख की फिल्म-२
९. धर्मेन्द्र, रेखा की 'ऐ हवा ये बता' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'संसार है एक नदिया' गीत वाली विनोद मेहरा, डैनी, मौसमी चटर्जी की फिल्म-३
११. 'तुम तो परदेसी हो' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'ना सतरा से ऊपर ना सोला से कम' गीत वाली नवीन निश्चल, रेखा की फिल्म-२
१३. अशोककुमार, मधुबाला की 'आयेगा आने वाला' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'मैं इश्क उसका' गीत वाली फिल्म-२
१८. जिमी शेरगिल, इरफान, ऋषिता भट्ट की 'अब घर आजा' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'गोरी कँवारी सी हसीना का' गीत वाली अक्षयकुमार, करिश्मा की फिल्म-३
२१. शाहरूख, मनीषा, प्रीति की फिल्म-२,१
२२.फिल्म 'आरम्भ' में राकेश के साथ नायिका-२
२५. राजनीकांत, पद्मिनी, विजेयता की फिल्म-४
२६. 'ऐ यार सुन यारी' गीत वाली अमिताभ, शशिकपूरस रेखा, परवीन बाबी की फिल्म-३
२८. शॉवरअली, तरूण, मेघना नायडू कीफिल्म-३
२९. 'सुबह सुबह जब' गीत वाली फिल्म-२
३१. ऋतिक रोशन, करीना कपूर की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2005

सूडोकु -2006

	9				6			
4	7				8	3		9
		8	7	3		1	2	
	8	9		5	1		7	6
5	1		8	7		4	9	
	2	4		6	5	7		
7		1	3				5	8
			1				4	

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.

■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.

■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.

■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2005 का हल

1	9	3	7	5	4	2	6	8
8	4	2	1	6	3	9	7	5
5	7	6	8	2	9	3	1	4
4	1	5	6	3	2	8	9	7
7	2	9	4	8	1	6	5	3
3	6	8	5	9	7	1	4	2
2	5	1	9	4	8	7	3	6
9	8	4	3	7	6	5	2	1
6	3	7	2	1	5	4	8	9

शब्द पहेली - 2006

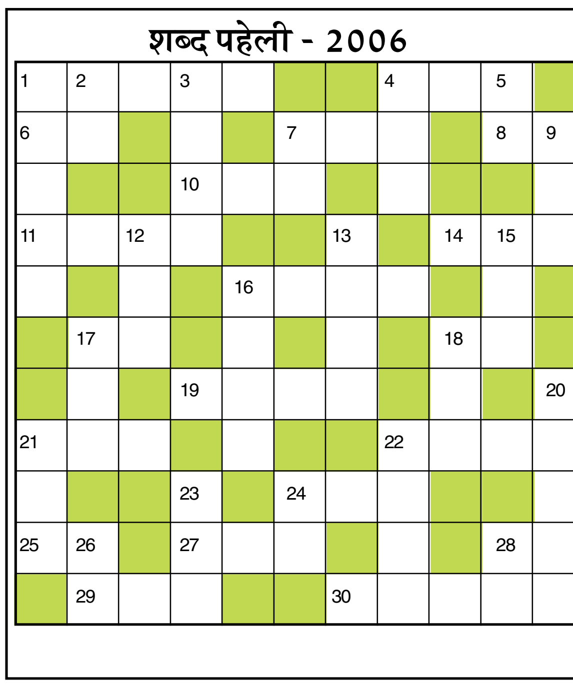

बाएँ से दाएँ

1.शरीफ,नेकनीयत-5
4.जिसे सुनाई न दे-3
6.मां का भाई-2
7.एकमात्र,सिर्फ एक-3
8.अधिकार-2
10.सिर झुकाना-3
11.दुर्घटना-4
14.दूध फाड़कर बनाया जानेवाला पदार्थ-3
16.राजदार-4
17.राजा की पत्नी-2
18.वीज, वीर्य-2
19.मीठा पेय पदार्थ-4
21.पानी की बूंद-3
22.अवरोध,बाधा-4
24.मैला,अस्वच्छ-3
25.पानी,जल-2
27.पुत्र,लड़का-3
28.लाश,पार्थिव देह-2
29.थकावट-3
30.मन मोहने वाला-5

ऊपर से नीचे

1.समाजवाद को माननेवाला अनुयायी-5
2.अस्थमा-2
3.राज्य,सल्तनत-4
4.तन,काया,देह-3
5.रास्ता,मार्ग-2
7.नखरा,भुगतान-2
9.डोली उठाने वाले-3
12.बिजली,विद्युत रश्मि-3
13.भद्रता,नेकनियत -4
15.कमल,पंकज-3
16.बुखरा,ज्वर ताप-4
17.आराम,मदद-3
18.घना वन-3
20.मन को भाने वाला -2,3
21.कथा,गाथा-3
22.कहासुनी-4
23.मनन करना-3
24.शराब-2
26.घोड़ागाड़ी-2
28.बढ़ावा देना-2

शब्द पहेली -2005 का हल

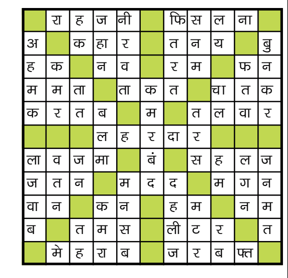

सिलीगुड़ी से 'परिवर्तन यात्रा' की शुरुआत, बंगाल में विकासोन्मुख सरकार की जरूरत : नितिन नवीन

एजेंसी

कोलकाता। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने उत्तर बंगाल के सिलीगुड़ी स्थित रासमेला मैदान से रविववार को 'परिवर्तन यात्रा' का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जनमानस का उत्साह स्पष्ट संकेत दे रहा है कि पश्चिम बंगाल की जनता अब सकारात्मक बदलाव चाहती है और केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक विकासोन्मुख सरकार की अपेक्षा कर रही है। नितिन नवीन ने अपने संबोधन में कहा कि राज्य की जनता ऐसी सरकार चाहती है जो केवल वादों तक सीमित न रहे, बल्कि जमीनी स्तर पर काम करे और लोगों के जीवन में वास्तविक परिवर्तन लाए। उन्होंने दावा किया कि 'परिवर्तन यात्रा' को मिल रहा जनसमर्थन इस बात का प्रमाण है कि बंगाल में राजनीतिक बदलाव की मजबूत इच्छा है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि यह यात्रा राज्य के विभिन्न हिस्सों से होकर गुजरेगी और लोगों के बीच जाकर पार्टी की नीतियों तथा विकास के एजेंडे को रखेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान राज्य सरकार जनता की अपेक्षाओं पर खरी नहीं उतरी है, जबकि भाजपा विकास, पारदर्शिता और सुशासन के मुद्दों को लेकर जनता के बीच जा रही है। उल्लेखनीय है कि, भाजपा आगामी चुनावों को ध्यान में रखते हुए संगठनात्मक गतिविधियों को तेज कर रही है और 'परिवर्तन यात्रा' को इसी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है।

आआपा ने जंतर-मंतर से भाजपा और दिल्ली सरकार को घेरा, केजरीवाल बोले- देश में डर का माहौल

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आआपा) के नेताओं ने जंतर-मंतर पर जनसभा करके भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और दिल्ली सरकार को घेरा। आआपा के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने जनसभा को संबोधन करते हुए कहा कि देश में इस समय डर का माहौल है और उसके बावजूद जज साहब ने देश के हक में धाकड़ फैसला सुनाया, उसके लिए वे जज साहब का शुक्रिया अदा करते हैं। उन्होंने कहा कि वे भारत मां से प्यार करता हैं और अपना पूरा जीवन देश की सेवा और विकास के लिए समर्पित कर दिया। जब वे आयकर विभाग में कमिश्नर थे तो वहां भी उनकी ईमानदारी के चर्चे होते थे, उनकी ईमानदारी की कसमें खाई जाती थीं। इसके बाद जब वे दिल्ली का मुख्यमंत्री बने, उस दौरान भी उन्होंने किसी से भी एक पैसा नहीं लिया और पूरी ईमानदारी से काम किया । केजरीवाल ने कहा कि देश की जनता कांग्रेस से परेशान हो गई थी और लोगों ने बड़ी उम्मीदों से मोदीजी की सरकार बनाई थी। लेकिन कुछ नहीं सुधरा बल्कि और भी ज्यादा बर्बाद कर दिया है। पूरे देश में पेपर लीक हो रहे हैं और प्रधानमंत्री मोदी परीक्षा पर चर्चा कर रहे हैं। केजरीवाल ने कहा कि उन्हें गिरफ्तार करके पूरे देश को संदेश देना चाहा कि अगर ईमानदारी से काम करोगे तो अरविंद केजरीवाल जैसा हाल होगा।आआपा ने देश के बच्चों, युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों को उम्मीद दी और भाजपा को इससे डर लग गया था, इसलिए उन्हें जेल में डाला गया।

आरएसएस समाज को संगठित और राष्ट्रभक्ति की भावना जागृत करने का कर रही काम : राजू दास

रांची। अयोध्या के हनुमान गढ़ी के महंत राजू दास ने कहा कि पिछले 100 वर्षों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने समाज को संगठित करने, राष्ट्रभक्ति की भावना जागृत करने और सांस्कृतिक मूल्यों की रक्षा करने का निरंतर प्रयास किया है। उन्होंने प्रश्न रखा कि देश सुरक्षित कैसे रहे, आने वाली पीढ़ियां अपनी पहचान और परंपरा से जुड़ी कैसे रहें और भारत पुनः किस प्रकार की दासता का शिकार न हो—इन सभी विषयों पर संघ ने निरंतर चिंतन और कार्य किया है। दास रांची के चुटिया स्थित श्री राम मंदिर परिसर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष पर आयोजित विराट हिंदू सम्मेलन में बोल रहे थे। उन्होंने अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिए हुए दीर्घकालिक संघर्ष और लाखों रामभक्तों के त्याग और बलिदान का उल्लेख करते हुए कहा कि यह केवल मंदिर निर्माण का विषय नहीं, बल्कि सांस्कृतिक स्वाभिमान का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि ऐसे ऐतिहासिक संघर्षों की स्मृति हमें संगठित रहने और अपनी आस्था व परंपराओं की रक्षा करने की प्रेरणा देती है। उन्होंने बताया कि शताब्दी वर्ष के अवसर पर देश के लगभग एक लाख गांवों में हिंदू सम्मेलन आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें करोड़ों लोगों की भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है।

चीन का रिकॉर्ड ध्वस्त कर काशी ने रचा नया वैश्विक कीर्तिमान, एक घंटे में रोपे 251446 पौधे

वाराणसी। उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी काशी ने पर्यावरण संरक्षण के इतिहास में अपना नाम स्वर्णाक्षरों में दर्ज करा लिया है। वाराणसी के सुजाबाद डोमरी क्षेत्र में आयोजित 'वृहद पौधरोपण कार्यक्रम' ने एक ऐसा कीर्तिमान स्थापित किया है जिसने पूरी दुनिया को अचंभित कर दिया है। मात्र एक घंटे की निर्धारित समयावधि के भीतर वाराणसी ने 2,51,446 पौधों का सफल रोपण कर चीन के आठ साल पुराने रिकॉर्ड को आधिकारिक रूप से ध्वस्त कर दिया है। मौके पर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के जज ऋषि नाथ ने महापौर अशोक कुमार तिवारी व हिमांशु पाल को नया कीर्तिमान स्थापित करने पर सर्टिफिकेट भी सौंपा। इस ऐतिहासिक पल को दर्ज करने के लिए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की टीम सुबह से ही डोमरी में मौजूद रही। नगर निगम और विभिन्न सामाजिक व सरकारी संस्थाओं के अभूतपूर्व समन्वय से सुजाबाद डोमरी के 350 बीघा क्षेत्र में विकसित किए गए इस आधुनिक 'शहरी वन' ने आज विश्व पटल पर भारत का मस्तक ऊंचा कर दिया है। अब तक एक घंटे में सर्वाधिक पौधे लगाने का विश्व रिकॉर्ड चीन की हेनान प्रांतीय समिति और हेनान शिफांगे ग्रीनिंग इंजीनियरिंग कंपनी के नाम था। उन्होंने 10 मार्च 2018 को 153,981 पौधों का रोपण कर यह गौरव हासिल किया था।

केरल में सेंट स्टीफेंस विद्यालय के शताब्दी समारोह का उपराष्ट्रपति ने किया उद्घाटन

एजेंसी

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने केरल के कोल्लम जिले के पथनापुरम स्थित सेंट स्टीफेंस उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के शताब्दी समारोह का उद्घाटन किया। उन्होंने 100 वर्ष पूर्ण करना एक उल्लेखनीय उपलब्धि बताया।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि किसी भी संस्था की वास्तविक शक्ति उसके भवनों में नहीं, बल्कि उसके मूल्यों में होती है। विद्यालय ने एक शताब्दी तक विद्यार्थियों के मन को आकार दिया है। चरित्र निर्माण किया है। भविष्य गढ़ा है। यहां से निकले विद्यार्थी जिम्मेदार नागरिक, नेतृत्वकर्ता, पेशेवर और संवेदनशील मानव बने हैं।उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। शिक्षा में चिंतन क्षमता, संवेदनशीलता, धैर्य और ईमानदारी का विकास होना चाहिए। विद्यार्थियों से बड़े सपने देखने, परिश्रम करने

और विनम्र बने रहने का आह्वान किया। उपराष्ट्रपति ने मादक पदार्थों के दुरुपयोग को समाज के लिए बड़ा अभिशाप बताया। उन्होंने विद्यार्थियों से मादक पदार्थों को ना कहने का आग्रह किया। कहा कि इसके विरुद्ध देशव्यापी जन आंदोलन चलाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दलों के बीच समाज सेवा को लेकर स्वस्थ प्रतिस्पर्धा स्वागत योग्य है। यह लोकतंत्र को सशक्त करती है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य की ओर अग्रसर है। आत्मनिर्भर भारत की दिशा में भी तेजी से कार्य हो रहा है। 2047 का भारत आज के विद्यार्थियों के विचार और पहल से आकार लेगा। उन्होंने कहा कि शताब्दी वर्ष आत्ममंथन और नव आरंभ का अवसर है। विद्यालय आधुनिक शिक्षा के साधनों को अपनाए। साथ ही नैतिक और सांस्कृतिक मूल्यों से जुड़ा रहे। संस्था केवल शैक्षणिक उपलब्धि ही नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण के प्रति समर्पित नागरिक तैयार करे। उन्होंने केरल में शिक्षा और सामाजिक विकास पर विशेष बल का उल्लेख करते हुए कहा कि ऐसी संस्थाओं ने राज्य की शैक्षणिक प्रतिष्ठा को सुदृढ़ किया है। इस अवसर पर उपराष्ट्रपति ने पथनापुरम स्थित माउंट ताबोर दयारा में चार महानगराध्यक्षों की पवित्र समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित की।

एनआईए ने नेपाली नागरिक को जाली भारतीय मुद्रा प्रकरण में किया गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने साल 2014 के जाली भारतीय मुद्रा प्रकरण में फरार चल रहे एक नेपाली नागरिक को गिरफ्तार किया है। यह मामला दुबई स्थित एक पाकिस्तानी नागरिक से जुड़ा है। एजेंसी के अनुसार, नेपाल के बारा जिले का निवासी नूर मोहम्मद गैर जमानती वारंट के तहत वांछित था। उसे बिहार के समस्तीपुर जिले के शाहपुर पटोरी थाना क्षेत्र से पकड़ा गया। एनआईए ने उसके विरुद्ध नवंबर 2017 में नई दिल्ली स्थित पटियाला हाउस अदालत के विशेष न्यायालय में आरोप पत्र दायर किया था।

एनआईए ने यह मामला जून 2014 में भारतीय दंड संहिता तथा गैरकानूनी गतिविधि निवारण अधिनियम की विभिन्न धाराओं के अंतर्गत दर्ज किया था। अप्रैल 2014 में 4,988 उच्च गुणवत्ता के 1,000 रुपये मूल्यवर्ग के जाली नोट बरामद किए गए थे। इनकी कुल अंकित राशि 49.88 लाख रुपये थी। यह खेप 17 और 18 अप्रैल 2014 को दुबई से लाई गई थी। बरामदगी नई दिल्ली के हवाई अड्डे पर हुई थी। जांच में सामने आया कि नूर मोहम्मद ने सह आरोपी एकरामुल अंसारी तथा अन्य के साथ आपराधिक षड्यंत्र रचा था। इस षड्यंत्र में पाकिस्तानी नागरिक सैयद मुहम्मद शफी उर्फ शफी चाचा भी शामिल था। भारत में उच्च गुणवत्ता के जाली भारतीय मुद्रा नोटों की खरीद, परिवहन, आपूर्ति और प्रचलन की योजना बनाई गई थी। एनआईए के अनुसार, देश की मौद्रिक स्थिरता को प्रभावित करने के उद्देश्य से रचे गए इस षड्यंत्र के तहत नूर मोहम्मद ने सह आरोपियों के बीच बैठकों की व्यवस्था कराई थी। उसने जब्त खेप की आपूर्ति पर भी निकट से निगरानी रखी थी।

उप्र में संपत्ति के विवाद में बेटे ने की मां-पिता, बहन और दादी की हत्या

एजेंसी

बहराइच। उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले के रुपईडीहा थाना क्षेत्र में संपत्ति के विवाद में एक बेटे ने अपने माता-पिता, दादी और बहन की कुल्हाड़ी से वार कर हत्या कर दी। घटना के बाद आरोपित ने खुद पर भी ईट मारकर जान देने का प्रयास किया।

पुलिस ने घायल आरोपित को अस्पताल में भर्ती कराया और फॉरेंसिक टीम के साथ घटनास्थल का मौका मुआयना किया है। पुलिस अधीक्षक आर.एन. सिंह ने बताया कि रुपईडीहा थाना क्षेत्र के बसंतपुर रूदल (रामगांव) में रहने वाले बदलूराम (60) किसान थे। परिवार में पत्नी संजू (56), बेटी पार्वती (42), बेटा गुरुदेव, निरंकार और दादी शीतला (80) थीं। बड़े बेटे गुरुदेव ने बताया कि कुछ साल पहले पिता ने जमीन बेची थी। उस पैसे और संपत्ति को लेकर छोटे भाई निरंकार से विवाद चल रहा था। उसी पैसे के बंटवारे के लिए रविवार रात को छोटा भाई घर आया। पिता ने पैसे देने से मना किया तो उसने पास रखी कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। बीच बचाव के दौरान उसने मां संजू, बहन पार्वती और दादी शीतला पर भी

कुल्हाड़ी से कई प्रहार कर दिए। स्थानीय लोग जब उसे पकड़ने लगे तो उसने अपने सिर पर भी ईंट मारकर लहूलुहान कर लिया। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि इस घटना की सूचना पर पहुंची थाना पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने पिता, मां, बहन और दादी को मृत घोषित कर दिया, जबकि घायल आरोपित निरंकार को प्राथमिक उपचार के बाद लखनऊ रेफर कर दिया। पुलिस ने मौके से खून से सनी कुल्हाड़ी और एक ईंट बरामद की है। उन्होंने बताया कि गुरुदेव की तहरीर पर हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है। घटना के पीछे संपत्ति के बंटवारे की बात सामने आ रही है। इसी के चलते ही आरोपित ने अपने ही परिवार को मौत के घाट उतार दिया है। घटना में अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

मणिपुर में तीन उग्रवादी गिरफ्तार, हथियार और चोरी की गाड़ी बरामद

एजेंसी

इम्फाल। सुरक्षा बलों और राज्य पुलिस ने पिछले 24 घंटों के दौरान इम्फाल पूर्व, इम्फाल पश्चिम और थौबल जिलों में अलग-अलग अभियानों में प्रतिबंधित उग्रवादी संगठनों के तीन सक्रिय कैडरों को गिरफ्तार किया है। मणिपुर पुलिस मुख्यालय के अनुसार सुरक्षा बलों ने प्रतिबंधित संगठन पीपल्स रिवॉल्यूशनरी पार्टी कांग्लेईपाक (प्रीपाक) के एक सक्रिय कैडर खुंद्रकपाम अनिलकुमार सिंह उर्फ मंगंगलकपा (21) को गिरफ्तार किया। वह सावोंबुंग थोंगखोंग का निवासी है। उसे इम्फाल पूर्व जिले के लामलाई थाना क्षेत्र के फाकनुंग आवांग लैकाई से पकड़ा गया। उसके पास से एक मोबाइल फोन बरामद किया गया।

एक अन्य अभियान में सुरक्षा बलों ने प्रीपाक (प्रो) के सक्रिय कैडर खैदेम नरेंद्र सिंह उर्फ अंगौ उर्फ मैकेइंगकपा (29) को इम्फाल पश्चिम जिले के वांगोई खैदेम लैकाई स्थित उसके आवास से गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से एक 9 एमएम पिस्तौल, एक मैगजीन, 9 एमएम की चार गोलियां तथा एक सिम कार्ड सहित मोबाइल

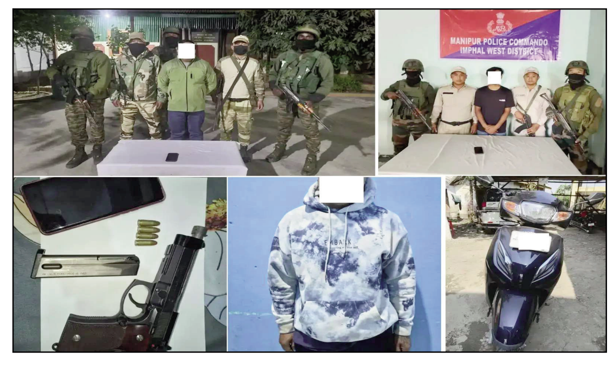

फोन बरामद किया गया।

एक अन्य कार्रवाई में सुरक्षा बलों ने प्रतिबंधित संगठन कांगलेई यावोल लुप (केवाईकेएल) के एक कैडर इबुंगोमाचा लैश्रम उर्फ रॉकी उर्फ इबोमचा (43) को थौबल जिले के थौबल थाना क्षेत्र के यैरिपोक लमखाई इलाके से गिरफ्तार किया। वह नगालैंड के पेरेन जिले के गैली गांव का निवासी है और वर्तमान में इम्फाल पश्चिम जिले के सिंगजामेई युमनाम लैकाई में रह रहा था। उसके पास से एक सिम कार्ड सहित मोबाइल फोन जब्त किया गया। इस बीच मणिपुर पुलिस ने मयांग इम्फाल क्षेत्र से एक होंडा एक्टिवा दोपहिया वाहन भी बरामद किया। यह वाहन 11 फरवरी को इम्फाल पश्चिम जिले के पटसोई थाना क्षेत्र से चोरी हुआ बताया गया है।

भाजपा की 'परिवर्तन संकल्प रथ यात्रा' का गड़बेता से भव्य आगाज

एजेंसी

मेदिनीपुर। पश्चिम बंगाल में संगठनात्मक मजबूती और जनसंपर्क बढ़ाने के उद्देश्य से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की 'परिवर्तन संकल्प रथ यात्रा' का भव्य आगाज हुआ। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने पश्चिम मेदिनीपुर जिले के गड़बेता में जय जगन्नाथ के उद्घोष के साथ रथ यात्रा का विधिवत उद्घाटन किया। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान शनिवार देर रात ट्रेन से खड़गपुर पहुंचे और मुंबई रोड स्थित एक निजी होटल में विश्राम किया। रविवार सुबह उन्होंने खड़गपुर के प्रसिद्ध जगन्नाथ मंदिर में दर्शन कर विशेष पूजा-अर्चना की और राज्य की सुख-समृद्धि की कामना की। उन्होंने मंदिर परिसर में स्थानीय लोगों और सेवायतों से संक्षिप्त बातचीत भी की। मंदिर दर्शन के बाद केंद्रीय मंत्री खड़गपुर के कार्यकर्ताओं के साथ सीधे गड़बेता के लिए रवाना हुए। गड़बेता ब्लॉक कार्यालय के सामने आयोजित विशाल जनसभा में भाजपा

कार्यकर्ताओं के उत्साह के बीच उन्होंने 'परिवर्तन संकल्प रथ' को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उद्घाटन समारोह के दौरान 'जय श्री राम' और 'भारत माता की जय' के नारों से पूरा गड़बेता गुंजायमान रहा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने कहा कि यह यात्रा केवल भाजपा की यात्रा नहीं, बल्कि बंगाल की जनता के संकल्प की यात्रा है। उन्होंने बताया कि इस यात्रा के माध्यम से पार्टी अपनी नीतियों को जमीनी स्तर तक पहुंचाने और आगामी चुनावों के लिए कार्यकर्ताओं में ऊर्जा भरने का प्रयास करेगी। उन्होंने कहा कि लूट कटमनी लेने वाली सरकार को बख्शा नहीं जाएगा, सबको जेल जाना पड़ेगा। बंगाल की जनता अब तृणमूल के नेताओं के दबंगई से थक चुकी है, आने वाले चुनाव में जनता स्पष्ट फैसला करेगी। उन्होंने कहा बंगाल में स्कूल तो हैं, लेकिन स्कूलों में शिक्षक नहीं हैं। इसी बंगाल में ईश्वरचंद्र विद्यासागर ने नारी शिक्षा के लिए कितना सुदृढ़ कार्य किया था और स्वामी विवेकानंद ने भी इसी धरती से पूरे विश्व को जगाया। लेकिन वर्तमान सरकार उनके विचारों के विरुद्ध जाकर बंगाल को बर्बाद कर रही है। वहीं, स्थानीय नेताओं ने जिले की कानून व्यवस्था और विकास की गति पर भी सवाल उठाए। इस अवसर पर भाजपा विधायक शुभेंदु अधिकारी, झाड़ग्राम के जिलाध्यक्ष तूफान महतो, सोनाली मुर्मू, सुमित कुमार दास, इंद्रनील घोष सहित प्रदेश के कई वरिष्ठ नेता और भारी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

नोएडा में 'ही फाउंडेशन' ने जरूरतमंद बच्चों संग मनाई जागरूकता भरी होली

एजेंसी

नोएडा। 'ही फाउंडेशन' ने सेवा और सामाजिक जागरूकता के संकल्प के साथ जरूरतमंद बच्चों के बीच होली का पर्व उत्साहपूर्वक मनाया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों के चेहरों पर मुस्कान लाने के साथ उन्हें शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षित होली के प्रति जागरूक करना रहा। नोएडा के सेक्टर 139 में आयोजित कार्यक्रम में बच्चों को कॉपी, पेन, पेंसिल, किताबें और गुलाल वितरित किए गए। संस्था के पदाधिकारियों ने प्राकृतिक रंगों से होली खेलने का संदेश दिया। रासायनिक रंगों से होने वाले दुष्प्रभावों की जानकारी दी गई। नियमित पढ़ाई और स्वच्छता के महत्व पर भी बच्चों को जागरूक किया गया। इस अवसर पर दिनेश सोलंकी, चौकी इंचार्ज सरस्वती इन्क्लेव, डॉ. दिव्या सिंह, जनरल फिजिशियन फेलिक्स हॉस्पिटल, रामशरण शर्मा, उपनिरीक्षक यूपी पुलिस, प्रभात रंजन, प्रधानाचार्य बीपीएस इंटरनेशनल स्कूल और फैशन डिजाइनर अनामिका ठाकुर सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

अतिथियों ने बच्चों के साथ फूलों की होली खेली और उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रेरित किया। संस्था ने बताया कि वह स्वास्थ्य, शिक्षा और पर्यावरण के क्षेत्र में समाज के जरूरतमंद वर्गों के लिए निरंतर कार्य कर रही है। कार्यक्रम को सफल बनाने में वरिष्ठ पत्रकार अभिषेक गुप्ता सहित फाउंडेशन की टीम के सदस्य याशिका मित्तल, प्रखर वार्ष्णेय, ब्रह्मानंद झा, दुर्गा प्रसाद, खुशबू झा, प्रशांत यादव और विकास थापा का विशेष योगदान रहा।

केरल ने मध्य पूर्व में तनाव के बीच कक्षा 10 और 12 की परीक्षाएं स्थगित की

एजेंसी

तिरुवनंतपुरम । पश्चिम एशिया के कुछ हिस्सों में बढ़ते तनाव और सशस्त्र संघर्ष के बीच, केरल सरकार ने भारतीय प्रवासी समुदाय के छात्रों के लिए मध्य पूर्व के केंद्रों में निर्धारित चुनिंदा बोर्ड परीक्षाओं को स्थगित कर दिया है। राज्य के शिक्षा मंत्री वी. शिवनकुट्टी ने क्षेत्र में बिगड़ती सुरक्षा स्थिति का हवाला देते हुए सोमवार को इस निर्णय की घोषणा की। मंत्री ने कहा कि मध्य पूर्व में व्याप्त युद्ध जैसी स्थितियों के कारण खाड़ी देशों में परीक्षाएं आयोजित करना एक चुनौती बन गया है। खाड़ी देशों के केंद्रों में 5 मार्च को होने वाली माध्यमिक विद्यालय परिवीक्षा प्रमाणपत्र (एसएसएलसी) परीक्षा स्थगित कर दी गई है। इसके अलावा, 5, 6 और 7 मार्च को होने वाली उच्च माध्यमिक परीक्षाएं भी स्थगित कर दी गई हैं। मंत्री ने कहा कि स्थगित परीक्षाओं की संशोधित तिथियों की घोषणा बाद में की जाएगी। सरकार ने खाड़ी देशों और केरल दोनों जगह के छात्रों के बीच बढ़ती चिंता को स्वीकार किया है।

केंद्र सरकार सरकार सिखों के लिए सम्मान और न्याय सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध : प्रधानमंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि केंद्र सरकार सरकार सिखों के लिए सम्मान और न्याय सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। नवी मुंबई में श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी समागम को आज प्रधानमंत्री ने वीडियो संदेश के माध्यम से संबोधित किया।

अपने संबोधन की शुरुआत 'जो बोले सो निहाल, सत श्री अकाल' के उद्घोष के साथ करते हुए उन्होंने कहा कि आज सभी लोग हिंद की चादर श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी पर्व पर उनका पुण्य स्मरण कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत का इतिहास शौर्य, समन्वय और सहयोग का इतिहास रहा है तथा महाराष्ट्र की धरती पर आयोजित यह कार्यक्रम उसी महान विरासत का साक्षी है। उनके अनुसार हर वर्ग ने गुरुजी से प्रेरणा लेकर सत्य और संस्कृति के लिए अडिग रहना सीखा। सिख विरासत को सम्मान पर उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार गुरु साहिबों से जुड़े ऐतिहासिक अवसरों को राष्ट्रीय स्तर पर मना रही है, जिसमें 400वां प्रकाश पर्व, स्मृति डाक टिकट और विशेष सिक्का जारी करना तथा गुरु नानक देव जी का 550वां प्रकाश पर्व मनाना शामिल है। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार ने वीर बाल दिवस की शुरुआत की, करतारपुर साहिब कॉरिडोर का निर्माण रिकॉर्ड समय में पूरा किया, हेमकुंड साहिब यात्रा के लिए सुविधाएं बढ़ाई तथा सिख संस्थाओं को विभिन्न स्तरों पर राहत प्रदान की।

उन्होंने 1984 दंगों की जांच के लिए एसआईटी गठन, मामलों को दोबारा खोलने, पीड़ितों को अतिरिक्त मुआवजा देने और राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग को सक्रिय बनाने का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान में सिखों की सुरक्षा के प्रश्न पर सरकार ने मिशन मोड में काम किया, गुरु ग्रंथ साहिब के स्वरूपों को

सम्मानपूर्वक वापस लाया और नागरिकता संशोधन कानून के माध्यम से उत्पीड़ित सिख शरणार्थियों को राहत दी। उन्होंने बताया कि यह समागम एक निरंतर चलने वाली यात्रा है, जिसकी शुरुआत पिछले वर्ष नागपुर से हुई, फिर तख्त श्री हजूर साहिब में इसका विस्तार हुआ और अब नवी मुंबई में यह महत्वपूर्ण पड़ाव पर पहुंची है। उन्होंने यात्रा का संदेश महाराष्ट्र के हजारों गांवों तक पहुंचाने के लिए राज्य सरकार को बधाई दी।

देश श्री गुरु तेग बहादुर साहिबजी के बलिदान का हमेशा कर्जदार रहेगा : अमित शाह

एजेंसी

मुंबई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नवी मुंबई में स्थित खारघर में कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर साहिबजी की शहादत, जिन्हें पूरे देश में हिंद दी चादर के नाम से सम्मान दिया जाता है, न केवल सिख समुदाय के लिए बल्कि पूरी मानवता के लिए एक प्रेरणा है। उन्होंने धार्मिक स्वतंत्रता और मानवाधिकारों की रक्षा के लिए अपना जीवन कुर्बान कर दिया। देश हमेशा उनके बलिदान का कर्जदार रहेगा।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह अल्पसंख्यक विकास विभाग और राज्य स्तरीय समागम समिति की ओर से नवी मुंबई के खारघर में 'हिंद दी चादर' श्री गुरु तेग बहादुर साहिबजी के 350वें शहीदी समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस पहल का महत्व बताते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, बाबा हरनाम सिंह जी ने 'हिंद की चादर' का संदेश हर गुरुद्वारे और हर बस्ती तक पहुंचाने का बहुत अच्छा काम किया है। राज्य सरकार द्वारा पहले नांदेड़ और नागपुर में आयोजित 'हिंद की चादर' उत्सव को अचानक प्रतिक्रिया मिली और उन्होंने यह भी कहा कि

नवी मुंबई में कार्यक्रम में सिख भाइयों सहित समाज के विभिन्न वर्गों की बड़ी भागीदारी रही। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक ऑडियो-विजुअल रिकॉर्डिंग के जरिए कहा कि गुरु द्वारा दिया गया त्याग और सामाजिक एकता का संदेश आज भी उतना ही महत्वपूर्ण है, जितना पहले था। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि गुरु ने त्याग की पराकाष्ठा को प्राप्त किया। उस दौरान समाज के सभी वर्ग एक साथ खड़े हुए। समाज को सच्चाई और संस्कृति के लिए अडिग रहने की प्रेरणा मिली। सामाजिक एकता के इस महान बलिदान में गुरु गोबिंद सिंह और गुरु नानक नाम लेवा संगत ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि आज जब देश को फिर से सामाजिक एकता की ज़रूरत है, तब यह समागम उम्मीद जगाने वाला साबित हो रहा है। यह यात्रा पिछले साल नागपुर से शुरू हुई थी।

उसके बाद तख्त श्री हजूर साहिब, नांदेड़ में प्रोग्राम हुआ और अब यह समागम नवी मुंबई में एक अहम पड़ाव पर पहुंच गया है। इस पहल के ज़रिए श्री गुरु तेग बहादुर की वीरतापूर्ण कहानी महाराष्ट्र के हज़ारों गांवों तक पहुंचाई गई है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस आयोजन के लिए महाराष्ट्र सरकार को बधाई दी। इस मौके पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा अजीत पवार, अखिल भारतीय धर्मजागरण के प्रमुख शरदराव धोले, शहीदी समागम समिति के मार्गदर्शक बाबा हरनाम सिंह जी, दमदमी टकसाल के मुखी, संत समाज के प्रधान, बंजारा समाज के धार्मिक गुरु बाबूसिंह महाराज, राज्य स्तरीय समन्वय समिति के समन्वयक रामेश्वर नाइक, राज्य स्तरीय समन्वय समिति के संयोजक बाल मलकीत सिंह आदि मौजूद थे।

संचार मंत्रालय की उत्तर क्षेत्र समीक्षा बैठक में राजस्व, पेंशन और अनुपालन तंत्र पर हुआ मंथन

एजेंसी

नई दिल्ली। संचार लेखा महानियंत्रक वंदना गुप्ता ने उत्तर क्षेत्र समीक्षा बैठक मेंदूरसंचार राजस्व संग्रह, पेंशन वितरण प्रणाली की समीक्षा, लाइसेंस शुल्क और स्पेक्ट्रम उपयोग शुल्क की निगरानी, इंटरनेट सेवा प्रदाताओं के अनुपालन तंत्र को सरल बनाने तथा आंतरिक लेखा परीक्षण को सुदृढ़ करने जैसे प्रमुख विषयों पर चर्चा की। बैठक में 'जीवन की सुगमता' और 'कारोबार की सुगमता' को केंद्र में रखते हुए स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित किए गए। केंद्रीय संचार मंत्रालय ने बताया कि 28 फरवरी से 1 मार्च तक आयोजित की गई बैठक में जम्मू-कश्मीर, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश पूर्व, उत्तर प्रदेश पश्चिम और दिल्ली के संचार लेखा नियंत्रक कार्यालयों ने भाग लिया। उत्तर क्षेत्र वर्तमान में 850 से अधिक लाइसेंसधारकों का प्रबंधन कर रहा है। चालू वित्त वर्ष में अब तक इस क्षेत्र ने 6,500 करोड़ रुपये से अधिक का लाइसेंस शुल्क तथा लगभग 750 करोड़ रुपये का स्पेक्ट्रम उपयोग शुल्क संग्रहित किया है। कुल दूरसंचार राजस्व संग्रह 7,250 करोड़ रुपये से अधिक रहा है। बैठक में 1.10 लाख से अधिक पेंशनभोगियों के कल्याण से जुड़े विषयों की भी समीक्षा की गई। ये पेंशनभोगी दूरसंचार विभाग, भारत संचार निगम लिमिटेड और महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड से संबंधित हैं। पेंशन वितरण प्रक्रिया को सरल और समयबद्ध बनाने पर जोर दिया गया। शिकायत निवारण तंत्र को और प्रभावी करने के निर्देश दिए गए। राजस्व और बजट सत्र में वित्तीय प्राप्तियों की सटीक निगरानी और राजकोषीय अनुशासन सुनिश्चित करने पर चर्चा हुई। इंटरनेट सेवा प्रदाताओं को मार्गदर्शन देने तथा प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने की रणनीति पर विचार किया गया। उद्देश्य है कि लाइसेंसधारकों के लिए अनुपालन प्रक्रिया सरल हो और कारोबारी वातावरण मजबूत बने। आंतरिक लेखा परीक्षण प्रणाली को मजबूत करने पर विशेष बल दिया गया। संस्थागत पारदर्शिता और जवाबदेही बनाए रखने के लिए नियमित निरीक्षण और समीक्षा तंत्र को और प्रभावी बनाने का निर्णय लिया गया।

बैठक में अनुभव साझा करने का सत्र भी आयोजित हुआ। विभिन्न क्षेत्रों के प्रमुखों ने सफल कार्यप्रणालियों और नवाचारों की जानकारी दी।

टी20 वर्ल्ड कप: 39 साल पुरानी हार का बदला लेगा भारत, इंग्लैंड को हराकर पहुंचेगा फाइनल में

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 का दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला 4 मार्च को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा, जिसमें टीम इंडिया और इंग्लैंड आमने-सामने होंगी। यह मुकाबला दोनों टीमों के लिए खास है, क्योंकि ये लगातार तीसरी बार टी20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में टकरा रही हैं। भारतीय टीम के पास इस बार पुराने अनुभव और हार का बदला लेने का मौका है, जबकि इंग्लैंड ने ग्रुप-2 में टॉप करके अपनी ताकत साबित की है। फैंस के लिए यह मुकाबला इतिहास और आधुनिक क्रिकेट का अनोखा संगम साबित होगा।

इतिहास की यादें और बदला लेने का मौका

वानखेड़े स्टेडियम क्रिकेट इतिहास में कई यादगार मैचों की गवाह रहा है। खासतौर पर 5 नवंबर 1987 को हुए वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में भारत को इंग्लैंड के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। उस समय भारत डिफेंडिंग चैंपियन था और घरेलू फैंस की उम्मीदें आसमान छू रही थीं। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारत की टीम इंग्लैंड के 254 रनों के स्कोर का पीछा करते हुए 219 पर ऑलआउट हो गई थी। यह हार भारतीय क्रिकेट प्रेमियों के लिए एक बड़ा झटका साबित हुई थी। अब, 39 साल बाद वही मैदान और वही टीमें, लेकिन टी20 फॉर्मेट में, टीम इंडिया इस पुरानी हार का बदला लेने के लिए पूरी तरह तैयार है।

टीमों की फॉर्म और सेमीफाइनल तक का सफर

इंग्लैंड ने ग्रुप-2 में शीर्ष स्थान हासिल किया और सुपर-8 में अपनी पकड़ मजबूत रखी। वहीं, भारत ने सुपर-8 राउंड को दूसरे स्थान पर खत्म किया। भारतीय टीम ने पिछले मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए वेस्टइंडीज को हराकर आत्मविश्वास बढ़ाया है। अब इंग्लैंड के खिलाफ यह मुकाबला केवल सेमीफाइनल नहीं, बल्कि भारत के लिए एक पुरानी हार की भरपाई और फाइनल की टिकट सुनिश्चित करने का अवसर है।

टीम इंडिया की बल्लेबाजी और गेंदबाजी में संतुलन इस मैच की कुंजी होगी। रोहित शर्मा की कप्तानी, युवा खिलाड़ियों का उत्साह और अनुभवी खिलाड़ियों का अनुभव टीम को जीत की ओर ले जा सकता है। वहीं, इंग्लैंड की तेज़ और रणनीतिक बल्लेबाजी भी भारतीय टीम के लिए चुनौती पेश करेगी।

मुकाबले का महत्व और भविष्य की संभावनाएं

इस सेमीफाइनल का नतीजा टी20 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में प्रवेश का रास्ता तय करेगा। भारतीय टीम अगर जीतती है, तो इतिहास की पुरानी हार का बदला लेते हुए फाइनल में कदम रखेगी। वहीं, इंग्लैंड अपने लगातार अच्छे प्रदर्शन का सिलसिला जारी रखते हुए भारतीय चुनौती को मात देने की कोशिश करेगा।

बीसीसीआई ने भारतीय टीम की जीत के बाद का विडियो जारी किया

–घुटने पर बैठकर हाथ जोड़ते नजर आये सैमसन

कोलकाता (एजेंसी)। संजू सैमसन की नाबाद अर्धशतकीय पारी से भारतीय क्रिकेट टीम ने टी20 विश्वकप के तीसरे और अंतिम सुपर-8 मैच में वेस्टइंडीज को पांच विकेट से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। भारतीय टीम की जीत के बाद सैमसन ने ड्रेसिंग रूम में पहुंचते ही सबसे पहले घुटने टेककर और हाथ जोड़कर ईश्वर को याद किया। इस मैच में भारतीय टीम को जीत के लिए 196 रनों का कठिन लक्ष्य मिला था जिसे भारतीय टीम ने सैमसन की 97 रनों की पारी से हासिल कर लिया। सैमसन ने अपने करियर की सबसे अच्छी पारियों में से एक खेलकर एक बार फिर अपनी क्षमताएं दिखायी हैं। भारतीय टीम की जीत के बाद क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने एक वीडियो भी सोशल मीडिया में जारी किया है जिसमें भारतीय टीम की जीत के बाद के पलों को दिखाया गया है।

इस वीडियो में दिख रह है कि सैमसन के विजयी शॉट लगाते ही डगआउट में मौजूद सभी खिलाड़ी खुशी से झूम उठते हैं। इसके बाद सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा मैदान पर दौड़ लगाते हैं। कप्तान सूर्यकुमार यादव टीम टीम के साथ मैदान में उतरते हैं और सैमसन से मिलते हैं। इसके बाद बाकी खिलाड़ी भी उनसे मिलते हैं। वीडियो के अंत में नजर आता है कि ड्रेसिंग रूम में पहुंचते ही सैमसन अपनी किट के आगे घुटने टेकते हैं और फिर हाथ जोड़कर ऊपर वाले का आभार जताते हैं।

सैमसन ने मैच के बाद कहा, 'मुझे लगता है कि पिछले गेम में हम पहले बल्लेबाजी कर रहे थे, तो बड़ा स्कोर बनाने पर ध्यान था। इस बार मैं पहली गेंद से ही बड़ा स्कोर बनाना चाहता था। लेकिन यह गेम बिल्कुल अलग था। मुझे लगता है कि जैसे ही मैं तेजी से खेलने जाना चाह रहा था तभी हम विकेट खो रहे थे। इसलिए मुझे लगा कि हमें एक साझेदारी की जरुरी है। मैं अत टिककर खेलने पर ध्यान देने लगा। मुझे कभी नहीं लगा कि मैं ऐसा कुछ खास कर पाऊंगा, लेकिन मैं बस अपनी भूमिका पर ध्यान दे रहा था। इस दौरान मैं एक बार में एक ही गेंद पर ध्यान दे रहा था। ये मेरी सबसे अच्छी पारियों में से एक रही।'

अभी भी मेरे अंदर भारतीय टीम से खेलने का जुनून : शमी

मुम्बई (एजेंसी)। पिछले काफी समय से भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी का कहना है कि उनके अंदर अभी भी भारतीय टीम से खेलने का जुनून है। शमी ने पिछले कुछ समय में घरेलू क्रिकेट में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है पर इसके बाद भी उनकी उपेक्षा हुई है। शमी ने अंतिम बार साल 2025 में खेला था। इसके बाद से ही वह किसी भी प्रारुप में नहीं खेले हैं हालांकि वह घरेलू क्रिकेट में लगातार खेल रहे हैं। शमी का कहना है कि वह अभी भी देश के लिए खेलना चाहते हैं। साथ ही कहा कि उनमें अभी भी खेलने की क्षमता है।

शमी ने कहा, 'मैं हमेशा कहता हूं, चाहे आप कोई भी खेल खेलें, अगर आपके अंदर योग्यता है तो उसे बेकार न करें। ' नवंबर 2024 में लंबी चोट के बाद वापसी करने के बाद शमी ने घरेलू क्रिकेट में काफी मेहनत की है। रणजी ट्रॉफी 2025-26 सीजन में बंगाल के लिए खेलते हुए वह काफी अच्छे फॉर्म में नजर आये। सेमीफाइनल में जम्मू-कश्मीर के खिलाफ उन्होंने काफी अच्छा खेल दिखाया है। इस सीजन की 12 पारियों में शमी ने 36 विकेट लिए हैं और वे टूर्नामेंट में छठे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं।

2025 की शुरुआत में टी20 मैचों और विजेता चैंपियंस ट्रॉफी में शामिल रहने के बाद भी उन्हें भारतीय टीम में जगह नहीं मिली। वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में भी उन्हें शामिल नहीं किया गया और ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भी वे एकदिवसीय और टी20 टीम से बाहर रहे। वही ये भी सवाल उठ रहे हैं कि क्या वे फिर से पांच दिन का लंबा प्रारुप खेल पाएंगे। इसको लेकर उन्होंने कहा, 'देश का प्रतिनिधित्व करने की बात हो तो मैं अपना सब कुछ दे दूंगा। मैं कभी पीछे मुड़कर ये नहीं सोचना चाहता कि मैंने अपनी क्षमता का थोड़ा भी हिस्सा अधूरा छोड़ दिया।' शमी की इन बातों से एक बात तो साफ है कि वह आलोचनाओं से डरे नहीं हैं। उन्होंने कहा हर खिलाड़ी देश के लिए खेलना चाहता है और मैं भी हमेश तैयार हूं।

मध्यपूर्व में जारी संघर्ष के कारण स्वदेश नहीं लौट पा रही जिम्बाब्वे टीम

मुम्बई (एजेंसी)। खाड़ी देशों में जारी संघर्ष के कारण जिम्बाब्वे की टीम टी20 विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट से बाहर होने के बाद भी भारत में ही फंसी हुई है। जिम्बाब्वे की टीम दुबई हवाई अड्डे के बंद होने के बाद से ही स्वदेश वापसी की योजना पर अपने क्रिकेट बोर्ड के अगले आदेश का इंतजार कर रही है।

जिम्बाब्वे की टीम रविवार को सुपर आठ चरण के अपने अंतिम मैच में दक्षिण अफ्रीका से हार के बाद से ही स्वदेश लौटने की तैयारी में लगी थी पर अचानक ही अमेरिका और इजरायल के ईरान पर हमले के बाद से ही खाड़ी देशों से सभी उड़ाने बाधित हो गयीं। टीम के अधिकांश खिलाड़ी सोमवार सुबह से दिल्ली से तीन अलग-अलग चरणों में रवाना होने वाले थे पर ये संभव नहीं हुआ। टीम के मुख्य कोच जस्टिन सैमन्स ने बताया कि अभी वापसी को टाल दिया गया है अभी हम इंतजार की रणनीति पर काम कर रहे हैं।

वहीं जिम्बाब्वे के ऑलराउंडर ग्रीम क्रीमर दुबई में रहते हैं और मध्य पूर्व के प्रमुख हवाई अड्डों के हवाई क्षेत्र बंद होने के बाद उनकी यात्रा योजना भी अभी टल गई है। टीम के अन्य खिलाड़ियों को दुबई से आगे की उड़ान लेनी थी। मुख्य कोच सैमन्स ने कहा, खिलाड़ियों के लिए इस तरह की स्थिति की अनदेखी करना कठिन है लेकिन फिर भी सबका ध्यान रविवार को मैच के दौरान खेल पर ही था। उन्होंने मौजूदा स्थिति से खेल के प्रभावित होने के बारे में पूछे जाने पर कहा, सबके दिमाग में यह था कि उन्हें सोमवार को घर के लिए निकलना है। टीम के अंदर इस पर बात हो रही थी पर मैदान पर कदम रखते समय उनका पूरा ध्यान मैच पर ही था। सैमन्स ने कहा कि रविवार को टीम को कोई नई जानकारी नहीं दी गई है। उन्होंने कहा, जब हमने मैच शुरू किया था, तब कोई जानकारी नहीं थी। उसके बाद पूरा ध्यान खेल पर रहा। तब से मुझे कोई जानकारी नहीं मिली है। दुबई हवाई अड्डा बंद होने के कारण खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के लिए अब अदीस अबाबा स्थित इथोपियाई एयरलाइंस के जरिए स्वदेश लौटने का विकल्प है। वहीं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने भी कहा है कि टी20 विश्व कप से लौट रहे खिलाड़ियों और अधिकारियों के लिए वैकल्पिक उड़ानों की व्यवस्था कर रही है। यह कदम अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष के कारण उड़ाने बंद होने के कारण उठाया गया है। हमलों के बाद उत्पन्न व्यवधान को देखते हुए उठाया जा रहा है। वहीं दक्षिण अफ्रीका की टीम सेमीफाइनल में पहुंची है और उसके दिमाग में भी वापसी को लेकर संशय है। टीम के मुख्य कोच शुक्री कॉनराड ने कहा कि पश्चिम एशिया में संघर्ष की स्थिति खिलाड़ियों के बीच चर्चा का विषय रहा है। आप इसे नजरअंदाज नहीं कर सकते पर हमारा ध्यान खेल पर ही रहेगा।

डेनमार्क में लगभग एक करोड़ 8 लाख में नीलाम हुआ पहले ओलंपिक का पदक

कोपेनहेगन । डेनमार्क में एक नीलामी में आधुनिक ओलंपिक खेलों के पहले मेडल को लगभग एक करोड़ आठ लाख रुपये यूरो में बेचा गया है। 'ब्रून रासमुसेन आर्ट्स ऑक्शनियर्स 'द्वारा आयोजित नीलामी में इस पदक को बिक्री के लिए रखा गया था, जो 1896 में एथेंस में आयोजित दुनिया के पहले आधुनिक ओलंपिक खेलों में प्रदान किया गया था। उन खेलों में, पहले स्थान पर आने वाले विजेताओं को रजत पदक (सिल्वर मेडल) दिए गए थे, जबकि दूसरे स्थान पर रहने वालों को कांस्य पदक (ब्रोंज मेडल) प्रदान किए गए थे। स्वर्ण पदक बाद के ओलंपिक खेलों में दिया जाने लगा था। प्रसिद्ध फ्रांसीसी कलाकार जूल्स–क्लेमेंट चैपलैन द्वारा उकेरा गया यह पदक शास्त्रीय प्रतीकों से समृद्ध है। पदक के सामने के हिस्से पर फूल–पत्तों के मुकुट से सुसज्जित यूनानी देवता ज़्यूस का चित्र है, जिन्होंने अपने हाथ में एक ग्लोब पकड़ा हुआ है, जिसके ऊपर विजय की देवी नाइकी जैतून की टहनी लिये खड़ी हैं। पहले आधुनिक ओलंपिक में 14 देशों के 241 एथलीटों ने हिस्सा लिया था, जिन्होंने नौ खेलों और 43 स्पर्धाओं में प्रतिस्पर्धा की थी।

सैमसन की प्रशंसा करते हुए गंभीर बोले, हमेशा से उसकी क्षमताओं का अंदाजा था

कोलकाता। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने तीसरे सुपर–8 मुकाबले में शानदार पारी खेलने वाले बल्लेबाज संजू सैमसन की जमकर प्रशंसा की है। साथ ही कहा वह हमेशा से उसकी क्षमता जानते थे। गंभीर के अनुसार कहते हैं कि सब्र का फल मीठा होता है और यही उसे मिला है। सैमसन को न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में खराब प्रदर्शन के कारण विश्वकप के शुरुआती मैच के लिए टीम में जगह नहीं मिली थी। न्यूजीलैंड के खिलाफ उस सीरीज

में सैमसन एक बार भी 30 रन तक नहीं पहुंच पाये थे, वहीं एक बार वह शून्य पर ही आउट हुए थे। इसके अलावा गोल्डन डक के साथ वह कुल 3 बार दो अंकों तक भी नहीं पहुंच पाये थे। गंभीर ने कहा, संजू एक विश्व स्तरीय खिलाड़ी है, सही जानते हैं कि वह कितना अच्छा खिलाड़ी है। टीम को जब उसकी सबसे ज्यादा जरूरत थी, तो उससे अपने को साबित किया। वेस्टइंडीज के खिलाफ मैच में उसकी क्षमताएं सामने आई हैं। उम्मीद है, यह उसके लिए बेहतर प्रदर्शन का समय है और आगे के दो और गेम में भी रहेगा। उसने वेस्टइंडीज के खिलाफ पारी में कभी भी तेज खेलने का प्रयास नहीं किया। केवल सामान्य शॉट ही लगाये। मैंने उसे कभी बॉल को ताकत से मारते हुए भी नहीं देखा, और उसमें इसी तरह की प्रतिभा है। जब आपको पता होता है कि गेम आपके नियंत्रण में है और आप जानते हैं कि आप अच्छा महसूस कर रहे हैं, तो मनोबल बढ़ा रहता है। वह नेट्स में भी गेंद को बहुत अच्छी तरह से खेल कर रहा है और अब उसने मैदान में उसी क्षमता को दिखाया है। उसे पता था कि विकेट बहुत अच्छा था, आउटफील्ड भी तेज थी, मैंने हमेशा कहा है कि वह एक शीर्ष स्तर का खिलाड़ी है, वह एक शानदार प्रतिभा है, उम्मीद है कि हम संजू से ऐसी और भी पारियों की उम्मीद करेंगे।

कोच अमेलिया के मार्गदर्शन में वियतनाम के खिलाफ उतरेगी भारतीय महिला फुटबॉल टीम

–एएफसी महिला एशियन कप फुटबॉल

पर्थ (एजेंसी)। एएफसी महिला एशियन कप फुटबॉल में भारतीय महिला टीम 4 मार्च को वियतनाम के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। भारतीय टीम को इस मुकाबले में पूरी ताकत से उतरना होगा। इसका कारण है कि वियतनाम का प्रदर्शन पिछले कुछ समय में लगातार बेहतर हुआ है। नई मुख्य कोच अमेलिया वाल्वेर्दे, के मार्गदर्शन में भारतीय टीम का ये पहला मुकाबला होगा। ये मुकाबला टीम के लिए आसान नहीं होगा। वियतनामी टीम साल 2022 में क्वार्टरफाइनल में पहुंची थी। इस मुकाबले के बाद भारतीय टीम को दो बार की विजेता जापान से खेलना होगा। ये मुकाबला भी काफी कठिन होगा क्योंकि जापान फीफा रैंकिंग में शीर्ष टीमों में से एक है। जापान की

कई खिलाड़ी इंग्लैंड लीग में भी खेलती हैं, जिससे भी वह काफी बेहतर मानी जाती हैं।

भारतीय टीम 10 मार्च को भारत चीनी ताइपे से खेलेगी। फीफा रैंकिंग में 67वें स्थान पर मौजूद भारत के लिए नॉकआउट चरण में पहुंचना बड़ी उपलब्धि होगी। कोच वाल्वेर्दे के अनुसार भारतीय टीम के पास सही मिश्रण और सही सोच है। मौजूद जानकारी के अनुसार भारतीय टीम में युवा जोश और अनुभव का संतुलन है। 2022 संस्करण में शामिल सात खिलाड़ी फिर से टीम में हैं, जबकि छह नए चेहरे पहली बार इस मंच पर उतरेंगे।इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल और क्वार्टरफाइनल में हारने वाली टीमों के बीच प्ले-ऑफ जीतने वाली दो टीमों को सीधे 2027 विश्व कप के लिए प्रवेश मिलो जबकि बच हुई टीमों को इंटर-कॉन्टिनेंटल प्ले-ऑफ के जरिये आगे जाना होगा। इस टूर्नामेंट में अगले 20 दिनों टूर्नामेंट में 12 टीमें 27 मुकाबलों में उतरेंगी जिससे एशियाई चैंपियन का फैसला होगा। इससे उनकी 2027 महिला विश्व कप और 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक की राह भी आसान होगी। मेजबान ऑस्ट्रेलिया के लिए यह टूर्नामेंट बेहद खास माना जा रहा है। स्टार खिलाड़ी सैम केर की कप्तानी वाली टीम की स्वर्णिम पीढ़ी के लिए घरेलू मैदान पर बड़ा खिताब जीतने का यह शायद आखिरी मौका हो सकता है।

ईरान का फुटबॉल विश्व कप में खेलना संदिग्ध

तेहरान। ईरान के फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष मेहदी ताज ने कहा कि अमेरिका और इजरायल के उनके देश पर किए गए हमले के बाद वह पक्के तौर पर नहीं कह सकते कि उनकी टीम इस साल अमेरिका में होने वाले फीफा विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट में खेल पाएगी या नहीं। मेहदी ताज ने कहा, 'निश्चित रूप से इस हमले के बाद हम विश्व कप में भाग लेने को लेकर उम्मीद की दृष्टि से नहीं देख सकते।' अमेरिका और इजरायल के हमले के बाद ईरान ने भी जवाबी हमले किए। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद इस देश का भविष्य अनिश्चितता में डूब गया है और क्षेत्रीय अस्थिरता का खतरा बढ़ गया है। विश्व कप में ईरान को ग्रुप जी में रखा गया है और उसे इंग्लेवुड, कैलिफोर्निया में 15 जून को न्यूजीलैंड और 21 जून को बेल्जियम के खिलाफ मैच खेलने हैं। इसक बाद वह 26 जून को सिएटल में मिस्र के खिलाफ पहले दौर का अपना अंतिम मैच खेलेगा। विश्व कप फुटबॉल 11 जून से 19 जुलाई तक अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में खेला जाएगा।

बाबर के बचाव में उतरे पुजारा

मुम्बई । भारतीय टेस्ट टीम के बल्लेबाज रहे चेतेश्वर पुजारा ने कहा है टी20 विश्वकप में पाकिस्तान के खराब प्रदर्शन के लिए केवल अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम को ही दोष देना सही नहीं हैं। पुजारा के अनुसार टीम प्रबंधन को बाबर के साथ स्पष्ट रुप से बातचीत कर बताना चाहिये कि टीम उनसे क्या चाहती है। पुजारा ने कहा कि अगर बाबर टीम की भविष्य की योजनाओं में फिट नहीं बैठते हैं, तो उन्हें यह बात स्पष्ट रुप से बता देनी चाहिये। उनके अनुसार, केवल एक खिलाड़ी से ही परिणाम प्रभावित नहीं होता, विफलता के लिए पूरी टीम जिम्मेदार होती है।पुजारा ने कहा कि पाक टीम के खराब प्रदर्शन का कारण मध्यक्रम की विफलता है। वहीं बाबर को इस टूर्नामेंट में मध्यक्रम में उतारा गया और वह रन नहीं बना पाये। उनके आउट होने से टीम का मध्यक्रम लगातार दबाव में दिखा, जिससे पाकिस्तान की बल्लेबाज ढ़हती दिखी।बाबर ने इस टूर्नामेंट में 6 मैच खेले और 4 पारियों में 91 रन बनाए। उनका औसत 22.75 और स्ट्राइक रेट 112.34 रहा। उनका सबसे अधिक स्कोर 46 रन रहा। ये उन्होंने अमेरिका के खिलाफ बनाया था। भारत के खिलाफ वह एक रन ही बना पाये। पुजारा ने बल्लेबाज फखर ज़मान टूर्नामेंट में काफी रन बनाने वाले साहिबज़ादा फरहान की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि पाक की असली ताकत निडर और आक्रामक क्रिकेट में है, और यही अंदाज उन्हें आगे भी अपनाना होगा पर वर्तमान में टीम काफी रक्षात्मक है।

तीरंदाज अंकिता भकत की नजरें एशियाई खेलों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर लगी

नई दिल्ली । तीरंदाज अंकिता भकत आजकल 2026 एशियाई खेलों की तैयारियों में लगी हैं। अंकिता एशियाई खेलों में अच्छा प्रदर्शन करना चाहती हैं। इसमें वह अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ औसत स्कोर पार करना चाहती हैं। उनका मानना है कि अगर तकनीक पर पूरी पकड़ बन गई, तो वह बड़े मंच पर देश के लिए बड़ा पदक जीत सकती हैं।अंकिता ने अपनी मेहनत से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फिर से पहचान बनाई है। पिछले

साल उसने दक्षिण कोरिया में विपरीत हालातों में अभ्यास किया था। पेरिस ओलंपिक 2024 में चौथे स्थान पर रहने के कुछ महीनों बाद ही उन्होंने खुद को और बेहतर बनाने का फैसला लिया। अंकिता ने टोक्यो ओलंपिक पदक विजेता कांग चेयॉन्ग और जांग मिन ही को भी हाल में हराया था, वहीं पेरिस ओलंपिक की सिल्वर मेडलिस्ट सु–ह्योन पर भी जीत दर्ज की। ऐसे में अब वह एशियाई खेलों को लेकर उत्साहित हैं। अंकिता ने बहुत कम उम्र में कोलकाता के सर्कस ग्राउंड से तीरंदाजी शुरू की थी। लकड़ी के धनुष से शुरुआत कर उन्होंने टाटा आर्चरी अकादमी, जमशेदपुर तक का सफर तय किया। 2016 में पहली बार भारतीय टीम में जगह मिली और तब से अब तक वह कई अंतरराष्ट्रीय पदक जीत चुकी हैं। 2023 एशियन गेम्स में टीम ब्रॉन्ज भी उनके खाते में है।पेरिस ओलंपिक में हालांकि कुछ निर्णायक तीर निशाने से रह गये थे जिससे वह असफल रहीं। अंकिता का साफ कहना है कि हर खिलाड़ी से कभी–कभी गलती होती है और वह उन पलों को सीख की तरह लेती हैं। कोच के अनुसार वह अब पहले से बेहतर हुई है।

सिंधु का ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप से बाहर रहना तय, लक्ष्य सेन पर होगी नजर

हैदराबाद (एजेंसी)। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु का मंगलवार से यहां शुरू होने वाली अखिल इंग्लैंड बैडमिंटन चैंपियनशिप से बाहर रहना तय है क्योंकि अमेरिका के ईरान पर हमले के बाद खाड़ी क्षेत्र में हवाई क्षेत्र बंद होने के कारण वह दुबई में फंस गई हैं। खिलाड़ियों के यात्रा संबंधी बाधाओं ने सुपर इस 1000 प्रतियोगिता की तैयारियों को बुरी तरह प्रभावित किया है।

सिंधु शनिवार से दुबई में फंसी हुई हैं क्योंकि ईरान पर अमेरिका और इजरायल के हमलों और उसके बाद ईरान की जवाबी कार्रवाई के कारण उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। सिंधु और उनके कोच इंडोनेशिया के इरवानस्याह आदि प्रतामा दुबई में फंसे हुए हैं। वह उनके ठहरने के स्थान के करीब हुए विस्फोट में बाल-बाल बच गए थे। खाड़ी क्षेत्र में तनाव बढ़ने के कारण उन्हें बाद में एक सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया।

भारतीय स्टार खिलाड़ी को पहले दौर में थाईलैंड की सुपानिडा कटेथोंग का सामना करना था, लेकिन दुबई के हवाई क्षेत्र और हवाई अड्डे के बंद रहने के कारण उन्हें टूर्नामेंट से हटना पड़ेगा। विश्व बैडमिंटन महासंघ (BWF) भी स्थिति पर कड़ी नजर रख रहा है तथा देर से पहुंचने वाले खिलाड़ियों की मदद करने के लिए तैयार है। सिंधु की टूर्नामेंट में भागीदारी अभी अनिश्चित है, लेकिन भारत के कुछ अन्य खिलाड़ी सिंगापुर और अफ्रीका के वैकल्पिक मार्गों से बर्मिंघम पहुंच गए हैं। हालांकि यह देखना बाकी है कि लंबी और थका देने वाली यात्रा उनकी तैयारियों को कितना प्रभावित करेगी।

भारत के शीर्ष पुरुष एकल खिलाड़ी लक्ष्य सेन और उभरते युवा खिलाड़ी आयुष शेट्टी यात्रा संबंधी किसी भी तरह की समस्या के बिना यहां पहुंच गए हैं। लक्ष्य का पहले दौर में मुकाबला चीन के विश्व के नंबर एक खिलाड़ी शी यु ची से होगा, जबकि आयुष इंडोनेशिया के अलवी फरहान के खिलाफ खेलेंगे। लक्ष्य के लिए पहले दौर की चुनौती बड़ी मुश्किल होगी क्योंकि वह चीन के खिलाड़ी से पिछले पांच मुकाबलों में से चार में हार चुके हैं। आयुष को भी फरहान से पांच मुकाबलों में से तीन में हार का सामना करना पड़ा है, जिसमें जनवरी में इंडोनेशिया मास्टर्स का मुकाबला भी शामिल है।

महिला एकल वर्ग में मालविका बंसोड़ को तोक्यो ओलंपिक चैंपियन चीन की चेन युफेई के खिलाफ कड़ी शुरुआती चुनौती का सामना करना पड़ेगा। उन्नति हुडा अफ्रीका के रास्ते यहां पहुंची है और उन्हें अपने पहले मैच में थाईलैंड की आठवीं वरीयता प्राप्त पोर्नपावी चोचुवोंग से भिड़ने पर जेट लैग से उबरने की जरूरत होगी। पुरुष युगल में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी पहले दौर में मलेशिया के कांग खाई जिंग और आरोन ताई के खिलाफ खेलेंगे। महिला युगल में त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद का सामना जापान की सायका हिरोटा और अयाको सकुरामोतो से होगा।

मिश्रित युगल में ध्रुव कपिला और तनीशा क्रास्टो का मुकाबला मलेशिया के हू पांग रॉन और चेंग सु यिन से, जबकि रोहन कपूर और रुत्विका शिवानी गड्डे का फ्रांस के थॉम गिक्केल और डेल्फिन डेलरू से होगा। प्रकाश पादुकोण (1980) और पुलेला गोपीचंद (2001) ही ऐसे भारतीय खिलाड़ी हैं जिन्होंने ऑल इंग्लैंड का खिताब जीता है। हाल के वर्षों में केवल साइना नेहवाल (2015 उपविजेता) और लक्ष्य (2022 उपविजेता) ही इसके करीब पहुंच पाए।

'टॉक्सिक' में नजर आएंगी संजीदा शेख, छोटा लेकिन दमदार होगा किरदार

अभिनेता यश की अदाकारी वाली फिल्म 'टॉक्सिक' रिलीज से पहले चर्चा में है। यह 19 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इसमें नयनतारा, कियारा आडवाणी, हुमा कुरैशी, रुक्मिणी वसंत और तारा सुतारिया जैसी मजबूत फीमेल कास्ट है। बताया जाता है कि फिल्म में पांच फीमेल एक्ट्रेस के अलावा एक और अभिनेत्री नजर आएंगी।

संजीदा शेख होंगी 'टॉक्सिक' का हिस्सा

वैरायटी इंडिया के मुताबिक अभिनेत्री संजीदा शेख भी फिल्म 'टॉक्सिक' का हिस्सा होंगी। इसमें उनका स्पेशल अपीयरेंस होगा। खबर है कि वह एक छोटा लेकिन अहम किरदार निभाएंगी। 'टॉक्सिक' संजीदा का पहला पैन-इंडिया प्रोजेक्ट है।

संजीदा शेख का वर्कफ्रंट

संजीदा शेख सबसे ज्यादा टीवी में काम करने के लिए जानी जाती हैं। वह 'फाइटर' और 'हीरामंडी: द डायमंड बाजार' जैसे प्रोजेक्ट्स में अदाकारी से फिल्म और OTT में अपनी पहचान बना रही हैं। 'टॉक्सिक' के अलावा संजीदा शेख अजय देवगन स्टारर 'धमाल 4' में भी नजर आएंगी। यह फिल्म 3 जुलाई, 2026 को रिलीज होने वाली है। उनके पास सनी देओल और अक्षय खन्ना के साथ 'इक्का' भी पाइपलाइन में है।

'टॉक्सिक' के बारे में

आपको बता दें कि 'टॉक्सिक: ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स' का निर्देशन गीतू मोहनदास ने किया है। इसके लेखक यश और गीतू मोहनदास हैं। इसे कन्नड़ और इंग्लिश में एक साथ शूट किया गया है। फिल्म को हिंदी, तेलुगु, तमिल, मलयालम और दूसरी भाषाओं में रिलीज किया जाएगा। यह फिल्म 19 मार्च, 2026 को बॉक्स ऑफिस पर रणवीर सिंह स्टारर 'धुरंधर 2' से टकराएगी।

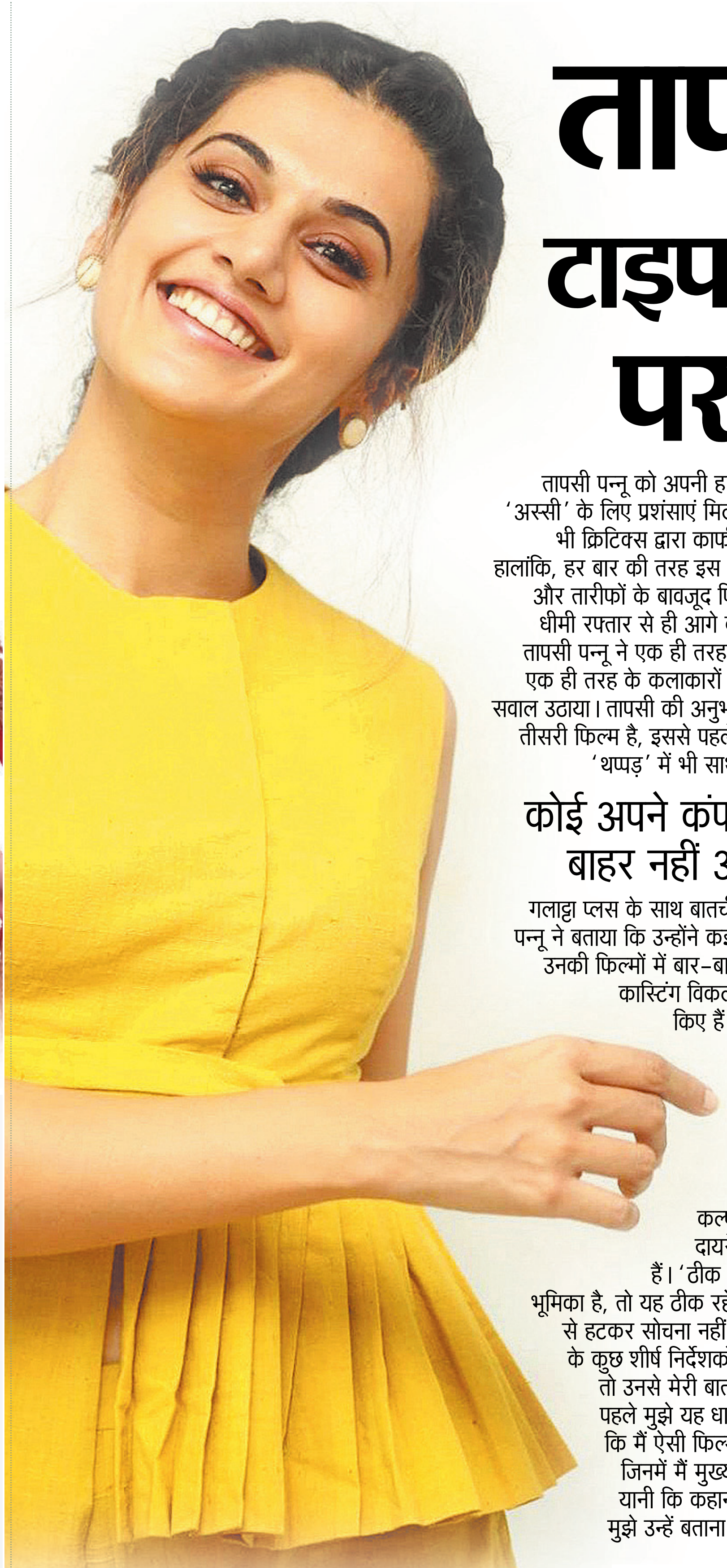

तापसी पन्नू ने टाइपकास्ट किए जाने पर उठाए सवाल

तापसी पन्नू को अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'अस्सी' के लिए प्रशंसाएं मिल रही हैं। फिल्म को भी क्रिटिक्स द्वारा काफी सराहा जा रहा है। हालांकि, हर बार की तरह इस बार भी अच्छा कंटेंट और तारीफों के बावजूद फिल्म बॉक्स ऑफिस धीमी रफ्तार से ही आगे बढ़ रही है। इस बीच तापसी पन्नू ने एक ही तरह के किरदार के लिए एक ही तरह के कलाकारों को चुनने के मुद्दे पर सवाल उठाया। तापसी की अनुभव सिन्हा के साथ ये तीसरी फिल्म है, इससे पहले दोनों 'मुल्क' और 'थप्पड़' में भी साथ काम कर चुके हैं।

कोई अपने कंफर्ट जोन से बाहर नहीं आना चाहता

गलाट्टा प्लस के साथ बातचीत के दौरान तापसी पन्नू ने बताया कि उन्होंने कई प्रमुख निर्देशकों से उनकी फिल्मों में बार-बार दोहराए जाने वाले कास्टिंग विकल्पों के बारे में सवाल किए हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि यह मुश्किल है। मेरे लिए नहीं, बल्कि लोगों के लिए यह कल्पना करना मुश्किल है क्योंकि हम अपनी कल्पना के आरामदायक दायरे में इतने खुश रहते हैं। 'ठीक है, यह इस तरह की भूमिका है, तो यह ठीक रहेगी।' कोई भी लीक से हटकर सोचना नहीं चाहता। जब मैं यहां के कुछ शीर्ष निर्देशकों से मिलने जाती हूं, तो उनसे मेरी बातचीत होती है। सबसे पहले मुझे यह धारणा तोड़नी पड़ती है कि मैं ऐसी फिल्में करने में सहज हूं, जिनमें मैं मुख्य भूमिका में नहीं हूं। यानी कि कहानी मेरी नहीं है। फिर मुझे उन्हें बताना पड़ता है कि मैं कुछ हल्की-फुल्की भूमिकाएं करना चाहती हूं। ऐसा नहीं है कि अगर मुझे फिल्म में होना ही है तो उससे कोई समस्या जुड़ी होनी चाहिए।

मैं हमेशा सवाल उठाती हूं

तापसी ने आगे बताया कि मैं सच में उन पर सवाल उठाती हूं। आप एक ही तरह के किरदारों के लिए हमेशा एक ही चेहरे को क्यों चुनते हैं? यह उनके साथ भी अन्याय है। यह मेरे जैसे लोगों के साथ भी अन्याय है जो अपनी कला में प्रयोग करना चाहते हैं। एक निर्देशक के तौर पर यह सोचना आपकी आत्मसंतुष्टि है कि अरे, यह एक खास तरह का किरदार है और इसके जैसी दिखने वाली लड़कियां कौन हैं? सिर्फ ये लड़कियां। फिर वे किसी और फिल्म में भी वही करेंगी जो उन्होंने पहले किया है। लेकिन जब मैं शायद ऐसा कुछ करूंगी, तो मैं कुछ नया लेकर आऊंगी।

महिला केंद्रित फिल्मों और दमदार किरदारों के लिए मशहूर हैं तापसी

'अस्सी' में तापसी पन्नू एक वकील के किरदार में नजर आ रही हैं। इससे पहले तापसी अनुभव सिन्हा की ही फिल्म 'मुल्क' में भी वकील की भूमिका निभा चुकी हैं। तापसी पन्नू को अक्सर ही महिला केंद्रित और दमदार भूमिका निभाने के लिए जाना जाता है। उनकी इस तरह की फिल्मों में 'अस्सी' और 'मुल्क' के अलावा 'थप्पड़', 'पिंक', 'बदला' और 'सांड की आंख' शामिल हैं। हालांकि, इसके अलावा उन्होंने अपने करियर में कुछ अलग तरह के किरदार भी निभाए हैं, जिनमें 'चश्मे बद्दूर', 'जुड़वां 2', 'हसीन दिलरुबा', 'डंकी' और 'खेल खेल में' शामिल हैं।

अली अब्बास जफर की फिल्म में अहान पांडे निभाएंगे लीड रोल; शरवरी फीमेल लीड

फिल्ममेकर अली अब्बास जफर ने अपनी नई एक्शन-रोमांस फिल्म की शूटिंग आधिकारिक तौर पर शुरू कर दी है। उन्होंने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर कर इसकी जानकारी दी।

अली अब्बास जफर की इस फिल्म में उनके साथ लीड रोल में अहान पांडे नजर आएंगे, जिनकी पिछली फिल्म सैयारा ने जबरदस्त सफलता हासिल की थी। यह अहान की दूसरी बॉलीवुड फिल्म होगी। फिल्म का पहला शूटिंग शेड्यूल मुंबई में लगभग एक महीने तक चलेगा। सोमवार को अली अब्बास जफर ने इंस्टाग्राम पर अहान के साथ एक तस्वीर शेयर कर शूटिंग की शुरुआत का ऐलान किया। तस्वीर में अहान ब्लैक आउटफिट और लेदर जैकेट में काफी डैपर नजर आए, वहीं अली अब्बास जफर भी ऑल-ब्लैक लुक के साथ ब्राउन जैकेट में दिखे। यह फोटो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है।

शरवरी होंगी फीमेल लीड

इस फिल्म में अहान के अपोजिट शरवरी नजर आएंगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मई 2026 में फिल्म की टीम लंदन शेड्यूल के लिए रवाना होगी, जहां एक बड़े एक्शन सीक्वेंस की शूटिंग पांच दिनों तक चलेगी। बताया जा रहा है कि अहान ने इस फिल्म के लिए कड़ी तैयारी की है, जिसमें हैंड-टू-हैंड कॉम्बैट और हथियारों की ट्रेनिंग शामिल है। यह फिल्म उन्हें 'सैयारा' से बिल्कुल अलग अवतार में पेश करेगी। निर्माता जुलाई 2026 तक फिल्म की शूटिंग पूरी करने की योजना बना रहे हैं और इसे 2027 की शुरुआत में रिलीज करने का लक्ष्य है। वहीं खबरें यह भी हैं कि ऐश्वर्य ठाकरे, जिन्होंने 'निशांची' से बॉलीवुड डेब्यू किया था, इस फिल्म में विलेन की भूमिका निभा सकते हैं।

क्या अक्षय कुमार के साथ काम करने वाली हैं अक्षरा सिंह?

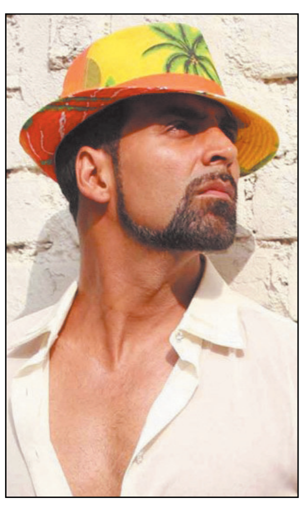

भोजपुरी क्वीन अक्षरा सिंह अक्सर सुर्खियों में रहती हैं। वे सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं और आए दिन अपनी फिल्मों और गानों की वजह से लाइमलाइट में रहती हैं। अक्षरा एक बार फिर चर्चा में हैं और इस बार वजह काफी दिलचस्प है। दरअसल, उन्होंने अक्षय कुमार के साथ एक फोटो साझा किया है। इसके साथ उन्होंने जो कैप्शन लिखा है, उसे देख फैंस भी कयास लगा रहे हैं कि क्या दोनों सितारे साथ आने वाले हैं?

अक्षरा बोलीं- 'सरप्राइज मिलेगा'

अक्षरा सिंह ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट से अपनी और अक्षय कुमार की फोटो साझा की है। वे ब्लू कलर की ड्रेस में नजर आ रही हैं। वहीं, अक्षय कुमार ग्रीन शर्ट में हैं और कैप लगा रखी है। अक्षरा ने पोस्ट के साथ कैप्शन लिखा है, 'जब खिलाड़ी की मुलाकात मृगनयनी से हो। और, कहानी अभी बाकी है। बड़ा सरप्राइज लोड हो रहा है।' इस पोस्ट में अक्षरा ने अक्षय कुमार को भी टैग किया है। अक्षरा सिंह के इस पोस्ट पर नेटिजन्स के दिलचस्प कमेंट्स आ रहे हैं। यूजर्स तरह-तरह के कयास लगा रहे हैं। कुछ यूजर्स अनुमान लगा रहे हैं कि दोनों शायद किसी फिल्म में साथ नजर आ सकते हैं। वहीं, कुछ लोग पूछ रहे हैं कि क्या किसी नए गाने में इनकी जोड़ी देखने को मिलेगी? एक यूजर ने लिखा, 'भोजपुरी और बॉलीवुड की साझेदारी'। एक अन्य यूजर ने लिखा है, 'कुछ तो पक रहा है'। वैसे देखना दिलचस्प होगा कि अक्षरा सिंह इस सरप्राइज से कब पर्दा उठाती हैं?

होली सॉन्ग में वरुण शर्मा के साथ अक्षरा का धमाका

बता दें कि अक्षरा सिंह इन दिनों अपने होली स्पेशल सॉन्ग 'होली पे चले गोली' को लेकर सुर्खियों में हैं। इस गाने में अक्षरा के साथ बॉलीवुड एक्टर वरुण शर्मा नजर आए हैं। दोनों के बीच कमाल की केमिस्ट्री देखने को मिली है। इसके अलावा अक्षरा सिंह अपने कुकिंग व्लॉग को लेकर भी चर्चा में हैं। उन्होंने अपने माता-पिता के साथ 'चटर पटर' व्लॉग शुरू किया है।

कॉमेडी और इमोशन के दो छोर पर खड़ीं संदीपा धर

एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री की दुनिया में एक कलाकार की पहचान उसके प्रोजेक्ट्स के सेलेक्शन से बनती है। ऐसे में अगर कलाकार अलग-अलग जॉनर में खुद को आजमाने का रिस्क उठाए, तो उसका सफर और भी दिलचस्प हो जाता है। इन दिनों एक्ट्रेस संदीपा धर अपने दो बिल्कुल अलग-अलग प्रोजेक्ट्स को लेकर चर्चा में हैं। एक ओर वह आने वाले शो 'चुंबक' में हल्की-फुल्की फैमिली कॉमेडी का हिस्सा हैं, तो दूसरी ओर फिल्म 'दो दीवाने शहर में' में उनका किरदार नैना दर्शकों को इमोशनल कर रहा है।

इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि कैसे इन दोनों प्रोजेक्ट्स ने उन्हें एक कलाकार के रूप में चुनौतियां दीं। आईएएनएस से बात करते हुए संदीपा 'चुंबक' को लेकर बेहद उत्साहित नजर आईं। उन्होंने इस प्रोजेक्ट के बारे में बताया कि यह एक ऐसी फैमिली कॉमेडी है, जिसे हर उम्र का दर्शक साथ बैठकर देख सकता है। उन्होंने कहा, ''आज के दौर में कंटेंट अक्सर बोल्ड देखने को मिलता है, लेकिन 'चुंबक' रिश्तों की गर्माहट को महसूस करने की कोशिश करता है। इसमें किसी तरह की भद्दी कॉमेडी या असहज करने वाले जोक्स नहीं हैं। कहानी पड़ोसियों के इर्द-गिर्द घूमती है, जहां लोग एक-दूसरे के घर बेझिझक आते-जाते हैं, साथ खाना खाते हैं, जिससे रिश्ते अपनेपन वाले बनते थे।''

संदीपा मानती हैं कि आज के समय में यह पड़ोस कल्चर लगभग खत्म हो चुका है और 'चुंबक' उसी खोए हुए अपनापन को वापस लाने की कोशिश है। संदीपा के लिए कॉमेडी का अनुभव नया है। इस पर उन्होंने कहा, ''कॉमेडी जितनी सहज दिखती है, उतनी होती नहीं है। टाइमिंग, रिएक्शन और सिचुएशनल ह्यूमर को पकड़ना आसान नहीं होता। इसमें रिद्म और सटीकता बेहद जरूरी है। लेकिन अनुभवी कलाकारों के साथ काम करने से काफी कुछ सीखने को मिल रहा है। सेट पर हल्के-फुल्के माहौल और टीम के सपोर्ट ने इस जॉनर को समझने में मेरी काफी मदद की है। नीना गुप्ता, सुमित राघवन, सुमित व्यास और देवेन भोजानी जैसे कलाकारों के साथ शूटिंग करना किसी एक्टिंग स्कूल से कम नहीं है। सेट पर कोई सीनियर-जूनियर नहीं है, सब दोस्त जैसे हैं और माहौल पूरी तरह फैमिलियर हो चुका है। अब जैसे-जैसे शूटिंग खत्म होने को है, तो सभी के मन में एक अजीब-सी उदासी महसूस हो रही है।''

संदीपा के लिए इसके बिल्कुल उलट 'दो दीवाने सहर में' का अनुभव भावनात्मक रूप से चुनौतीपूर्ण रहा। हाल ही में रिलीज हुई इस फिल्म में उन्होंने नैना नाम की लड़की का किरदार निभाया। फिल्म में उनकी स्क्रीन टाइमिंग कम थी, लेकिन बावजूद इसके उन्होंने कहानी में अपनी मजबूत पकड़ बनाए रखी।

संदीपा ने कहा, ''इस फिल्म का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद खास अनुभव रहा। फिल्म में मेरे सीन कम थे और मेरा नैना का किरदार बेहद गहराई वाला था। सीमित सीन्स में किसी किरदार की पूरी मानसिक स्थिति दिखाना किसी भी कलाकार के लिए सबसे बड़ी चुनौती होती है। नैना बाहर से एकदम परफेक्ट दिखती है, लेकिन अंदर से वह अकेली, उलझी और टूटी हुई है। इस दोहरेपन को पर्दे पर उतारना मेरे लिए किसी परीक्षा की तरह था।''

उन्होंने आगे कहा, ''फिल्म में ब्रेकडाउन सीन मेरे लिए सबसे ज्यादा चुनौतीपूर्ण रहा, क्योंकि इसमें सिर्फ मैं ही थी और पूरा भावनात्मक बोझ मुझ पर ही था। मैं ग्लिसरीन का इस्तेमाल नहीं करती, इसलिए हर टेक में असली इमोशन्स लाना शारीरिक और मानसिक रूप से थका देने वाला था। गर्मी में मुंबई की पीक समर के दौरान शूटिंग करना भी मुश्किलें बढ़ाता है, लेकिन जब पूरी टीम का साथ मिलता है, तो मुश्किलें भी यादगार बन जाती हैं।''

राग-रंग का लोकप्रिय पर्व होली

होली भारत का प्रमुख त्योहार है। होली जहाँ एक ओर सामाजिक एवं धार्मिक त्योहार है, वहीं रंगों का भी त्योहार है। बाल-वृद्ध, नर-नारी सभी इसे बड़े उत्साह से मनाते हैं। इसमें जातिभेद-वर्णभेद का कोई स्थान नहीं होता। इस अवसर पर लकड़ियों तथा कंडों आदि का ढेर लगाकर होलिकापूजन किया जाता है फिर उसमें आग लगायी जाती है। पूजन के समय मंत्र उच्चारण किया जाता है।

होली खेलने से पहले इन बातों का रखें ध्यान!

रंगों और खुशियों के त्योहार होली के रंग में सराबोर होने के लिए घर से निकलने से पहले आपको त्वचा और बालों की सुरक्षा के संबंध में कुछ बातों का ख्याल जरूर रखना चाहिए, जिससे आपको किसी प्रकार की समस्या का सामना नहीं करना पड़े. त्वचा विशेषज्ञ ने होली खेलने निकलने से पहले त्वचा की देखभाल के संबंध में ये सुझाव दिए हैं -

- कुछ लोग होली खेलने के पहले बाल यह सोचकर नहीं धुलते हैं कि रंग खेलने से बाल गंदे होने ही हैं, लेकिन पहले से गंदे बाल में रंग लगने से आपके बालों को और नुकसान पहुंच सकता है और बाल रुखे हो सकते हैं, इसलिए बाल धुलकर, सुखाने के बाद बालों में अच्छी तरह से तेल लगाकर ही होली खेलने निकलें.
- होली खेलने निकलने से पहले सनस्क्रीन क्रीम लगाना नहीं भूलें, क्योंकि तेज धूप में आपकी त्वचा झुलस सकती हैं और रंग काला पड़ सकता है.
- बाजार में उपलब्ध सिंथेटिक रंगों में हानिकारक केमिकल और शीशा भी हो सकता है, जिससे आपकी त्वचा और आंखों को नुकसान पहुंच सकता है. इसलिए त्वचा और बालों पर अच्छे से तेल लगाएं और हो सके तो प्राकृतिक रंगों या घर पर बने टेसू के फूल वाले रंग से होली खेलें. कानों के पीछे, उंगलियों के बीच में भी तेल अच्छे से लगाएं और नाखूनों पर नेल पॉलिश लगाना नहीं भूलें. बालों में नारियल तेल डालकर अच्छे से मसाज करें, इससे आपके बाल रूखे भी नहीं होंगे.
- शरीर के अधिकांश हिस्सों को रंगों से बचाने के लिए पूरी आस्तीन के कपड़े पहनें, सूती रंग के ही कपड़े पहनें, क्योंकि भीगने पर सिंथेटिक कपड़े शरीर से चिपक जाते हैं और आपको उलझन महसूस हो सकती है.
- फलों और सब्जियों के छिलकों को सुखाकर उसमें टेल्कम पाउडर और संतरे के सूखे छिलकों के पाउडर को मिलाकर होली खेलना एक अच्छा विकल्प है. इसमें हल्दी पाउडर, जिंजर रूट पाउडर व दालचीनी पाउडर भी मिलाए जा सकते हैं, जो आपकी त्वचा के लिए हानिकारक साबित नहीं होंगे, लेकिन इन पाउडर को जोर से त्वचा पर मले नहीं, क्योंकि इससे लालिमा, खरोंच या दानें पड़ सकते हैं और त्वचा में जलन हो सकती है.
- होली खेलने के बाद सौम्य फेसवॉश या साबुन का ही इस्तेमाल करें, क्योंकि हार्श साबुन से त्वचा रूखी हो सकती है, नहाने के बाद मॉइश्चराइजर और बॉडी लोशन जरूर लगाएं.
- बालों को सौम्य हर्बल शैम्पू से अच्छी तरह से धुलें, ताकि अभ्रक युक्त और केमिकल वाले रंग बालों से अच्छी तरह से निकल जाएं, शैम्पू के बाद बालों का रूखापन दूर करने के लिए एक मग पानी में एक नींबू का रस मिलाकर धुलें या फिर बीयर से भी बाल धुला जा सकता है, इससे आपके बाल मुलायम रहेंगे.

होली वसंत ॠतु में मनाया जाने वाला एक महत्वपूर्ण भारतीय और नेपाली लोगों का त्योहार है। यह पर्व हिंदू पंचांग के अनुसार फाल्गुन मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है। रंगों का त्योहार कहा जाने वाला यह पर्व पारंपरिक रूप से दो दिन मनाया जाता है। यह प्रमुखता से भारत तथा नेपाल में मनाया जाता हैं। यह त्यौहार कई अन्य देशों जिनमें अल्पसंख्यक हिन्दू लोग रहते हैं वहां भी धूम-धाम के साथ मनाया जाता हैं। पहले दिन को होलिका जलायी जाती है, जिसे होलिका दहन भी कहते है। दूसरे दिन, जिसे प्रमुखत: धुलेंडी व धुरड्डी, धुरखेल या धूलिवंदन इसके अन्य नाम हैं, लोग एक दूसरे पर रंग, अबीर-गुलाल इत्यादि फेंकते हैं, ढोल बजा कर होली के गीत गाये जाते हैं और घर-घर जा कर लोगों को रंग लगाया जाता है। ऐसा माना जाता है कि होली के दिन लोग पुरानी कटुता को भूल कर गले मिलते हैं और फिर से दोस्त बन जाते हैं। एक दूसरे को रंगने और गाने-बजाने का दौर दोपहर तक चलता है। इसके बाद स्नान कर के विश्राम करने के बाद नए कपड़े पहन कर शाम को लोग एक दूसरे के घर मिलने जाते हैं, गले मिलते हैं और मिठाइयाँ खिलाते हैं।

राग-रंग का यह लोकप्रिय पर्व वसंत का संदेशवाहक भी है। राग अर्थात संगीत और रंग तो इसके प्रमुख अंग हैं ही पर इनको उत्कर्ष तक पहुँचाने वाली प्रकृति भी इस समय रंग-बिरंगे यौवन के साथ अपनी चरम अवस्था पर होती है। फाल्गुन माह में मनाए जाने के कारण इसे फाल्गुनी भी कहते हैं। होली का त्योहार वसंत पंचमी से ही आरंभ हो जाता है। उसी दिन पहली बार गुलाल उड़ाया जाता है। इस दिन से फाग और धमार का गाना प्रारंभ हो जाता है। खेतों में सरसों खिल उठती है। बाग-बगीचों में फूलों की आकर्षक छटा छा जाती है। पेड़-पौधे, पशु-पक्षी और मनुष्य सब उल्लास से परिपूर्ण हो जाते हैं। खेतों में गेहूँ की बालियाँ इठलाने लगती हैं। बच्चे-बूढ़े सभी व्यक्ति सब कुछ संकोच और रूढ़ियाँ भूलकर ढोलक-झाँझ-मंजीरों की धुन के साथ नृत्य-संगीत व रंगों में डूब जाते हैं। चारों तरफ़ रंगों की फुहार फूट पड़ती है। होली के दिन आम्र मंजरी तथा चंदन को मिलाकर खाने का बड़ा माहात्म्य है।

विशिष्ट उत्सव

भारत में होली का उत्सव अलग-अलग प्रदेशों में भिन्नता के साथ मनाया जाता है। ब्रज की होली आज भी सारे देश के आकर्षण का बिंदु होती है। बरसाने की लठमार होली काफ़ी प्रसिद्ध है। इसमें पुरुष महिलाओं पर रंग डालते हैं और महिलाएँ उन्हें लाठियों तथा कपड़े के बनाए गए कोड़ों से मारती हैं। इसी प्रकार मथुरा और वृंदावन में भी 15 दिनों तक होली का पर्व मनाया जाता है। कुमाऊँ की गीत बैठकी में शास्त्रीय संगीत की गोष्ठियाँ होती हैं। यह सब होली के कई दिनों पहले शुरू हो जाता है। हरियाणा की धुलंडी में भाभी द्वारा देवर को सताए जाने की प्रथा है। बंगाल की दोल जात्रा चैतन्य महाप्रभु के जन्मदिन के रूप में मनाई जाती है। जलूस निकलते हैं और गाना बजाना भी साथ रहता है। इसके अतिरिक्त महाराष्ट्र की रंग पंचमी में सूखा गुलाल खेलने, गोवा के शिमगो में जलूस निकालने के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन तथा पंजाब के होला मोहल्ला में सिक्खों द्वारा शक्ति प्रदर्शन की परंपरा है। तमिलनाडु की कमन पोडिगई मुख्य रूप से कामदेव की कथा पर आधारित वसंतोतसव है जबकि मणिपुर के याओसांग में योंगसांग उस नन्हीं झोंपड़ी का नाम है जो पूर्णिमा के दिन प्रत्येक नगर-ग्राम में नदी अथवा सरोवर के तट पर बनाई जाती है। दक्षिण गुजरात के आदिवासियों के लिए होली सबसे बड़ा पर्व है, छत्तीसगढ़ की होरी में लोक गीतों की अद्भुत परंपरा है और मध्यप्रदेश के मालवा अंचल के आदिवासी इलाकों में बेहद धूमधाम से मनाया जाता है भगोरिया, जो होली का ही एक रूप है। बिहार का फगुआ जम कर मौज मस्ती करने का पर्व है और नेपाल की होली में इस पर धार्मिक व सांस्कृतिक रंग दिखाई देता है। इसी प्रकार विभिन्न देशों में बसे प्रवासियों तथा धार्मिक संस्थाओं जैसे इस्कॉन या वृंदावन के बांके बिहारी मंदिर में अलग अलग प्रकार से होली के श्रृंगार व उत्सव मनाने की परंपरा है जिसमें अनेक समानताएँ और भिन्नताएँ हैं।

आधुनिकता का रंग

होली रंगों का त्योहार है, हँसी-खुशी का त्योहार है, लेकिन होली के भी अनेक रूप देखने को मिलते है। प्राकृतिक रंगों के स्थान पर रासायनिक रंगों का प्रचलन, भांग-ठंडाई की जगह नशेबाजी और लोक संगीत की जगह फ़िल्मी गानों का प्रचलन इसके कुछ आधुनिक रूप हैं। लेकिन इससे होली पर गाए-बजाए जाने वाले ढोल, मंजीरों, फाग, धमार, चैती और ठुमरी की शान में कमी नहीं आती। अनेक लोग ऐसे हैं जो पारंपरिक संगीत की समझ रखते हैं और पर्यावरण के प्रति सचेत हैं। इस प्रकार के लोग और संस्थाएँ चंदन, गुलाबजल, टेसू के फूलों से बना हुआ रंग तथा प्राकृतिक रंगों से होली खेलने की परंपरा को बनाए हुए हैं, साथ ही इसके विकास में महत्वपूर्ण योगदान भी दे रहे हैं। रासायनिक रंगों के कुप्रभावों की जानकारी होने के बाद बहुत से लोग स्वयं ही प्राकृतिक रंगों की ओर लौट रहे हैं। होली की लोकप्रियता का विकसित होता हुआ अंतर्राष्ट्रीय रूप भी आकार लेने लगा है। बाज़ार में इसकी उपयोगिता का अंदाज़ इस साल होली के अवसर पर एक अंतर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठान केन्ज़ोआमूर द्वारा जारी किए गए नए इत्र होली है से लगाया जा सकता है।

होलिका दहन पर भद्रा का साया और होली पर चंद्र ग्रहण, जानिए कब क्या करें?

होलिका दहन के बाद दूसरे दिन होली खेली जाती है जिसे धुलेंडी कहते हैं। धुलेंडी यानी रंगवाली होली। इस बार होलिका दहन और धुलेंडी पर भद्रा के साथ ही चंद्र ग्रहण का योग भी बन रहा है। ऐसे में यह जानना जरूरी है कि होलिका दहन की पूजा कब करें और कब होली खेलें। हिंदू पंचांग अनुसार 13 मार्च 2025 गुरुवार को होलिका दहन होगा और 14 मार्च शुक्रवार को धुलेंडी रहेगी लेकिन क्या है होलिका दहन का मुहूर्त और कब खेलें होली।

पूर्णिमा तिथि प्रारम्भ- 13 मार्च 2025 को सुबह 10 :35 बजे से प्रारंभ।

पूर्णिमा तिथि समाप्त- 14 मार्च 2025 को दोपहर 12 :23 बजे समाप्त।

भद्रा पूंछ- शाम को 06ः57 से रात्रि 08ः14 तक।

भद्रा मुख- रात्रि 08ः14 से रात्रि 10ः22 तक।

दिनांक 14 मार्च 2025 शुक्रवार को सुबह 09 :29 बजे से दोपहर 03 :29 बजे तक यह पूर्ण चंद्र ग्रहण लगेगा। होलिका दहन और होली पर भारत में चंद्र ग्रहण का प्रभाव नहीं रहेगा क्योंकि यह ग्रहण भारत में दिखाई नहीं देगा। होली पर चंद्र ग्रहण और सूतक काल का कोई प्रभाव नहीं रहेगा इसलिए धुलेंडी का पर्व मनाया जा सकता है।

13 मार्च 2025 को रात्रि में भद्रा के पूंछ काल में होलिका दहन कर सकते हैं। यदि भद्रा को छोड़ना है तो होलिका दहन श्रेष्ठ मुहूर्त- मध्यरात्रि 11 :26 से 12 :30 के बीच। इसके बाद दूसरे दिन रंग वाली होली खेल सकते हैं।

क्या है होली और राधा-कृष्ण का संबंध

होली के पर्व का जिक्र आते ही मन रंगों से खेलने लगता है और प्रेम के इस पर्व में हर कोई राधा व कृष्ण हो जाना चाहता है। आप सोच रहे होगे कि राधा व कृष्ण का होली से क्या नाता है तो आइये जानते हैं। होली और राधा-कृष्ण का क्या संबंध है।

भगवान विष्णु ने जितने भी अवतार धारण किये हैं चित्रों के माध्यम से उन्हें सांवले रंग का दिखाया जाता है और भगवान श्री कृष्ण का तो नाम ही श्याम लिया जाता है। लेकिन उनका यह श्याम रंग बनने की कहानी है। दरअसल जब श्री कृष्ण के मामा कंस ने राक्षसी पुतना को जन्माष्टमी के दिन जन्मे शीशुओं को स्तन से विषपान करवाकर मरवाने के लिये भेजा तो श्री कृष्ण ने विषपान तो किया लेकिन भगवन का क्या बिगड़ना था, पुतना तो मारी गई लेकिन बाल गोपाल विषपान करने से श्याम वर्ण के हो गये। अब उन्हें यह चिंता सताने लगी कि इस श्याम रंग के साथ प्रिय सखी राधा सहित अन्य गोपियां उन्हें भाव नहीं देंगी। गौर वर्णीय राधा को जब भी वे देखते उन्हें स्वयं का श्याम वर्ण होना अखरने लगता। वे इसकी शिकायत अपनी मैया यशोदा से करते हैं वो गीत तो आपने भी सुना होगा यशोमति मैया से बोले नंदलाला, राधा क्यों गौरी मैं क्यूं काला। तो माता उन्हें प्रसन्न करने के लिये सुझाव देती हैं वह भी राधा के मुख पर वैसा ही रंग लगा दे जैसा वे चाहते हैं। बस माता की शय मिलने की देर थी, नटखट श्याम राधा सहित सभी गोपियों को रंगने लग जाते हैं। धीरे-धीरे उनकी यह शरारत फैलने लगती है और ॠतुराज वसंत के इस प्यार भरे मौसम में एक दूसरे पर रंग डालने की यह लीला एक प्रेममयी परंपरा के रूप में हर साल फाल्गुन के महीने में निभायी जाने लगती है। होली के दिनों में मथुरा वृंदावन का नजारा तो आज भी देखते ही बनता है।

क्या है महत्व

वैसे यह श्री राधा व भगवान श्री कृष्ण की होली पर खेली गई यह प्रेम लीला एक प्रतीक भर है कि यह रंग कोई भौतिक रंग नहीं है बल्कि भक्ति का रंग है। भगवान का रंग है, सद्भावना का रंग है, विश्वास का रंग है जिनसे होली खेली जाती है। और जो होली जलाई जाती है वह संदेह की, अंहकार की, वैरभाव की, ईर्ष्या की होली जलाई जाती है जिसके उपरांत ही निष्काम प्रेम की कामना पूर्ण होती है और अपने आराध्य श्री कृष्ण की अपने ठाकुर जी की कृपा प्राप्त होती है।